ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बेंगलूरु के विकास के लिए अधिक धनराशि दी जाए: बी.वाई. विजयेंद्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 01 मार्च, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-59

दिल्ली घेर रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिए, सुरक्षा को खतरा

गृह मंत्री ने फौरन बुलाई बैठक, सीएम और आला अफसर मौजूद

अवैध घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो : अमित शाह

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के कार्यकाल में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को सुनियोजित तरीके से देश की राजधानी दिल्ली में बसाया गया। हालत यह हो गई है कि दिल्ली के चारों तरफ बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों का घेरा बन गया है। यह घेरा दिल्ली के राजधानी क्षेत्र की तरफ कसता जा रहा है। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने इस बारे में दिल्ली सरकार से लेकर केंद्र सरकार को कई बार अलर्ट किया है। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश भी जारी किया था, लेकिन दिल्ली की आपा सरकार ने इसमें कोई रुचि नहीं दिखाई। बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के

बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को निकालेंगे : रेखा गुप्ता

कारण दिल्ली की सुरक्षा पर खतरे की आशंका वाली रिपोर्ट पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली सरकार के गृह मंत्री आशीष सूद, प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों के आला अधिकारियों की बैठक बुलाई। केंद्रीय गृह मंत्री ने निर्देश दिया है कि दिल्ली को बांग्लादेशियों और रोहिंग्या घुसपैठियों से शीघ्र मुक्त किया जाए और अवैध घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। बैठक के बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, हम बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को दिल्ली से जल्द निकालेंगे। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय खुफिया एजेंसियों द्वारा आगाह किए जाने के बावजूद तत्कालीन दिल्ली ▶10पर

कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी केजरीवाल-सिंड्रोम के शिकार

बदहाल कर्नाटक में भी सीएम के लिए बनेगा शीशमहल!

बेंगलुरु, 28 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भी केजरीवाल-सिंड्रोम हो गया है। वे भी अपने लिए आलीशान शीशमहल बनवा रहे हैं। अब कर्नाटक सरकार के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया अपने सरकारी आवास कावेरी का जीर्णोद्धार नहीं बल्कि शीशमहलोद्धार करा रहे हैं। कावेरी के शीशमहलीकरण पर राज्य लोक निर्माण विभाग का 2.60 करोड़ रुपया खर्च होगा। कांग्रेस शासित राज्य तेलंगाना की खस्ता आर्थिक हालत की खबरें पिछले दिनों उजागर हो चुकी हैं। कांग्रेस शासित राज्य हिमाचल भी दिवालियेपन की स्थिति में आ चुका है और पैसे जुटाने के लिए मंदिरों पर निशाना साधना शुरू कर दिया है। इसके खिलाफ हिमाचल में जनाक्रोश बढ़ता जा रहा है।

हिमाचल भी हुआ कंगाल, मंदिरों से पैसे मांग रही सरकार

कर्नाटक राज्य के वित्त विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के सरकारी आवास में बाथरूम, एक नया सहायक कक्ष, अतिरिक्त भंडारण कक्ष, भंडारण रैक, उन्नत प्रकाश व्यवस्था, जल व्यवस्था, फर्नीचर सहित कई अन्य किस्म काम नए सिरे से होंगे। सहायक कक्ष के निर्माण और रसोई के सामान आदि के लिए 1.70 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। वहीं, एयर कंडीशनर और बिजली को भव्य बनाने के लिए 89 लाख रुपए खर्च होंगे। ▶10पर

हिमाचल सरकार मंदिरों से मांग रही पैसा

शिमला, 28 फरवरी (एजेंसियां)। मुफ्त की रेवड़ी बांटकर आर्थिक संकट में घिर चुके हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार अब मंदिरों पर नजर गड़ाए हुई है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने अपनी योजनाओं को चलाने के लिए राज्य के बड़े मंदिरों को पत्र लिखकर उनसे पैसे मांगे हैं। भाजपा ने इसका विरोध किया है। कांग्रेस सरकार के भाषा एवं संस्कृति विभाग ने 29 जनवरी 2025 को मंदिर ट्रस्टों को पत्र लिखा था। इसमें मंदिर समितियों से जरूरतमंद बच्चों की मदद करने का आग्रह किया गया है। ▶10पर

जिस कैग रिपोर्ट को दबाए थे, उसने खोली केजरीवाल की पोल

अस्पतालों में आईसीयू नहीं मोहल्ला क्लिनिक्स भी लूटा

लाडली योजना में भी किया 220 करोड़ का घोटाला

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। देश की राजधानी होने के नाते दिल्ली की जनता के लिए स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं हमेशा से अहम रही हैं। ये अलग बात है कि जनता को हमेशा झुनझुना ही मिलता रहा है। दिल्ली की सत्ता पर 11 साल काबिज रहे अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली आम आदमी पार्टी (आपा) सरकार ने जनहित के काम करने की जगह केवल ढिंढोरा पीटा। यह साबित हो गया है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट्स से केजरीवाल सरकार की करतूतें क्रमशः उजागर हो रही हैं। अरविंद केजरीवाल या आतिशी के मुख्यमंत्री रहते विधानसभा में कैग की रिपोर्ट पेश नहीं होने दी गई थी।सीएजी की दो नई रिपोर्ट्स ने दिल्ली की स्वास्थ्य सेवाओं और सामाजिक योजनाओं की पोल खोल दी है। पहली रिपोर्ट में दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली सामने आई है, जिसमें सरकारी अस्पतालों में आईसीयू, एंबुलेंस और बेड की कमी से लेकर कोविड-19 के दौरान फंड के दुरुपयोग तक की बातें शामिल हैं। दूसरी कैग रिपोर्ट ने दिल्ली सरकार की लाडली योजना में 220 करोड़ रुपए से ज्यादा की गड़बड़ियां उजागर की हैं, जिसमें फर्जी पंजीकरण, वित्तीय लापरवाही और लाभार्थियों तक फायदा न पहुंचने जैसे गंभीर मुद्दे हैं। ये दोनों रिपोर्ट्स बताती हैं कि दिल्ली सरकार ने जनता की भलाई के लिए मिले संसाधनों का सही इस्तेमाल नहीं किया और कुप्रबंधन के चलते आम लोग परेशान रहे। इन रिपोर्ट्स ने सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं और सुधार की सख्त जरूरत को रेखांकित किया है। ▶10पर

मोहल्ला क्लिनिक : थर्मामीटर, ऑक्सीमीटर तक खा गई आपा

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। जिस मोहल्ला क्लिनिक का हौवा बनाकर आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने अपनी सियासत चमकाई थी, सत्ता जाते ही उनके द्वारा बनाया गया धुएं का गुबार अब छंटने लगा है। केजरीवाल दावा करते थे कि मोहल्ला क्लिनिक आयुष्मान भारत योजना से कहीं बेहतर है। लेकिन अब कैग की रिपोर्ट केजरीवाल शासन के दौरान मोहल्ला क्लिनिक की असलियत को सामने ला दिया है। कैग रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि बाकी की सुविधाएं तो दूर की बात हैं, मोहल्ला क्लिनिक में तो थर्मामीटर तक नहीं है।कैग की ऑडिट रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि दिल्ली में मोहल्ला क्लिनिक, कर्मियों, बुनियादी ढांचों की कमी, ▶10पर

विदेशी फंडिंग से भारत को कमजोर करने का कुचक्र

राष्ट्रविरोधी हरकतें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी: धनखड़

नई दिल्ली 28 फरवरी (एजेंसियां)। देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने विदेशी फंडिंग से भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करने की साजिशी कोशिशों पर गंभीर चिंता जताई है। उपराष्ट्रपति ने यह बात यूएसएड के जरिए भारत में चुनावों को प्रभावित करने के लिए अलॉट किए गए 21 मिलियन डॉलर की रकम के प्रसंग में कही। उपराष्ट्रपति ने कहा कि इन फंडिंग्स इस्तेमाल विदेशी शक्तियां पसंदीदा उम्मीदवार को जिताने के लिए कर रही थीं, इस तरीके की हरकतों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने संसद की कार्यवाहियों में विपक्षियों द्वारा बेवजह रोड़ा अटकाने पर अफसोस जाहिर करते हुए कहा कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो इससे किसी भी मुद्दे का हल नहीं निकाला जा सकेगा। उपराष्ट्रपति ने सवाल किया कि अगर मुद्दों का समाधान बातचीत के जरिए किया जा सकता है तो फिर लोकतंत्र के मंदिर पर इतना अधिक दबाव क्यों? ▶10पर

फंडिंग रुकने से बंद हुआ हैदराबाद का ट्रांसजेंडर क्लिनिक

हैदराबाद, 28 फरवरी (एजेंसियां)। यूएसएड से मिलने वाले फंड से चल रहा हैदराबाद का ट्रांसजेंडर क्लिनिक (मित्र क्लिनिक) फंड रुकने के कारण बंद हो गया। मित्र क्लिनिक यूएसएड से मिली फंडिंग से चलता था। यह क्लिनिक जनवरी 2021 में यूएसएआईडी और जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी की साझेदारी से शुरू हुआ था। मित्र क्लिनिक ट्रांसजेंडर समुदाय को स्वास्थ्य सेवाएं, हार्मोन थेरेपी, जेंडर बदलने की सलाह, मानसिक स्वास्थ्य ▶10पर

कश्मीर में आतंकी फंडिंग पर कड़ा प्रहार

हिजबुल के 5 आतंकियों की सम्पत्ति जब्त

रामबन, 28 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने रामबन जिले के गूल इलाके में आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन के पांच आतंकियों की अचल सम्पत्तियां जब्त की हैं। ये सभी पाकिस्तान अधिक्रांत जम्मू और कश्मीर में चले गए हैं और वहीं से अपनी गतिविधियां चला रहे हैं। गूल क्षेत्र के इन पांच आतंकवादियों की अचल सम्पत्तियों को जब्त करना आतंकवाद के फंडिंग नेटवर्क को खत्म करने और क्षेत्र में आतंकवाद को रोकने में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। ▶10पर

जम्मू कश्मीर हाईकोर्ट ने दी सख्त चेतावनी

अच्छी सड़क के लिए टोल वसूलें, खराब के लिए नहीं

श्रीनगर, 28 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख हाईकोर्ट ने कहा है कि सड़कों की हालत खराब होने के बावजूद टोल टैक्स वसूलना अनुचित है। इसके साथ ही अदालत ने पंजाब (पठानकोट) से जम्मू (उधमपुर) तक जाने वाली राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर पड़ने वाले दो टोल प्लाजा पर टोल टैक्स में 80 प्रतिशत की कटौती करने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि टोल का संग्रह उपयोगकर्ताओं को अच्छी लाभ देने के लिए किया जाता है। मुख्य न्यायाधीश ताशी राबस्तान और न्यायमूर्ति एमए चौधरी की खंडपीठ ने कहा कि यदि निर्माण गतिविधियों के कारण राजमार्ग खराब स्थिति में है तो भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण या रियायतग्राही यात्रियों से टोल टैक्स नहीं वसूल सकते। अदालत ने कहा कि टोल उपयोगकर्ताओं के लिए सुचारू, सुरक्षित और अच्छी तरह से बनाए गए राजमार्गों के बदले में मुआवजे का एक रूप होना चाहिए। हाईकोर्ट ने यह बात एक जनहित याचिका की सुनवाई करने के दौरान कही। याचिका में दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे परियोजना के तहत निर्माणाधीन पठानकोट से उधमपुर तक राजमार्ग पर स्थित लखनपुर, ठंडी खुई और बन्न टोल प्लाजा पर टोल टैक्स में छूट की मांग की गई थी। यह याचिका सुगंधा साहनी ने दाखिल की थी। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि एनएच-44 खंड का 60 प्रतिशत से 70 प्रतिशत हिस्सा दिसंबर 2021 से निर्माणाधीन है। इसके बावजूद राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क (दरों का निर्धारण एवं संग्रह) नियम 2008 के विपरीत टोल वसूला जा रहा है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 34⁰

न्यूनतम : 22⁰

माणा में भारी हिमस्खलन 57 मजदूर दबे

15 मजदूर बचाए गए, लापता मजदूरों की तलाश जारी

चमोली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी के बीच शुक्रवार को भारत-चीन (तिब्बत) सीमा क्षेत्र में माणा कैंप के पास भारी हिमस्खलन में 57 मजदूर दब गए। बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन (बीआरओ) के तहत हो रहे सड़क निर्माण में मजदूर काम कर रहे थे। बताया गया कि 15 मजदूरों को सुरक्षित निकाला गया। जबकि बाकी मजदूर लापता है। सेना और आईटीबीपी की मदद से मजदूरों को निकालने की कोशिशें जारी हैं। क्षेत्र में मौसम खराब होने के चलते संचार सेवा ठप्प पड़ी है। चमोली के जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बताया कि माणा और माणा पास के बीच हिमस्खलन होने से मजदूरों के दबने की सूचना है। एयर फोर्स से मदद मांगी जा रही है। एनडीआरएफ की टीम को भी मौके पर रवाना किया गया है। बदरीनाथ धाम, हेमकुंड साहिब, फूलों की घाटी, रुद्रनाथ, लाल माटी, नंदा घुंघटी, औली, गोरसों के साथ ही नीती और ▶10पर

दिल्ली मुंबई ही नहीं, 17 राज्यों में पसरे हैं करोड़ों बांग्लादेशी और रोहिंग्या

जब अमेरिका हुआ सख्त, तब हमें भी होश आया कमबख्त

अवैध प्रवासियों पर अमेरिका ने जब सख्ती दिखाई तब जाकर भारत समेत कई देशों का यह एहसास जागा कि अवैध प्रवासी देश को घुन की तरह खाए जा रहे हैं और सुरक्षा पर गंभीर खतरा बने हुए हैं। दिल्ली में गृह मंत्रालय को यह चिंता जोर से तब आई, जब खुफिया एजेंसियों ने यह रिपोर्ट दी कि देश की राजधानी दिल्ली ही अब बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं से घिरती चलती चली जा रही है। आपको तो याद ही होगा कि अभी हाल ही फिल्म अभिनेता सैफ अली खान पर जिसने हमला किया था, वह शरीफुल इस्लाम शहजाद बांग्लादेशी घुसपैठिया था। वह बिजॉय दास नाम से मुंबई में काम करता था। जब घुसपैठिए बड़े लोगों की सुरक्षा पर खतरा बन जाएं तो व्यवस्था जाग्रत होने लगती है। भारत में व्यवस्था के जाग्रत होने के पीछे भी यही वजह है। मुंबई में एक बांग्लादेशी महिला कुलसुम शेख को भी मुंबई पुलिस ने पकड़ा था। वह 2016 से मोहिनी के नाम से शहर में रह रही थी और बड़े घरों में काम कर रही थी। ऐसे ही कई बांग्लादेशी बेंगलुरु, दिल्ली, यूपी, बिहार, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, असम, कर्नाटक और देश के अन्य कई राज्यों से पकड़े जा चुके हैं, जिन्होंने भारत में हिंदू नामों के लिबास में खुद को छिपा लिया। दिल्ली में आए दिन बांग्लादेशी पकड़े जाते हैं। देश के कई हिस्से ऐसे हैं, जहां अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण इलाके की डेमोग्राफी बदल गई है। आपराधिक वारदात में भी बांग्लादेशी और रोहिंग्या खूब सक्रिय हैं। पिछले दिनों पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भी बीएसएफ पर घुसपैठ कराने के गंभीर आरोप लगाए थे। रिपोर्टस के मुताबिक, कश्मीर से कन्याकुमारी के बीच देश के करीब 17 राज्यों में करीब दो करोड़ बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे हैं। इस बारे में पहला आधिकारिक आंकड़ा संसद में 2007 में आया था। तब तत्कालीन गृह राज्य मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल ने बताया था कि भारत में 12 मिलियन यानी 1.2 करोड़ अवैध बांग्लादेशी हैं। हालांकि बाद में उन्होंने इस आंकड़े के स्रोतों को गलत बताते हुए अपना बयान वापस ले लिया था। फिर दूसरी बार इस पर सीबीआई के पूर्व डायरेक्टर जोगिंदर सिंह ▶10पर

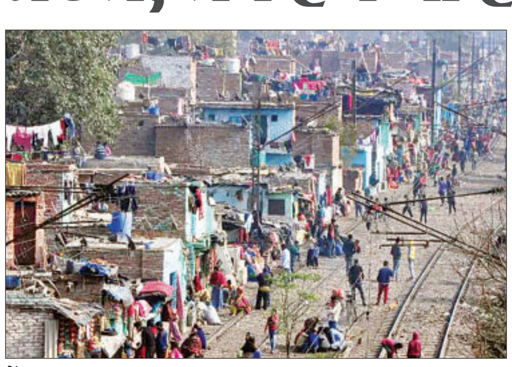

शुभ-लाभ विमर्श

एक दिवसीय गेटवे टू ग्रोथ विजिटर-डे कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जीतो बेंगलूरु साउथ ने 'गेटवे टू ग्रोथ - विजिटर डे' कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें स्वउद्यमियों को अपने व्यवसाय के विकास व विस्तार के लिए बेहतर आयाम तथा अन्य उद्यमियों से नेटवर्क स्थापित करने मौका मिला। शहर स्थित एक पांच सितारा होटल में इस एक दिवसीय वृहद कार्यक्रम में 250 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया। जीतो बिजनेस नेटवर्क (जेबीएन) की हमेशा यही कोशिश रही है कि व्यवसायिकों को अन्य उद्यमियों से आपसी संपर्क के नवीन अवसर तथा उद्यम की दिशा में नवीन पहलुओ से रू-ब-रू होने का मौका मिले। इस कार्यक्रम में बिजनेस स्वउद्यमी, दिग्गज हस्तियों और विशिष्ट मेहमानों की हाजरी देखी गई। इसमें प्रतिभागियों ने आपसी नेटवर्क बढाने और कारोबारी साझेदारी की संभावनाओ को तराशा। व्यवसाय से जुड़ी जानकारी से लेकर निवेश संबंधी जरूरी बातों का आदान प्रदान इस अवसर पर देखा गया। ड्रेस कोड प्रतिष्ठान के अनूप श्रीश्रीमाल द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य एक ऐसे कारोबारी ईकोसिस्टम को तैयार करना था, जहां सभी तरह के कारोबार से जुड़े, हर तबके के उद्यमी को अपने काम को विकसित व लाभदायक बनाने के लिए उचित जगह और मार्ग दर्शन मिल सके।

नवकार मंत्र उच्चारण के साथ शुरू हुए इस कार्यक्रम में जेबीएन बेंगलूरु साऊथ के संयोजक विजय मेहता ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया। जीतो बेंगलूरु साऊथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने अपने विचारों की अभिव्यक्ति में कारोबारी कामयाबी में नेटवर्किंग की महत्ता पर जोर दिया। वहां उपस्थित लोगों को जीतो और जेबीएन में जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने घोषणा की कि आगामी 23 मर्च 2025 को अगला कार्यक्रम होगा, जो 'कामकाज और जीवन में संतुलन से दस गुना विकास विषय पर आधारित होगा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, बंदना कणकणी ने कारोबारी कामयाबी के लिए लक्ष्य निर्धारण पर अपने विचार व्यकत किए। वे एक कामयाब निवेश व व्यवसाय सलाहकार है। उन्होंने स्वउद्यमियों को बड़ी सोच अपनाने के प्रति प्रेरित किया और कहा कि अपने कारोबार के दायरे को बढाने के लिए सही निवेश के स्त्रोत की पहचान करना बहुत जरूरी है। अपने अपने क्षेत्र के कामयाब लोगों से सीखने की सतत कोशिश करनी चाहिए। इस अवसर पर जीतो एपेक्स के पूर्व निदेशक विनोद जैन ने अपने उद्यम के सफर की तमाम बातें साझा की और इस बात पर जोर दिया कि नया कारोबार शुरू करने और किसी कार्यरत कारोबार को मैनेज करना, दो अलग अलग बातें हैं। नया कारोबार करने के लिए एक स्वउद्यमी के गुण होने चाहिए, जब कि किसी कारोबार का मेहज संचालन तो मैनेजर भी कर सकता है।

कारोबारी सफलता के लिए एक मजबूत मार्केटिंग टीम और तकनीक के सही इस्तेमाल पर जोर दिया। जेबीएन चेयरमैन कैलाश गुलेच्छा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रतोभागियों को संबोधित किया और बताया कि बिजनेस ट्रेंसेक्शन को सशक्त करने के लिए डिजिटल एप्लीकेशन लाँच होने जा रहा है। उन्होंने घोषणा की कि जेबीएन को वैश्विक बनाने के लिए 51 सदस्यों की नियुक्ति होने जा रही है। जेबीएन केकेजी जोन के संयोजक तुषार बाफना ने जेबीएन संबंधित संभावनाओं पर प्रेसेंटेशन प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में प्रत्येक सदस्य को 10 सेकंड का समय दिया गया था, ताकि वह अपना परिचय दे सके। अपनी कंपनी का नाम बता सके और अपने व्यवसाय की प्रकृति के बारे में बता सके। जीतो के गणमान्य सदस्यों ने प्रायोजित ड्रेस कोड प्रतिष्ठान के अनूप श्रीश्रीमाल तथा कार्यक्रम के मुख्य वक्ता का सम्मान किया। इस कार्यक्रम में जीतो तथा जेबीएन के गणमान्य सदस्य भी उपस्थित रहे। जिसमें उप चेयरमैन महेंद्र रांका व राजेंद्र दांतेवाडिया, मुख्य सचिव नितिन लूनिया, कोषाध्यक्ष नेमीचंद चोपडा, सचिव प्रतीक गांधी, सह कोषाध्यक्ष महावीर दांतेवाडिया व नरेंद्र सांकलेचा, जीतो बेंगलूरु साऊथ के प्रबंधन समिति सदस्य, जीतो यूथ विंग के चेयरमैन मेहुल श्रीश्रीमल, ट्रेंडसेटर्स लीडर, यूनिकोर्न तथा अचीवर्स उपस्थित रहे। जेबीएन बेंगलूरु नॉर्थ के संयोजक मदन जैन, जेबीएन बेंगलूरु साऊथ के सह संयोजक ललित बागरेचा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन अमुम जैन ने किया।

दादा जिन कुशल सूरी गुरुदेव का 692वां स्वर्गारोहण दिवस मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरिश्वरजी के मंगल आशीर्वाद से मुनिराज मलयप्रभसागरजी और मुनिराज मुकुलप्रभ प्रभसागरजी की निश्रा में 50 हजार नूतन जैन निर्माता, कलिकाल कल्पतरू, प्रकट प्रभावी तृतीय दादा गुरुदेव श्री जिन कुशल सूरी गुरुदेव का 692वां स्वर्गारोहण दिवस मनाया गया। दादावाडी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने सभी पधारे हुए सदस्यों का स्वागत करते हुए तृतीय दादा गुरुदेव श्री जिन कुशल सुरीश्वर जी का गुणानुवाद किया। ट्रस्ट के महामंत्री कुशलराज गु-लेच्छा ने बताया कि आज ही के दिन मालपुरा में दादा श्री जिन कुशल सूरीश्वर जी ने अपना देहत्याग किया था।

ट्रस्ट के प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने बताया कि इस अवसर पर दादा गुरुदेव की पूजा अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद् द्वारा पढ़ाई गई और शाम में श्री जिन कुशल सूरी जैन धार्मिक पाठशाला द्वारा गुरुदेव की भक्ति की गई। गुरुदेव स्वार्गारोहण दिवस कार्यक्रम के सम्पूर्ण लाभार्थी कुसुम देवी, तेजराज, मनोज कुमार, आनन्द कुमार, पीयूष, दर्शन मालानी परिवार मोकलसर - बेंगलूरु निवासी थे। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र कुमार रांका, निर्भय लाल गुलेच्छा, तेजराज गुलेच्छा, विजयराज डोसी, रनजीत ललवानी, मोतीलाल ललवानी, प्रकाश भन्साली, राजेन्द्र गुलेच्छा, आरती जैन, पंकज बाफना, विकास खटोड़ के साथ दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य गुरुदेव को श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिए उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन राजेन्द्र गुलेच्छा ने किया।

फिट युवा हिट युवा के तहत कराया योग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के निर्देशन में तेरापंथ युवक परिषद् , विजयनगर द्वारा 21 से 27 फरवरी तक चले विशेष योग शिविर के सातवें दिन का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण के साथ तेरापंथ सभा भवन में हुआ। इस अवसर पर परिषद् सहमंत्री कमलेश दक ने अनेक योगिक क्रियाएं करवाई। इस योग शिविर के अंतिम दिन अभातेयुप फिट युवा हिट युवा आयाम के दक्षिण प्रभारी राकेश पोखरणा ने योगाभ्यास को निरंतर

करने का आह्वान किया। विजयनगर तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, उपाध्यक्ष अशोक मारू, मंत्री संजय भटेवरा, आयाम संयोजक सुशील गांधी, विमल पारख, जिग्नेश मेहता और तेयुप कार्यकारिणी सदस्यों की सहभागिता रही।

जेसीआई बेंगलूरु कॉस्मो का ऑफिस दर्शन कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जेसीआई बेंगलूरु कॉस्मो द्वारा ऑफिस दर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

यह आयोजन मैग्नस कैडेक्स में हुआ, जहां सदस्यों को व्यवसायिक जगत की कार्यप्रणाली और उद्यमशीलता की बारीकियों को समझने का अवसर मिला। कार्यक्रम की शुरुआत में अध्यक्ष सुनील मेहर ने सभी उप-स्थित सदस्यों और अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

इसके बाद, जेएफएम मदन जैन ने अपने ऑफिस का परिचय दिया और व्यवसायिक रणनीतियों पर अपने बहुमूल्य अनुभव साझा किए, जिससे सभी सदस्यों को नई प्रेरणा और सीख मिली। इस कार्यक्रम का आयोजन व्यवसाय विकास उपाध्यक्ष मनीष मेहता के नेतृत्व में किया गया, जिन्होंने इस इवेंट को अपनी टीम समन्वयक अर्हम जैन एवं संयोजक जयेश जैन के साथ मिलकर सफलतापूर्वक संचालित किया। इस विशेष अवसर पर पूर्व अध्यक्ष भारत हंसराज, सह सचिव पर्व जैन, कोषाध्यक्ष दीपक जैन, महिला विंग अध्यक्ष ममता मेहता, उपाध्यक्ष गौतम बोथरा, श्वेता राकेचा और रौनक नागोरी की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में सचिव दीपिका जैन ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

जात्रा के दौरान महाप्रसादी का वितरण

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। लायंस क्लब ऑफ हुब्बल्ली परिवार द्वारा महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर श्री सिध्दारुढ़ स्वामीजी मठ की जात्रा के दौरान मठ परिसर में लायंस क्लब के चार्टर प्रेजिडेंट महेंद्र सिंघी परिवार व शिवयोगी गदगीमठ परिवार द्वारा जात्रा में हजारों की संख्या में पधारे श्रद्धालुओं में महा प्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर वीएसवी प्रसाद, महेंद्र सिंघी, शिवयोगी गदगीमठ, हुडा के पूर्व चेयरमैन अनवर मुधोल, लायंस क्लब ऑफ हुब्बल्ली परिवार के अध्यक्ष डॉ. संजय गणेशकर, कार्यदर्शी आनंद बूमरेड्डी, डॉ. सचिन होसकट्टी, प्रकाश कवाड़, विमल पोरवाल, महावीर कुंदुर, संतोष पाटिल, अभय सूजी, सुभाष डंक, बसवराज गदगीमठ, मणिकंठा गदगीमठ, शारदा सिंघी, गीता गदगीमठ, मधु कुंदुर सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्तिथ थे।

कर्नाटक के रायचूर, चिक्कबल्लापुर और बल्लारी जिलों में बर्ड फ्लू के मामले पाए गए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के बल्लारी, चिक्कबल्लापुर और रायचूर जिलों में बर्ड फ्लू के मामले पाए जाने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने पूरे राज्य में अपनी निगरानी बढ़ा दी है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि रायचूर के मनवी तालुक, चिक्कबल्लापुर के चिक्कबल्लापुर तालुक और बल्लारी के संदूर तालुक में पोल्ट्री पक्षियों में बर्ड फ्लू (एच5एन1 एवियन इन्फ्लूएंजा) के मामले सामने आए हैं। हालांकि, अधिकारी ने बताया कि राज्य में अब तक मनुष्यों में बर्ड फ्लू का कोई मामला सामने नहीं आया है। स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पशुपालन और पशु चिकित्सा सेवा विभाग ने मृत पोल्ट्री पक्षियों के नमूने एकत्र किए और उन्हें भोपाल स्थित केंद्रीय प्रयोगशाला में भेजा, जहां पुष्टि हुई कि उन पक्षियों की मौत बर्ड फ्लू के कारण हुई है। उन्होंने बताया कि एहतियाती उपायों के तहत, पशुपालन विभाग ने उस स्थान के 3

किलोमीटर के दायरे में पक्षियों को मारना शुरू कर दिया है, जहां बर्ड फ्लू के मामले पाए गए हैं। उन्होंने कहा हमने निगरानी बढ़ा दी है और उन नजदीकी अस्पतालों में आइसोलेशन बेड की सुविधा स्थापित की है, जहां बर्ड फ्लू के मामले पाए गए हैं। लोगों से घबराने की अपील नहीं करते हुए स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने आश्वासन दिया कि राज्य के स्वास्थ्य और पशुप-ालन विभागों के समन्वय से संबंधित जिला अधिकारियों द्वारा सभी निवारक उपाय किए जा रहे हैं।

मंत्री ने सरस मेले के स्टॉलों का किया अवलोकन

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।
मेडिकल शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता और आजीविका राज्य मंत्री डॉ. शरण प्रकाश पाटिल ने गुरुवार को कलबुर्गी में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के नम्म सरस मेले का अवलोकन किया। मंत्री ने मेले में विभिन्न राज्यों से आई महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन कर वहां प्रस्तुत वस्तुओं एवं उत्पादों के साथ-साथ अब तक हुए व्यापारिक लेन-देन के बारे में जानकारी प्राप्त की। जिला पंचायत सीईओ भंवर सिंह मीना, डीए-चओ डॉ. शरणबसप्पा ख्यातनाल मंत्री के साथ थे। सरस मेले में सुबह क्रेता-विक्रेताओं की बैठक हुई।

अगले 10-15 वर्षों में एआई शिक्षण शिक्षकों की जगह ले लेगा: डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी बहुत आगे बढ़ गई है और यह संभव है कि अगले 10-15 वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता शिक्षण लागू हो जाएगा, जिससे कक्षाओं में शिक्षकों की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी। शहर के नेहरू तारामंडल में नवनिर्मित प्रोफेसर यू.आर. राव भवन के उद्घाटन के अवसर पर उन्होंने कहा कि हाल ही में वे सऊदी अरब गए थे और वहां एक व्याख्याता से उनकी बात हुई, जिन्होंने कहा कि अगले 15 वर्षों में मानव शिक्षकों की कोई आवश्यकता नहीं होगी। उन्होंने कहा कि सब कुछ प्रौद्योगिकी आधारित एआई के अनुसार किया जाएगा। मैंने एक कार्यक्रम में भाषण देने के लिए अधिकारियों से जानकारी मांगी थी। जिसमें मैने कहा था कि आपको मेरे बच्चों की

आवश्यकता अधिकारी के रूप में नहीं, बल्कि करीबी सहयोगी के रूप में क्यों है? उन्होंने जीबीटी चार्ट का उपयोग करने का सुझाव दिया। जैसे ही मैंने जानकारी मांगी, एक मिनट के अंदर ही सब कुछ मिल गया। उन्होंने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि आज की तकनीक इस स्तर तक पहुंच गयी है। हमारे समय में फोन नहीं थे। हमें गणना करने के लिए कैलकुलेटर पाने के लिए प्रतिस्पर्धा करनी पड़ी। अब छात्रों के पास कंप्यूटर और मोबाइल फोन जैसे विभिन्न उपकरणों तक पहुंच है। हमारी पीढ़ी बूढ़ी होती जा रही है। वर्तमान पीढ़ी के पास बहुत समय है। उन्होंने उन्हें ग्रामीण क्षेत्र से होने के कारण हीन भावना विकसित किए बिना आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने की सलाह दी। प्रोफेसर यू.आर. राव, सी.वी. रमन और किरण कुमार जैसे वैज्ञानिक इसी देश से हैं। कर्नाटक प्रतिभाओं का घर है। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने बेंगलूरु में एचएएल, बीएचईएल, आईटीआई और एचएमटी सहित कई उद्योग स्थापित किए थे। राज्य में इंजीनियरिंग कॉलेजों और मेडिकल कॉलेजों की संख्या सबसे अधिक है। यहाँ बहुत प्रतिभा है। मैंने छोटी उम्र में ही राजनीति में प्रवेश किया। उन्होंने कहा कि इंजीनियर तैयार करने वाले कॉलेज इसलिए स्थापित किए गए क्योंकि उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई नहीं की थी। लड़कियों को आत्मविश्वासी होना चाहिए। अब राजनीति में भी 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे जैसे लोगों को ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है जहां उन्हें अन्य क्षेत्रों की ओर देखना पड़ रहा है। अंतरिक्ष में मौजूद 7 ग्रह आज एक ही स्थान पर दिखाई देंगे। मैंने इसे दूरबीन से देखा। इस चमत्कार के दोबारा घटित होने में 15 वर्ष लगेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसा अवसर 2040 में उपलब्ध होगा। इसरो के पूर्व अध्यक्ष पद्मश्री किरण कुमार ने कहा आज आर्यभट्ट उपग्रह के प्रक्षेपण को 50 वर्ष हो गए हैं। उडुपी रामचंद्र राव ने विज्ञान के क्षेत्र में बहुत काम किया। जहां विश्व के विचार एक हैं, वहीं भारतीयों के विचार भिन्न और श्रेष्ठ हैं। हमारी प्रौद्योगिकी और खोजें लोगों के जीवन के करीब हैं। अगली पीढ़ी को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और मिशन लर्निंग जैसी क्वांटम प्रौद्योगिकियों के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि वैज्ञानिक प्रयोगों को प्रत्यक्ष अनुभव करने की अनुमति दी जानी चाहिए।

सीएम सिद्धरामैया से की अपील

बेंगलूरु के विकास के लिए अधिक धनराशि दी जाए: बी.वाई. विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से विधायकों को अधिक निधि उपलब्ध कराने तथा बेंगलूरु शहर के विकास के लिए बजट में 6,000 से 8,000 करोड़ रुपये उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है।

शहर में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सिलिकॉन सिटी बेंगलूरु को बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं के लिए वित्त पोषित करने की आवश्यकता है। फ्लाईओवर और विभिन्न परियोजनाएं धीमी गति से आगे बढ़ रही हैं।

उन्होंने बताया कि उन्होंने अनुरोध किया है कि उन्हें अधिक धनराशि दी जाए तथा उन पर अधिक जोर दिया जाए। सांसद पी.सी.मोहन और तेजस्वी सूर्या ने कहा कि मेट्रो का किराया अधिक है और उन्होंने इसे कम करने के लिए सुझाव दिए हैं। उन्होंने कहा कि याचिका में न केवल विकास के लिए अनुदान की मांग की गई है, बल्कि पहली बार जीतकर आए विधायकों को भी अनुदान देने की मांग की गई है। अतीत में जब येदियुरप्पा और बसवराज बोम्मई मुख्यमंत्री थे, तो उन्होंने बेंगलूरु के विकास के लिए बीबीएमपी को हमेशा बजट में 6,000 से 8,000 करोड़ रुपये प्रदान किए थे। हालांकि उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि पिछले दो वर्षों से बेंगलूरु के विकास के लिए कोई धनराशि उपलब्ध नहीं कराई गई है। उन्होंने कहा कि बीबीएमपी चुनाव जल्द कराने की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी तथा अपने बजट में यथासंभव धनराशि उपलब्ध कराने पर ध्यान केन्द्रित करने का वादा किया। एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि बेंगलूरु शहर ने पहले कभी ऐसी विकट स्थिति का सामना नहीं किया था। हर बजट में बेंगलूरु शहर के विकास के लिए 6,000 से 8,000 करोड़ रुपये का अनुदान प्रदान किया गया। येदियुरप्पा ने इससे पहले न केवल भाजपा बल्कि कांग्रेस विधायकों को भी बड़ी मात्रा में अनुदान दिया था। उन्होंने कहा कि कर्नाटक को सिलिकॉन सिटी बेंगलूरु के माध्यम से देखा जाता है। उन्होंने एक अन्य प्रश्न के उत्तर में कहा कि हम सदन में इस बात पर भी चर्चा करेंगे कि क्या ग्रेटर बेंगलूरु के नाम पर बीबीएमपी चुनाव स्थगित कर दिए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि वे सदन में अवैज्ञानिक सुरंग सड़क का मुद्दा भी उठाएंगे। विपक्षी नेता आर. अशोक ने कहा दो साल तक इंतजार करने के बाद भी कोई सफलता नहीं मिलने पर हमने मुख्यमंत्री से मुलाकात की। हमने बेंगलूरु की सड़कों पर अव्यवस्था, काम शुरू न होने और पार्क के चौकीदारों को वेतन न दे पाने की स्थिति देखी। उन्होंने कहा कि उन्होंने बेंगलूरु के अवरुद्ध विकास की ओर ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने कहा कि एक तरफ महंगाई बढ़ रही है तो दूसरी तरफ विकास में मंदी है। हमने राज्य के सभी भाजपा विधायकों को अनुदान दिए जाने की मांग की है। विपक्ष के साथ अन्याय न करें। उन्होंने बताया कि उन्होंने राज्य के समग्र विकास के लिए अनुदान की मांग की थी। उन्होंने बताया कि अतीत में हमारी सरकार ने सिद्धरामैया को प्रति वर्ष 100 करोड़ रुपये का अनुदान दिया था। उन्होंने कहा कि अब उन्होंने प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए 120 से 150 करोड़ रुपये मांगे हैं।

भाजपा ने सरकार को दलित कल्याण निधि को गारंटी योजनाओं में लगाने के खिलाफ चेतावनी दी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कर्नाटक सरकार से अनुसूचित जाति उप-योजना (एससीपी) और जनजातीय उप-योजना (टीएसपी) के तहत आरक्षित निधियों को अपनी गारंटी योजनाओं को पूरा करने के लिए न बदलने का आग्रह किया है। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार पर दलितों के लिए निर्धारित निधियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया और बजट आवंटन में पारदर्शिता की मांग की। भाजपा के राज्य कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि दलित कल्याण के लिए 39,000 करोड़ रुपये आरक्षित करने के बावजूद सरकार अंबेडकर निगम, आदि जम्भव निगम, बोवी निगम और वाल्मीकि निगम जैसे विकास निगमों के बीच 500 करोड़ रुपये भी वितरित करने में विफल रही है। नारायणस्वामी ने एससीपी और टीएसपी निधियों को डायवर्ट करने की कथित प्रथा पर आपत्ति जताते हुए इसे घोर अन्याय बताया। उन्होंने तर्क दिया कि इन आवंटनों का उपयोग दलित कल्याण पहलों जैसे भूमि वितरण, रोजगार सृजन, स्वरोजगार ऋण और वाहन खरीद योजनाओं के लिए किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कांग्रेस सरकार ने दलित ड्राइवरों को एक भी कार नहीं दी है, फिर भी वे अपने लिए महंगी गाड़ियाँ खरीदते हैं। उन्होंने अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए मुफ्त बिजली लाभ बढ़ाने में विफल रहने के लिए भी सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि पिछली भाजपा सरकार के तहत 75 यूनिट मुफ्त बिजली प्रदान की गई थी। नारायणस्वामी ने आगे आरोप लगाया कि कांग्रेस दलितों के लिए आवास, भूमि वितरण और सिंचाई योजनाओं के वादों को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने कहा अगर दलित और पिछड़े समुदाय अंबेडकर के दर्शन से अवगत हो जाते हैं, तो कांग्रेस के लिए कोई जगह नहीं होगी। कांग्रेस नेताओं का मजाक उड़ाते हुए उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने गारंटी को सार्वभौमिक रूप से मुफ्त बताकर जनता को गुमराह किया है। शुरू में, उन्होंने दावा किया कि गारंटी सभी के लिए थी। अब, उन्होंने प्रतिबंध लगा दिए हैं और लाभ कम कर दिए हैं। नारायणस्वामी ने सरकार पर एससीपी और टीएसपी आवंटन से पहले वर्ष में 11,144 करोड़ रुपये और दूसरे वर्ष में 14,282 करोड़ रुपये की हेराफेरी करने का आरोप लगाते हुए आगामी 7 मार्च को पेश होने वाले बजट में धन के दुरुपयोग के खिलाफ चेतावनी दी।

दूसरी पीयूसी परीक्षा आज से होगी शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चालू वर्ष 2024-25 के लिए द्वितीय पीयूसी परीक्षा-1 शनिवार से 20 मार्च तक पूरे राज्य में आयोजित की जाएगी। कर्नाटक स्कूल परीक्षा एवं मूल्यांकन बोर्ड ने इस बार परीक्षा सख्ती से आयोजित करने की पूरी तैयारी कर ली है। द्वितीय पीयूसी परीक्षा के लिए 7,13,812 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया है। इनमें से 6,61,474 नये, 34,071 दोहराये गये तथा 18,317 निजी अभ्यर्थी हैं। यह परीक्षा 1,171 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जाएगी। स्कूल परीक्षा एवं मूल्यांकन बोर्ड के अनुसार, परीक्षा के दौरान नकल रोकने के लिए परीक्षा केंद्रों पर वेबकास्टिंग की जाती है। परीक्षा केन्द्रों पर जिला कलेक्टर के नेतृत्व में वेबकास्टिंग के माध्यम से निरीक्षण किया जाएगा। परीक्षा के दौरान परीक्षा केन्द्रों के आसपास 200 मीटर का क्षेत्र प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया जाएगा। जेरॉक्स, साइबर प्रतिबंधित क्षेत्र में शामिल है। कम्प्यूटर सेंटर बंद करने की कार्रवाई की जाएगी। जिले में प्रश्नपत्रों के लीक होने और परीक्षा में धोखाधड़ी को बढ़ावा देने वाले व्यक्तियों के खिलाफ शिक्षा अधिनियम के प्रावधानों के तहत आवश्यक एहतियाती कदम उठाए जाएंगे। परीक्षा केंद्रों में मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच और ईयरफोन सहित सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण प्रतिबंधित हैं। कन्नड़ और अरबी की परीक्षाएं सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक होंगी। परीक्षा के आयोजन के लिए उचित पुलिस सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। पिछली बार की तरह इस बार भी 3 परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। द्वितीय पीयूसी परीक्षा आयोजित करने के लिए सभी तैयारियां कर ली गई हैं, जिसमें विज्ञान के 2,91,959, वाणिज्य के 2,29,308 और कला के 1,92,595 छात्र परीक्षा देने के लिए पंजीकृत हैं। सख्त परीक्षा की सुविधा के लिए 2,342 स्थानीय सतर्कता दल, 504 टोही सतर्कता दल तथा 365 प्रश्नपत्र वितरण मार्गों की पहचान की गई है। 1,171 परीक्षा केंद्रों पर मुख्य अधीक्षक, उप/संयुक्त मुख्य अधीक्षक तथा उत्तर पुस्तिका/प्रश्न पत्र संरक्षक नियुक्त किए जाएंगे। 76 केंद्रों पर 31,000 मूल्यांकनकर्ता उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करेंगे। छात्रों को उनके निवास स्थान से परीक्षा केंद्र तक और वापस घर जाने के लिए केएसआरटीसी और बीएमटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा प्रदान की गई है। छात्र अपना कॉलेज आईडी कार्ड और एडमिट कार्ड दिखाकर यात्रा कर सकते हैं।

कांग्रेस शिवकुमार के खून में है

उनके दूसरी पार्टी में शामिल होने की बात महज अफवाह: मंत्री जमीर

विजयपुरा/शुभ लाभ ब्यूरो। मंत्री जमीर अहमद खान ने कहा कि कांग्रेस डी.के. शिवकुमार के खून में है। इसलिए उनके किसी दूसरी पार्टी में शामिल होने की अफवाह झूठी है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि भाजपा दिवास्वप्न देख रही है कि राज्य में तीव्र गति से राज्य क्रांति होगी। यह सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी। कांग्रेस पार्टी अगले 15 वर्षों तक सत्ता में रहेगी। उन्होंने मजाक में कहा कि भाजपा शायद सिर्फ सपना देख रही है। भाजपा में कई मतभेद हैं।

आइये सबसे पहले इस पर ध्यान दें। कांग्रेस में कोई मतभेद नहीं है, कोई ऑपरेशन कमल नहीं चल रहा है। भाजपा के सात-आठ विधायकों और जेडीएस के 12-13 विधायकों ने कांग्रेस में शामिल होने की पेशकश की है। लेकिन हमारी संख्या पहले से ही 140 है। उन्होंने कहा कि अन्य दलों के विधायकों की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा-जेडीएस के लिए राजनीति करने का कोई मौका नहीं है और कहा कि गारंटी योजनाएं किसी भी कारण से बंद नहीं की जाएंगी। राज्य में मुख्यमंत्री या केपीसीसी अध्यक्ष के पद के लिए कोई रिक्ति नहीं है। हाईकमान को बदलाव पर निर्णय लेना होगा। हममें से कोई भी पार्टी नेताओं द्वारा निर्धारित सीमा का उल्लंघन नहीं करेगा। डी.के. शिवकुमार अध्यक्ष के रूप में अच्छा काम कर रहे हैं। वे पूरे राज्य का दौरा कर रहे हैं। के.एन. राजन्ना और डी.के. शिवकुमार के बीच कोई मतभेद नहीं है। डी.के. शिवकुमार को कोयम्बत्तूर में ईशा फाउंडेशन द्वारा महाशिवरात्रि समारोह में आमंत्रित किया गया था।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह भी उपस्थित थे। इसके अलावा कोई अन्य चर्चा नहीं हुई। उन्होंने कहा कि डी.के. शिवकुमार एक कट्टर कांग्रेसी हैं। उन्होंने कहा विजयपुरा में हम्पी महोत्सव की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। उम्मीद थी कि मुख्यमंत्री आएंगे। लेकिन वह बीमारी के कारण नहीं आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में डी.के. शिवकुमार और एच.के. पाटिल जैसे महत्वपूर्ण नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इस बार प्रदर्शनी समेत सभी व्यवस्थाएं पिछले साल की तुलना में नई बनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में कन्नड़ प्रशासकों पर हो रहे अत्याचार निंदनीय हैं। इससे पहले कर्नाटक कांग्रेस में बढ़ती अंदरूनी कलह के बीच, आवास और वक्फ राज्य मंत्री बी.जेड. जमीर अहमद खान ने एक साहसिक बयान देकर विवाद खड़ा कर दिया था। उन्होंने दावा किया है कि जो कोई भी मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को चुनौती देने की हिम्मत करेगा, उसे भस्म कर दिया जाएगा।

यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब सत्ता के बंटवारे और राज्य कांग्रेस अध्यक्ष के संभावित प्रतिस्थापन के बारे में आंतरिक चर्चाएँ तेज हो गई हैं। सूत्रों का कहना है कि जमीर का बयान उपमुख्यमंत्री और कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार पर लक्षित है, क्योंकि जमीर को सीएम सिद्धरामैया का करीबी सहयोगी माना जाता है। यहां बुधवार शाम को पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री जमीर ने कहा सीएम सिद्धरामैया आग की तरह हैं। अगर कोई उन्हें छूने की हिम्मत करता है, तो वह भस्म हो जाएगा। यह बयान कांग्रेस पार्टी के भीतर चल रहे सत्ता संघर्ष के बारे में सवालों के जवाब में दिया गया था। हालांकि, जमीर ने बाद में स्पष्ट करने की कोशिश की कि सीएम या राज्य पार्टी अध्यक्ष के पदों के लिए कोई रिक्ति नहीं है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नेतृत्व की भूमिकाएं मजबूती से स्थापित हैं। जमीर ने दोहराया डी.के. शिवकुमार केपीसीसी अध्यक्ष हैं और सिद्धरामैया मुख्यमंत्री हैं। कोई पद खाली नहीं है और इस पर आगे चर्चा की कोई जरूरत नहीं है।

शॉपिंग मॉल के कर्मचारियों ने छात्रों पर हमला किया, मामला दर्ज

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। उडुपी के सिटी सेंटर मॉल के कर्मचारियों ने मामूली बात पर दो छात्रों पर हमला कर दिया। पीड़ितों की पहचान निहाल (17) और फैजल (18) के रूप में हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, छात्र अपनी कक्षाएं समाप्त करने के बाद सिटी सेंटर गए थे। तीसरी मंजिल से उतरते समय, उन्होंने पाया कि लिफ्ट खराब है और उन्होंने स्वचालित एस्केलेटर का उपयोग करने का विकल्प चुना। हालांकि, दो कर्मचारियों ने उन्हें रोक दिया और एस्केलेटर का उपयोग करने पर सवाल उठाया। मामला इतना बढ़ गया कि कर्मचारियों ने कथित तौर पर मारपीट की। परिणामस्वरूप, निहाल के होंठ पर चोट आई, जबकि फैजल के पेट और पीठ पर चोटें आईं। दर्शकों ने बीच-बचाव किया और छात्रों को हमले से बचाया।

उन्हें तुरंत इलाज के लिए उडुपी जिला सरकारी अस्पताल ले जाया गया। उडुपी टाउन पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

राज्यपाल ने दो और विधेयक लौटाए सरकार से पुनर्विचार करने को कहा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने गुरुवार को राज्य सरकार को दो और विधेयक लौटाए, जिसमें सरकार से पुनर्विचार करने और कुछ संशोधनों के साथ विधेयक फिर से प्रस्तुत करने को कहा गया। कर्नाटक सहकारी समितियां (संशोधन) विधेयक, 2024 और कर्नाटक सौहार्द सहकारी (संशोधन) विधेयक, 2024 को राज्यपाल ने लौटा दिया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा पहले प्रस्तुत किए गए विधेयकों के लिए दिया गया स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं था।

सहकारी समितियों पर विधेयक के कुछ प्रावधानों पर अपनी आपत्ति व्यक्त करते हुए, गहलोत ने कहा मेरा मानना है कि सभी मनोनीत सदस्यों को मतदान का अधिकार देना सही कदम नहीं है। इससे उन्हें समिति पर नियंत्रण करने का मौका मिल जाएगा। यह लोकतांत्रिक रूप से सही कदम नहीं है क्योंकि निर्वाचित सदस्यों के अधिकार पिछले दरवाजे से छीन लिए जाएंगे। यह सहकारी क्षेत्र के लोकतंत्र/स्वायत्तता को कमजोर करने वाला कदम है। इस मामले पर फिर से विचार करें। राज्यपाल ने यह भी कहा कि वित्तीय बोझ का हवाला देकर सहकारी चुनाव प्राधिकरणों को समाप्त करने का प्रस्ताव अनुचित होगा। उन्होंने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने की आवश्यकता की ओर इशारा किया। गहलोत ने सरकार को संशोधन पर पुनर्विचार करने और संशोधन के साथ विधेयक प्रस्तुत करने की सलाह दी। इस बीच, गहलोत ने कहा कि वे सौहार्द सहकारी (संशोधन) विधेयक पर सरकार द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं हैं। राज्यपाल ने कहा सभी डिफॉल्टरों को वोटिंग का अधिकार देने के बजाय, उन्हें वोट देने से रोकने के लिए एक उचित तरीका लाया जाना चाहिए।

FORM IV

Statement about ownership and other particulars about newspaper (**SHUBH LABH**) to be published in the first issue every year after the last day of February.

1. Place of publication	: MALKAJGIRI
ADDRESS	: PLOT NO. A- 23/5 & 6, 2ND FLOOR, A P I E, BALANAGAR, HYDERABAD, DIST. MEDHCHAL MALKAJGIRI- 500037, TELANGANA
2. Periodicity of its publication	: DAILY
3. Printer's Name	: GOPAL AGARWAL
Nationality	: INDIAN
Address	: PLOT NO. A- 23/5 & 6, 2ND FLOOR, A P I E, BALANAGAR, HYDERABAD, DIST. MEDHCHAL MALKAJGIRI- 500037, TELANGANA
4. Publisher's Name	: GOPAL AGARWAL
Nationality	: INDIAN
Address	: PLOT NO. A- 23/5 & 6, 2ND FLOOR, A P I E, BALANAGAR, HYDERABAD, DIST. MEDHCHAL MALKAJGIRI- 500037, TELANGANA
5. Editor's Name	: GOPAL AGARWAL
Nationality	: INDIAN
Address	: PLOT NO. A- 23/5 & 6, 2ND FLOOR, A P I E, BALANAGAR, HYDERABAD, DIST. MEDHCHAL MALKAJGIRI- 500037, TELANGANA
6. Names and addresses of individuals who own the newspaper and partners or shareholders holding More than one per cent of the total capital.	: GOPAL AGARWAL SOLO

I, **GOPAL AGARWAL** hereby declare that the particulars given above are true to the best of my knowledge and belief.

Date : 01-03-2025

Sd/-
GOPAL AGARWAL
Signature of Publisher

भारत ने यूरोपीय संघ ने एफटीए की दिशा में बढाये ठोस कदम

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत ने यूरोपीय संघ कारोबार, प्रौद्योगिकी, निवेश, हरित प्रगति, सुरक्षा, कौशल विकास और मोबिलिटी पर सहयोग के प्रारूप पर मुहर लगाकर भारत ईयू मुक्त व्यापार समझौते को इस साल के अंत तक करने तथा हिन्द प्रशांत क्षेत्र में शांति सुरक्षा के लिए संयुक्त रूप से काम करने और इंडिया मिडिल ईस्ट यूरोप इकॉनामिक कॉरीडोर यानि आइमेक, को आगे ले जाने के लिए ठोस कदम उठाने का संकल्प लिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वान डेयेर के बीच आज यहां हैदराबाद हाउस में हुई द्विपक्षीय बैठक में ये महत्वाकांक्षी फैसले लिए गये।

प्रधानमंत्री ने अपने वक्तव्य में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष और कॉलेज ऑफ कमिशनर्स की भारत यात्रा को अभूतपूर्व बताया और कहा कि यह केवल भारत में यूरोपीय आयोग की पहली यात्रा नहीं है, बल्कि यह किसी भी एक देश में यूरोपीय आयोग का पहला इतना व्यापक संपर्क है। और साथ ही, आयोग के नए कार्यकाल की सबसे पहली यात्राओं में से एक है।

श्री मोदी ने कहा कि भारत और

यूरोपीय संघ की दो दशकों की रणनीतिक साझीदारी स्वाभाविक और प्राकृतिक है।

इसके मूल में भरोसा है, लोकतान्त्रिक मूल्यों में साझा विश्वास है, साझा प्रगति एवं समृद्धि के लिए साझा प्रतिबद्धता है। इसी भावना में, कल और आज, अलग-अलग सेक्टर की लगभग 20 मंत्री स्तर की बैठकें हुई हैं। विभिन्न क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर गंभीर और सार्थक चर्चा हुई है। हमारी साझीदारी को उन्नत और तेज करने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कारोबार, प्रौद्योगिकी, निवेश, हरित प्रगति, सुरक्षा, कौशल विकास और मोबिलिटी पर सहयोग का एक ब्लू प्रिन्ट (खाका) तैयार किया गया है। हमने अपनी टीमों को एक पारस्परिक लाभकारी द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते को इस वर्ष के अंत तक संपन्न करने का निर्देश दिया है। निवेश फ्रेमवर्क मजबूत करने के लिए, निवेश संरक्षण और जीआई करार पर भी आगे बढ़ने की बात हुई है। टेक्नोलॉजी और नवाचार के क्षेत्र में, एक भरोसेमंद और सुरक्षित वैल्यू चेन हमारी साझी प्राथमिकता है। सेमीकन्डक्टर, एआई, हाई परफॉरमेंस कम्प्यूटिंग और 6जी में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति बनी है। हमने एक स्पेस डायलॉग शुरू करने का निर्णय भी लिया है।

श्री मोदी ने कहा कि पारिस्थितिकी और अर्थव्यवस्था का संतुलन हमारी साझी प्रतिबद्धता रही है, और इस दिशा में हमारा मजबूत सहयोग रहा है। हमने ग्रीन हाइड्रोजन और समुद्री पवन ऊर्जा व्यापार सम्मेलन करने का निर्णय लिया है। ईवी बैटरीज़, मरीन प्लास्टिक्स और ग्रीन हाइड्रोजन में संयुक्त शोध किया जाएगा। साथ ही सतत शहरी विकास पर हम अपने संयुक्त प्लान को आगे बढ़ाएंगे।

उन्होंने कहा कि कनेक्टिविटी के क्षेत्र में इंडिया मिडिल ईस्ट यूरोप इकॉनामिक कॉरीडोर यानि आइमेक, को आगे ले जाने के लिए ठोस कदम उठाये जाएंगे। मुझे विश्वास है कि आइमेक ग्लोबल कॉमर्स, सतत विकास एवं समृद्धि को बढ़ाने वाला इंजन साबित होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि रक्षा और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर हमारा बढ़ता सहयोग आपसी विश्वास का प्रतीक है। साइबर सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा और आतंकवाद से मुकाबला पर हम सहयोग के लिए आगे बढेंगे। हिन्द प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, स्थिरता और समृद्धि के महत्व पर दोनों पक्ष एकमत हैं। इंडो-पैसिफिक इनीशिएटिव से जुड़ने के ईयू के निर्णय का हम स्वागत करते हैं। हिन्द प्रशांत और अफ्रीका में सतत और समावेशी विकास के लिए, हम साथ मिलकर त्रिकोणीय विकास परियोजनाओं पर काम करेंगे।

उन्होंने कहा कि लोगों के बीच संपर्क हमारे संबंधों का सशक्त आधार है। हमारे बीच अकेडिमिया, रिसर्च और इंडस्ट्री साझीदारी बढ़ाने पर भी आज नई सहमति बनी है। मेरा मानना है कि भारत की युवा प्रतिभा और यूरोप का नवाचार एक साथ असीम संभावनाएं पैदा कर सकता है। हम ईयू की नई वीजा कैस्केड व्यवस्था का स्वागत करते हैं। इससे भारत के प्रतिभाशाली युवाओं की योग्यता को बेहतर मोबिलिटी मिलेगी।

श्री मोदी कहा, हमने आज तय किया है कि 2025 से आगे के समय के लिए भारत-ईयू साझीदारी का एक बोल्ड और महत्वाकांक्षी रोडमैप बनाएंगे। इसका शुभारंभ अगली भारत-ईयू शिखर सम्मेलन के दौरान होगा। आपकी इस भारत यात्रा से हमारी साझीदारी को नई गति, ऊर्जा और उत्साह मिला है। यह यात्रा हमारे महत्वाकांक्षा को कार्य रूप में बदलने का सबसे बड़ा उत्प्रेरक है।

द्विपक्षीय बैठक में शामिल होने के लिए यूरोपीय आयोग के आयुक्तों ने हाइड्रोजन ईंधन सेल प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित बस से हैदराबाद हाउस की यात्रा की। इस बस को टाटा मोटर्स और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के सहयोग से विकसित किया गया है।

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन अपनी यात्रा के दौरान भारत के यूपीआई भुगतान प्रणाली के उपयोग को भी देखा।

वंचित वर्गों को फोरेंसिक साक्ष्य के आधार पर निष्पक्ष और त्वरित न्याय मिले: मुर्मु

अहमदाबाद, 28 फरवरी (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने छात्रों से कहा है कि उनका लक्ष्य समाज के सभी वर्गों, विशेष रूप से कमजोर तथा वंचित वर्गों को फोरेंसिक साक्ष्य के आधार पर निष्पक्ष और त्वरित न्याय प्रदान करना होना चाहिए।

श्रीमती मुर्मु ने शुक्रवार को यहां गांधीनगर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भाग लिया।

राष्ट्रपति ने कहा कि देश में न्याय आधारित सामाजिक व्यवस्था को सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। उन्होंने कहा कि विरासत और विकास को मिलाकर हम न्याय आधारित विकसित भारत का निर्माण कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में गृह मंत्रालय ने फोरेंसिक विज्ञान की भूमिका को मजबूत करने और इस क्षेत्र में सुविधाएं और क्षमता विकसित करने के लिए कई प्रभावी कदम उठाए हैं।

उन्होंने कहा कि कोई भी न्याय प्रणाली तभी मजबूत मानी जाती है जब वह सही मायने में समावेशी हो। उन्होंने छात्रों से कहा कि उनका लक्ष्य समाज के सभी वर्गों, विशेषरूप से कमजोर और वंचित वर्गों को फोरेंसिक साक्ष्य के आधार पर निष्पक्ष और त्वरित न्याय प्रदान करना होना चाहिए। उन्होंने छात्रों से देश के सुशासन में योगदान देने का भी आग्रह किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि तीन नए आपराधिक कानूनों में अपराध जांच और साक्ष्य से जुड़े बदलाव किए गए हैं और जिन मामलों में सजा की अवधि सात वर्ष या उससे अधिक है, उनमें अब फोरेंसिक विशेषज्ञ का घटनास्थल पर जाकर जांच करना अनिवार्य कर दिया गया है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में सभी राज्यों में समयबद्ध तरीके से फोरेंसिक सुविधाओं के विकास का प्रावधान किया गया है। कई कानूनों में समयबद्ध फोरेंसिक जांच को अनिवार्य बनाया गया है। राष्ट्रपति ने कहा कि इन बदलावों से फोरेंसिक विशेषज्ञों की मांग बढ़ेगी।

राष्ट्रपति ने कहा कि प्रौद्योगिकी में तेजी से हो रहे बदलावों, विशेषकर डिजिटल प्रौद्योगिकी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र के कारण फोरेंसिक विज्ञान विशेषज्ञों की क्षमताएं बढ़ रही हैं, लेकिन साथ ही, अपराधी भी नए तरीके खोज रहे हैं। हमारी पुलिसिंग, अभियोजन और आपराधिक न्याय वितरण प्रणाली से जुड़े लोग अपराधियों से अधिक बुद्धिमान, अधिक तत्पर और सतर्क होकर ही अपराध को नियंत्रित करने और न्याय को सुलभ बनाने में सफल हो सकते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के योगदान से एक मजबूत फोरेंसिक प्रणाली विकसित होगी, सजा की संभावना बढ़ेगी और अपराधी अपराध करने से डरेंगे।

आगरा में पत्नी से पीड़ित मैनेजर ने की आत्महत्या

आगरा, 28 फरवरी (एजेंसियां)। आगरा जिले में पत्नी से परेशान टीसीएस कंपनी के मैनेजर ने वीडियो पर संदेश रिकॉर्ड करने के बाद गले में फंदा लगाकर जान दे दी। मृतक की एक वर्ष पूर्व ही शादी हुई थी। आरोप है कि पत्नी अपने ब्वॉय फ्रेंड के साथ रहना चाहती थी और आए दिन आत्महत्या करने और ससुरालीजनों को फंसाने की धमकी देती थी।

मृतक मानव शर्मा टीसीएस कंपनी मुंबई में रिक्रूटमेंट मैनेजर के पद पर कार्यरत था और यहां थाना सदर डिफेंस कॉलोनी का निवासी था। पिता नरेंद्र शर्मा एयरफोर्स से रिटायर हैं और मानव उनका इकलौता पुत्र था।

नरेंद्र शर्मा ने थाना सदर में दर्ज कराए मुकदमे में कहा कि मानव की शादी 30 जनवरी, 2024 को शादी हुई थी। शादी के बाद से ही

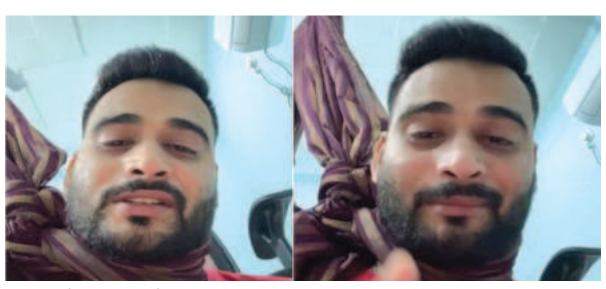

पत्नी परेशान करने लगी, मानव पत्नी को अपने साथ मुंबई ले गया। बहू आत्महत्या करने की धमकी देती थी जिससे पूरा परिवार फंस जाएगा। आरोप है कि बहू अपने ब्वाय फ्रेंड से बात करती थी और उसी के साथ रहना चाहती थी।

विगत 23 फरवरी को मानव पत्नी को लेकर मुंबई से आगरा आया यहां से वह उसे छोड़ने बरहन चला गया। बरहन में ससुरालीजनों ने उसे प्रताड़ित किया। अगले दिन 24 फरवरी की सुबह मानव ने कमरे में पंखे पर फंदा कस कर आत्महत्या कर ली। सुसाइड से पहले 6.57 मिनट का वीडियो भी बनाया।

सुबह परिजनों ने मानव को पंखे पर लटका देखा तो अस्पताल लेकर गए लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। वीडियो में मानव ने सुसाइड करने से पहले रोते हुए कहा मर्दों की भी सोचो, प्लीज, मर्दों के बारे में कोई तो बात करे। बेचारे बहुत अकेले होते हैं। पापा, मम्मी सॉरी, अक्कू सॉरी। मेरे जाते ही सब ठीक हो जाएगा, मेरी सुसाइड के बारे मेरे घरवालों को परेशान न करें।

मोदी बजट पश्चात वेबिनार में शामिल होंगे

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 'कृषि और ग्रामीण समृद्धि' पर बजट के बाद के वेबिनार में भाग लेंगे। इस अवसर पर वह उपस्थित लोगों को संबोधित भी करेंगे। वेबिनार का उद्देश्य इस वर्ष की बजट घोषणाओं के प्रभावी कार्यान्वयन की रणनीति बनाने पर केंद्रित चर्चा के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाना है। कृषि विकास और ग्रामीण समृद्धि पर विशेष जोर देने के साथ, यह सत्र बजट के दृष्टिकोण को कार्रवाई योग्य परिणामों में बदलने के लिए सहयोग को बढ़ावा देगा। वेबिनार निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों, उद्योग प्रतिनिधियों और विषय वस्तु विशेषज्ञों को शामिल करेगा ताकि प्रयासों को समन्वित किया जा सके और प्रभावी कार्यान्वयन को बढ़ावा दिया जा सके।

देश में अगले तीन वर्षों में हर जिले में डे-केयर कैंसर केंद्र होंगे: नड्डा

पुरी, 28 फरवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि अगले तीन वर्षों में देश के हर जिले में डे-केयर कैंसर केंद्र होंगे और इस वर्ष ही दो सौ जिलों को कवर करने का लक्ष्य है।

श्री नड्डा ने सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में अच्छे और अनुकरणीय अभ्यासों और नवाचार पर नौवें राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की गहन विशेष गैर-संचारी रोग (एनसीडी) स्क्रीनिंग ड्राइव के लिए प्रशंसा की, जो मधुमेह, उच्च रक्तचाप और तीन प्रकार के कैंसर- मौखिक, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के लिए मुफ्त स्क्रीनिंग प्रदान करता है। उन्होंने विज्ञान पत्रिका 'लैंसेट' के एक हालिया अध्ययन पर भी प्रकाश डाला, जिसमें पाया गया है कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) के तहत नामांकित रोगियों को 30 दिन के भीतर कैंसर का उपचार पाने में 90 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई,

जिससे समय पर इलाज हो सका और कैंसर रोगियों पर वित्तीय बोझ कम हुआ।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 ने केवल उपचारात्मक स्वास्थ्य सेवा दृष्टिकोण से एक ऐसा बदलाव लाया है जो उपचारात्मक, निवारक, प्रोत्साहन और व्यापक पहलुओं को एकीकृत करता है।

दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान करने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा अपनायी गयी विभिन्न सर्वोत्तम प्रथाओं और नवाचारों को प्रदर्शित तथा प्रलेखित किया जाएगा। यह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच ज्ञान साझा करने और परस्पर सीखने का अवसर भी प्रदान करेगा।

उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत ने 2014 से स्वास्थ्य सेवा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। सरकार ने प्राथमिक और माध्यमिक स्वास्थ्य सेवा में सुधार के अलावा तृतीयक स्वास्थ्य सेवा को भी काफी प्रोत्साहन दिया है।

श्री नड्डा ने सभी नागरिकों के लिए गुणवत्तापूर्ण और सस्ती स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने की केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत आयुष्मान आरोग्य मंदिर के तहत किये गये काम ने समग्र स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के भीतर प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा की नींव को मजबूत किया है। उन्होंने कहा, भारत की मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) में गिरावट वैश्विक गिरावट से दोगुनी है, जो जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करने के लिए किए गए प्रयासों पर प्रकाश डालती है।

उन्होंने कहा कि शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) और पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई है। उन्होंने आईएमआर और एमएमआर को कम करने में उल्लेखनीय प्रगति के लिए ओडिशा की सराहना की।

स्वास्थ्य मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि डब्ल्यूएचओ की विश्व मलेरिया रिपोर्ट 2024 में मलेरिया के मामलों में भारत की उल्लेखनीय कमी को स्वीकार किया गया है। डब्ल्यूएचओ ग्लोबल टीबी रिपोर्ट 2024 का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि भारत में 2015 से 2023 तक टीबी की घटनाओं में 17.7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी है, जो वैश्विक औसत गिरावट 8.3 प्रतिशत से दोगुनी से भी अधिक है।

उन्होंने कहा कि कोविड-19 के झटके के बावजूद भारत अपने टीबी उन्मूलन लक्ष्य से विचलित नहीं हुआ है। देश के 33 राज्यों के 455 जिलों में चल रहे 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान में अब तक पांच लाख टीबी रोगियों का पता लगाया जा चुका है। किसी भी स्वास्थ्य पहल की सफलता के लिए जन भागीदारी के महत्व को स्वीकार करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में योगदान के लिए आशा कार्यकर्ताओं, एसएचओ और अन्य जमीनी स्तर के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को श्रेय दिया। उन्होंने भारत के स्वास्थ्य सेवा ढांचे को और मजबूत करने के लिए पंचायती राज संस्थानों को सशक्त बनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

श्री नड्डा ने गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के बढ़ते खतरे को संबोधित करते हुए इन स्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए जीवनशैली में बदलाव की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर नड्डा ने नौवें राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन पर कॉफी टेबल बुक, 16वीं कॉमन रिव्यू मिशन रिपोर्ट, एनएचएम के चार क्षेत्रीय सम्मेलनों (2024-25) की रिपोर्ट और गैर-संचारी रोग सम्मेलन रिपोर्ट (जनवरी 2025) का विमोचन भी किया।

आईजीएनसीए में कैलाश सत्यार्थी की आत्मकथा दियासलाई पर विशेष चर्चा

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी स्थित इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) में शुक्रवार को 'सत्यार्थी मूवमेंट फॉर ग्लोबल कम्पैशन' के सहयोग से 28 फरवरी को नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी की आत्मकथा 'दियासलाई' पर एक विशेष चर्चा का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थि रहे। इसके अलावा, आईजीएनसीए के अध्यक्ष 'पद्म भूषण' राम बहादुर राय, आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी, समाज सेवी कैलाश सत्यार्थी और श्रीमती सुमेधा कैलाश सहित अन्य गणमान्य उपस्थिति थे। कार्यक्रम का संचालन आईजीएनसीए के मीडिया सेंटर के नियंत्रक अनुराग पुनेठा ने किया।

केरल में अगली सरकार कांग्रेस की होगी : खड़गे

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की मौजूदगी में शुक्रवार को यहां केरल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रदेश कांग्रेस के नेताओं की बैठक हुई जिसमें विधानसभा चुनाव की रणनीति को लेकर विचार विमर्श किया गया।

श्री खरगे ने एक सोशल मीडिया पोस्ट पर कहा कि आज केरल के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक हुई जिसमें राज्य में अगले साल होने वाले विधान सभा चुनाव की रणनीति तथा अन्य मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया।

उन्होंने कहा, केरल में परिवर्तन अपरिहार्य है। कांग्रेस ने केरल के विकास प्रतिमान और कल्याण मॉडल का निर्माण किया है और हम अपने यूडीएफ

गठबंधन को सत्ता में लाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। अगले साल जनता राज्य में दमनकारी और सांप्रदायिक दोनों मोर्चों को परास्त करेगी। हमने पार्टी के केरल के नेताओं के साथ की बैठक की जिसमे राजनीतिक रणनीति के साथ ही राज्य के भविष्य पर विचार-विमर्श किया गया।

श्री खरगे तथा श्री गांधी ने एक दिन पहले असम के नेताओं के साथ भी बैठक की। इस साल के अंत में बिहार तथा अगले साल केरल और असम में होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर कांग्रेस ने तैयारी शुरू कर दी है और इस क्रम में पार्टी नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस के नेताओं के साथ बैठक कर रहे हैं।

वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में पुल की रेलिंग पर मस्ती करता दिखा तेंदुआ, पर्यटक हुए गदगद

बेतिया, 28 फरवरी (एजेंसियां)।

बिहार का एकलौता वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में पुल की रेलिंग पर एक रोमांचक नजारा देखने को मिला, जब एक तेंदुआ जंगल से निकलकर पुल की रेलिंग पर मस्ती करते दिखा। तेंदुआ को देख पर्यटक गदगद हो गए। फिर पुल से उतर तेन्दुआ सड़क पर टहलता नजर आया। यह नजारा देखकर पर्यटक रोमांचित हो उठे और इस पल को अपने कैमरे में कैद कर लिया। तेंदुआ कुछ देर तक पुल की रेलिंग पर चढ़कर अठखेलियां करता रहा और फिर गाड़ियों की हेडलाइट की रोशनी देखकर जंगल की ओर चला गया।

वाल्मीकि टाइगर रिजर्व बिहार का एकमात्र टाइगर रिजर्व है, जो 899 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। यह जंगल बाघ, तेंदुआ, हाथी, गैंडा और दुर्लभ पक्षियों की कई प्रजातियों का घर है। वन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में इस जंगल में बाघों और तेंदुओं की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। 2018 में यहां 10-12 तेंदुए थे, लेकिन अब इनकी संख्या 120 से अधिक हो गई है। वहीं, बाघों की संख्या भी 54 के करीब पहुंच चुकी है। आपको बताते चलें कि यह मामला रात करीब 10:40 बजे की बताई जा रही है। जब अतुल कुशवाहा, कन्हैया कुशवाहा, लड्डू कुशवाहा और संदीप कुशवाहा अपनी गाड़ी से बगहा से वाल्मीकि नगर की ओर जा रहे थे। रास्ते में उनकी नजर अचानक पुल की रेलिंग पर बैठे तेंदुए पर पड़ी। कुछ देर तक वह रेलिंग पर बैठा रहा, फिर सड़क पर टहलने लगा।

महाकुंभ से मिला आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा

प्रदेश में पांच नए आध्यात्मिक कॉरिडोर विकसित हुए

प्रयागराज, 28 फरवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ 2025 ने उत्तर प्रदेश में आध्यात्मिक पर्यटन की नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं। इस महाआयोजन के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार ने पांच प्रमुख आध्यात्मिक कॉरिडोर विकसित किए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी गुरुवार को प्रयागराज दौरे पर पुलिस जवानों, स्वच्छता कर्मियों, स्वास्थ्य कर्मियों, नाविकों, मीडियाकर्मियों और परिवहन चालकों एवं परिचालकों को धन्यवाद देते हुए प्रमुखता से इसका उल्लेख किया। इन कॉरिडोर के माध्यम से श्रद्धालु प्रदेश भर में आसानी से विभिन्न धार्मिक स्थलों की यात्रा कर सकेंगे, जिससे आध्यात्मिक पर्यटन को नई गति मिलेगी।

प्रयागराज-विंध्याचल-काशी कॉरिडोरः इस कॉरिडोर के माध्यम से श्रद्धालु प्रयागराज से विंध्याचल देवीधाम और फिर काशी (वार-णसी) तक की यात्रा कर सकेंगे, जो शक्ति और शिव उपासना का प्रमुख मार्ग होगा। प्रयागराज-अयोध्या-गोरखपुर कॉरिडोरः यह कॉरिडोर भगवान राम और गोरखनाथ परंपरा से जुड़ा है। प्रयागराज में त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाने, लेते हनुमान, अक्षय वट, सरस्वती कूप के दर्शन कर अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए जा सकेंगे। अयोध्या के बाद श्रद्धालु गोरखपुर जाकर गोरखनाथ मंदिर में मत्था टेक सकेंगे।

प्रयागराज-लखनऊ-नैमिषारण्य कॉरिडोरः यह मार्ग श्रद्धालुओं को लखनऊ होते हुए नैमिषारण्य धाम तक ले जाएगा, जो हिंदू धर्म के 88 महातीर्थों में से एक है और 88 हजार ऋषियों की तपस्थली के रूप में प्रसिद्ध है। इसे भगवान ब्रह्मा, भगवान विष्णु, देवी सती और भगवान शिव से जोड़ा जाता है।

प्रयागराज-राजापुर (बांदा)-चित्रकूट कॉरिडोरः भगवान राम के वनवास से जुड़ा यह मार्ग श्रद्धालुओं को चित्रकूट धाम तक ले जाएगा, जहां कामदगिरि पर्वत, रामघाट और हनुमान धारा जैसे प्रसिद्ध धार्मिक स्थल हैं। वहीं राजापुर गोस्वामी तु-लसीदास की जन्मस्थली है, जिन्होंने श्रीरामचरितमानस, विनय पत्रिका आदि बहुत सी धार्मिक ग्रंथों की रचना की थी।

प्रयागराज-मथुरा-वृंदावन-शुकतीर्थ कॉरिडोरः इस कॉरिडोर के तहत श्रद्धालु बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के जरिए मथुरा-वृंदावन और फिर शुकतीर्थ तक जा सकेंगे, जो भगवान श्रीकृष्ण और महर्षि शुक्राचार्य की तपस्थली के रूप में प्रसिद्ध है। इसके आगे श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली और बाल्यकाल से जुड़े मथुरा वृंदावन की भी सैर कर सकेंगे।

2027 तक मक्के की पैदावार दोगुनी करने का लक्ष्य

21.16 लाख मिट्रिक टन तक हुआ मक्के का उत्पादन

लखनऊ, 28 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश को त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम के तहत आच्छादित किया गया है। सरकार मक्के के हर तरह के बीज पर किसानों को प्रति क्विंटल बीज पर 15000 रुपए की दर से अनुदान देती है। इस अनुदान से संकर, देसी पॉप कॉर्न, बेबी कॉर्न तथा स्वीट कॉर्न के बीज भी आच्छादित हैं। पर्यटक की अधिकता वाले क्षेत्र में देसी पॉप कॉर्न, बेबी कॉर्न तथा स्वीट कॉर्न की अधिक मांग है। इसलिए सरकार इसे बढ़ावा दे रही है। एक्टेंशन प्रोगाम के तहत वैज्ञानिक जगह-जगह जाकर किसानों को मक्का के उत्पादन, आच्छादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। करीब हफ्ते भर पहले यहां लखनऊ में भी राज्य स्तरीय कार्यशाला में इन मुद्दों पर चर्चा हुई थी।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दूसरे कार्यकाल में मक्के का उत्पादन 2027 तक दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए तय अवधि में इसे बढ़ाकर 27.30 लाख मीट्रिक टन करने का लक्ष्य है। इसके लिए रकबा बढ़ाने के साथ प्रति हेक्टेयर प्रति क्विंटल उत्पादन बढ़ाने पर भी बराबर का जोर होगा। इसके लिए योगी सरकार ने त्वरित मक्का विकास योजना शुरू की है। इसके लिए वित्तीय वर्ष 2023/2024 में 27.68 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

अभी प्रदेश में करीब 8.30 लाख हेक्टेयर में मक्के की खेती होती है। कुल उत्पादन करीब 21.16 लाख मिट्रिक है। प्रदेश सरकार की मदद भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान से संबद्ध भारतीय मक्का संस्थान भी कर रहा है।

धान और गेंहू के बाद यह खाद्यान्न की तीसरी प्रमुख फसल है। उपज और रकबा बढाकर 2027 तक इसकी उपज दोगुना करने के लक्ष्य के पीछे मक्के का बहुपयोगी होना है। अब तो एथनॉल के रूप में भविष्य में इसकी संभावनाएं और बढ़ गई हैं। मालूम हो कि मक्के का प्रयोग ग्रेन बेस्ड इथेनॉल उत्पादन करने वाली औद्योगिक इकाइयों, कुक्कुट एवं पशुओं के पोषाहार, दवा, कास्मेटिक, गोद, वस्त्र, पेपर और एल्कोहल इंडस्ट्री में भी इसका प्रयोग होता है। इसके अलावा मक्के का आटा, धोकला, बेबी कार्न और पॉप कार्न के रूप में तो ये खाया ही जाता है। किसी न किसी रूप में ये हर सूप का हिस्सा है। ये सभी क्षेत्र संभावनाओं वाले हैं।

आने वाले समय में बहुपयोगी होने की वजह से मक्के की मांग भी बढ़ेगी। इस बढ़ी मांग का अधिक्तम लाभ प्रदेश के किसानों को हो इसके लिए सरकार मक्के की खेती के प्रति किसानों को लगातार जागरूक कर रही है। उनको खेती के उन्नत तौर तरीकों की जानकारी देने के साथ सीड रिप्लेसमेंट (बीज प्रतिस्थापन) की दर को भी बढ़ा रही है। किसानों को मक्के की उपज का वाजिब दाम मिले इसके लिए सरकार पहले ही इसे न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के दायरे में ला चुकी है। मक्के में भरपूर मात्रा में पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। इसमें कार्बोहाइड्रेड, शुगर, वसा, प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और मिनरल मिलता है। इस लिहाज से मक्का की खेती कुपोषण के खिलाफ जंग साबित हो सकती है। इन्हीं खूबियों की वजह से मक्के को अनाजों की रानी कहा गया है। विशेषज्ञ बताते हैं कि उन्नत खेती के जरिए मक्के की प्रति हेक्टेयर उपज 100 क्विंटल तक भी संभव है। प्रति हेक्टेयर सर्वाधिक उत्प-ादन लेने वाले तमिलनाडु की औसत उपज 59.39 क्विंटल है। देश के उपज का औसत 26 क्विंटल एवं उत्तर प्रदेश के उपज का औसत 2021-22 में 21.63 क्विंटल प्रति हेक्टेयर था। ऐसे में यहां उपज मक्के की उपज बढाने की भरपूर संभावना है।

बागपत और कासगंज में मेडिकल कॉलेज के निर्माण को मिली मंजूरी

लखनऊ, 28 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को लगातार विस्तार दिया जा रहा है। वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज (ओडीओएम) के संकल्प को पूरा करने में जुटी योगी सरकार ने इस दिशा में एक और कदम बढ़ाया है। इसी क्रम में योगी सरकार द्वारा बागपत और कासगंज में नए मेडिकल कॉलेजों के निर्माण को मंजूरी दी गई है, जिससे इन जनपदों के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही हाथरस में पब्लिक-प्राइ-वेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड के तहत मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की प्रक्रिया को भी हरी झंडी दी गई है। इसके अलावा बलरामपुर में किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के सैटेलाइट सेंटर को मेडिकल कॉलेज के रूप में विकसित करने की योजना को भी स्वीकृति दी गई है।

सीएम योगी आदित्यनाथ सरकार का संकल्प है कि उत्तर प्रदेश के हर जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित किया जाए। इसी दिशा में बागपत, कासगंज और हाथरस में मेडिकल कॉलेजों की स्थापना बड़ा कदम है। योगी सरकार ने इन परियोजनाओं को वायबिलिटी गैप फंडिंग के तहत मंजूरी दी है, जिससे सरकारी और निजी साझेदारी (पीपीपी मोड) के जरिए स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। गौरतलब है कि स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार सीएम योगी की प्राथमिकता में है। इसी क्रम में हर जिले में मेडिकल कॉलेज की स्थापना से न केवल स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ होंगी, बल्कि प्रदेश में मेडिकल एजुकेशन को भी नया आयाम मिलेगा। विगत दिनों हुई बैठक में सीएम योगी ने कहा कि नए उत्तर प्रदेश की ओर हमारा यह मजबूत कदम है, जहां हर व्यक्ति को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिलेगी। सीएम ने अधिकारियों को समय से नए मेडिकल कॉलेज के निर्माण का काम पूरा करने के निर्देश दिये।

मेडिकल कॉलेजों की स्थापना को लेकर योगी सरकार के निर्णय से न केवल चिकित्सा सुविधाओं में सुधार होगा, बल्कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार के नए अवसर भी प्राप्त होंगे। इन नए मेडिकल कॉलेजों से डॉक्टर, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की संख्या में बढ़ोतरी होगी। इसके अलावा योगी सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि मेडिकल कॉलेजों में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, जिससे यहां के छात्र किसी भी अन्य बड़े मेडिकल संस्थान के मुकाबले बेहतरीन शिक्षा प्राप्त कर सकें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मेडिकल कॉलेजों के निर्माण और संचालन में गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए। बैठक में सीएम ने बागपत, कासगंज और हाथरस में मेडिकल कॉलेजों के संचालन के लिए न्यूनतम निविदादाता के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। यह मेडिकल कॉलेज पीपीपी मोड पर स्थापित किए जाएंगे, जिसमें सरकारी सहयोग के साथ-साथ निजी क्षेत्र की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी। इस मॉडल के तहत निजी निवेशकों को आकर्षित किया जाएगा, जिससे मेडिकल कॉलेजों का संचालन सुचारू रूप से हो सके और वहां विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जा सकें।

योगी सरकार ने बलरामपुर में केजीएमयू के सैटेलाइट सेंटर को मेडिकल कॉलेज के रूप में विकसित करने का भी निर्णय लिया है। यह पहल पूर्वांचल और आसपास के क्षेत्रों के लिए वरदान साबित होगी। इससे दूरदराज के मरीजों को उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवाएं मिल सकेंगी। बलरामपुर मेडिकल कॉलेज के रूप में विकसित होने से न केवल स्थानीय नागरिकों को फायदा मिलेगा, बल्कि आसपास के जिलों के लोगों को भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त होंगी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट कोर्ट ने दिया फैसला

संभल के मजहबी ढांचे की नहीं होगी रंगाई पुताई

प्रयागराज/संभल, 28 फरवरी (एजेंसियां)। संभल के जामा मस्जिद को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला दिया है। हाईकोर्ट ने मस्जिद कमेटी की एक याचिका पर सुनवाई करते हुए आदेश दिया कि मजहबी ढांचे के भीतर किसी प्रकार की रंगाई-पुताई नहीं की जा सकती। यहां अब केवल मस्जिद कमेटी को ही सफाई करने की अनुमति है।

संभल मस्जिद समिति की तरफ से इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक याचिका डालते हुए रंगाई-पुताई की इजाजत मांगी गई थी, लेकिन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की रिपोर्ट के आधार पर हाईकोर्ट ने इस मांग को अस्वीकार कर दिया। एएसआई की रिपोर्ट में कहा गया था कि ढांचे में कोई ऐसी संरचनात्मक समस्या नहीं है, इसलिए इसकी मरम्मत या फिर रंगाई करना जरूरी नहीं है। अब मामले में अगली सुनवाई 5 मार्च को होगी। गौरतलब है कि मस्जिद कमेटी ने मांग की थी कि रमजान के मद्देनजर उन्हें मरम्मत कराने की अनुमति दी जाए। इस पर हाईकोर्ट ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को आदेश दिया था कि वो मस्जिद में जाकर देखे कि

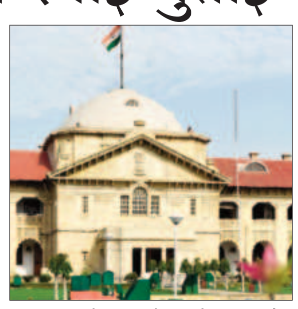

रमजान से पहले सफेदी और सजावट की कितनी जरूरत है। इसके लिए एएसआई की टीम मस्जिद का मुआयना करने गई थी।

संभल मस्जिद को लेकर एएसआई ने अपनी रिपोर्ट में कई बड़े दावे किए हैं। कहा गया है कि मस्जिद के स्ट्रक्चर में कई बदलाव देखने को मिले हैं। उस रिपोर्ट को आधार बनाकर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फिर से मस्जिद का व्यापक सर्वे करने का आदेश दिया है। एएसआई की रिपोर्ट के मुताबिक मस्जिद में कई बदलाव देखने को मिले हैं। मस्जिद की फर्श के जो टाइल्स और पत्थर हैं, उनमें बदलाव देखने को मिला है। इसके अलावा मस्जिद के कई हिस्सों में सुनहरे, लाल, हरे और पीले रंग की मोटी तामचीनी पेंट भी किया गया है। दावा हुआ है कि इस पेंट के जरिए मूल सतह को ढंकने की कोशिश हुई है।

एक याद बन गया महाकुंभ, जिसकी गूंज सदियों तक रहेगी

प्रयागराज, 28 फरवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज महाकुंभ 45 दिनों तक आस्था, श्रद्धा और संस्कृति का केंद्र बना रहा। करोड़ों श्रद्धालुओं ने यहां पुण्य स्नान किया, संतों-महात्माओं के प्रवचन सुने और दिव्य वातावरण का आनंद लिया। अब जब महाकुंभ का समापन हो गया है तो यह एक याद बनकर दिलों में बस गया है। महाकुंभ के दौरान जो घाट भक्तों से भरे रहते थे, वे अब सूने हो चुके हैं। श्रद्धालु अपने-अपने गंतव्य की ओर लौट चुके हैं, लेकिन संगम की लहरों में अभी भी आरती की गूंज महसूस होती है। महाकुंभ में बिताए पल, संतों की वाणी और आध्यात्मिक अनुभूतियां श्रद्धाल-ुओं के हृदय में सजीव बनी रहेंगी। महाकुंभ के सफल आयोजन में प्रशासन, सुरक्षा बलों और विशेष रूप से सफाई कर्मियों ने महत्व-पूर्ण भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन कर्मयोगियों का आभार व्यक्त किया और उनके योगदान को सराहा। कुंभ क्षेत्र को स्वच्छ बनाए रखने के लिए सफाई कार्य अभी भी जारी है।

महाकुंभ के समापन ने पर्यावरणीय जिम्मेदारी पर भी चर्चा को तेज कर दिया है। महाकुंभ ने एक बार फिर गंगा और यमुना की पवित्रता बनाए रखने की प्रेरणा दी है।

इस भव्य आयोजन की समाप्ति के साथ, सभी को संकल्प दिलाया है कि मां गंगा और यमुना को स्वच्छ और अविरल बनाए रखने में योगदान देंगे, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इस दिव्य अनुभव का आनंद ले सकें। स्वच्छता से जुड़े एक स्थानीय अधिकारी ने कहा, महाकुंभ भले ही खत्म हो गया हो, लेकिन इसका संदेश हमेशा जिंदा रहेगा।

आउटसोर्स कर्मियों का मानदेय बढ़ा

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने किया स्वागत

लखनऊ, 28 फरवरी (एजेंसियां)। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रदेश के आउटसोर्स कर्मियों को न्यूनतम मानदेय 18 हजार करने की घो-षणा पर खुशी जाहिर की है। अध्यक्ष जेएन तिवारी ने सीएम योगी की घोषणा का स्वागत करते हुए एक अप्रैल से आउटसोर्स कर्मियों को बढ़ा मानदेय मिलने पर सीएम योगी के प्रति आभार व्यक्त किया।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद द्वारा आउटसोर्स कर्मियों का मानदेय निश्चित करने के लिए विगत एक वर्ष से लगातार प्रयास किया जा रहा था।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जेएन तिवारी ने बताया कि इस संबंध में मुख्यमंत्री से दो बार मुलाकात की गई थी। सीएम के इस फैसले से प्रदेश में लगभग 5 लाख आउटसोर्स कर्मियों को फायदा होगा। सभी को इसका लाभ मिलेगा। संयुक्त परिषद ने आउटसोर्स कर्मियों के लिए नियमावली बनाने की भी मांग की है। इससे चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी। बता दें कि मुख्यमंत्री ने 20 फरवरी को आउटसोर्स कर्मियों का मानदेय 16 से 18000 करने की घोषणा पत्रकारों के बीच की थी। संयुक्त परिषद के अध्यक्ष ने सीएम से प्रदेश की आशा बहुओं को भी 18000 फिक्स मानदेय की परिधि में लाने की मांग की है। सीएम योगी के इस निर्णय का राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष निरंजन कुमार श्रीवास्तव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नारायण दुबे, महामंत्री अरुणा शुक्ला, उपाध्यक्ष त्रिलोकी नाथ चौरसिया, प्रीति पांडे, ओमप्रकाश पांडे, राजेश निराला सहित दर्जनों पदाधिकारियों ने स्वागत किया है।

एआई और रोबोटिक्स की तकनीक जानेंगे प्रदेश के युवा

लखनऊ, 28 फरवरी (एजेंसियां)। योगी सरकार ने युवाओं के कौशल विकास और रोजगार सृजन को प्राथमिकता देते हुए कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। प्रदेश में तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 286 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में 1.90 लाख से अधिक सीटें उपलब्ध कराई गई हैं। खास बात यह है कि इनमें से 47 आईटीआई में महिला शाखाएं संचालित की जा रही हैं, जबकि 12 संस्थान पूरी तरह से महिलाओं के लिए समर्पित हैं, जिससे महिला सशक्तीकरण को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विजन प्रदेश के युवाओं को सिर्फ पारंपरिक नौकरियों तक सीमित रखने के बजाय उन्हें नवाचार और आधुनिक तकनीकों में दक्ष बनाना है। इसी सोच के तहत बजट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स और अन्य अत्याधुनिक तकनीकों पर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को विस्तार देने की योजना बनाई गई है।

योगी सरकार ने बजट 2025-26 में युवाओं को स्वरोजगार और स्किलफुल बनाने के लिए विशेष तैयारी की है। सीएम योगी का लक्ष्य युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है। इसी दिशा में प्रधानमंत्री शिक्षुता प्रोत्साहन योजना के तहत 54,833 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित करने की योजना बनाई गई है। इसके अतिरिक्त, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अंतर्गत पिछले छह वर्षों में 15.25 लाख युवाओं को निःशुल्क रोजगारपरक प्रशिक्षण दिया गया, जिनमें से 5.71 लाख युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में रोज-गार या स्वरोजगार से जोड़ा गया है।

प्रदेश सरकार का मानना है कि तकनीकी दक्षता ही भविष्य की कुंजी है। इसी दृष्टिकोण से सरकार ने आईटीआई और अप्रेंटिसशिप के माध्यम से युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने की दिशा में व्यापक प्रयास किए हैं। आंकड़ों के मुताबिक, अब तक 2,54,335 युवाओं को उद्योगों और एमएसएमई सेक्टर में प्रशिक्षण के साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं। योगी सरकार ने मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी केंद्र सरकार की योजनाओं से तालमेल बैठाते हुए युवाओं को स्वरोजगार और स्टार्टअप सेक्टर में आगे बढ़ाने के लिए भी ठोस प्रयास किए हैं। आईटीआई और अन्य प्रशिक्षण संस्थानों में नए कोर्स जोड़ने के साथ-साथ उद्योगों से साझेदारी कर युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

बजट 2025-26 में महिला सशक्तीकरण को भी विशेष स्थान दिया गया है। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए जहां 12 आईटीआई पूरी तरह से महिलाओं के लिए समर्पित किए गए हैं, वहीं 47 अन्य आईटीआई में विशेष महिला शाखाएं चलाई जा रही हैं। इन संस्थानों में संचालित कम्प्यूटर आपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेन्ट, ड्रा.मैन सिविल, इनफोर्मेशन टेक्न-ोलोजी, टेक्निशियन पावर इलेक्ट्रोनिक्स सिस्टम-डीएसटी, कॉस्मेटोलोजी, कॉस्मेटोलोजी-डीएसटी जैसे कोर्स उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे महिलाएं नए और उभरते क्षेत्रों में रोजगार पा सकें। महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सरकार स्टार्टअप और स्वरोजगार योजनाओं को आईटीआई से जोड़ने की रणनीति पर भी काम कर रही है। इससे प्रशिक्षित महिलाएं खुद का व्यवसाय शुरू कर सकेंगी और अन्य महिलाओं को भी रोजगार देने में सक्षम बनेंगी।

नाड़ी शोधक प्राणायाम है अनुलोम विलोम

अनुलोमविलोम प्राणायाम में सांस लेने व छोड़ने की विधि को बार-बार दोहराया जाता है। इस प्राणायाम को नाड़ी शोधक प्राणायाम भी कहते है। अनुलोम-विलोम को रोज करने से शरीर की सभी नाड़ियों स्वस्थ व निरोग रहती है। इस प्राणायाम को हर उम्र के लोग कर सकते हैं। वृद्धावस्था में अनुलोम-विलोम प्राणायाम योगा करने से गठिया, जोड़ों का दर्द व सूजन आदि शिकायतें दूर होती हैं।

विधि

दरी व कंबल स्वच्छ जगह पर बिछाकर उस पर अपनी सुविधानुसार पद्मासन, सिद्धासन, स्वस्तिकासन अथवा सुखासन में बैठ जाएं। फिर अपने दाहिने हाथ के अंगूठे से नासिका के दाएं छिद्र को बंद कर लें और नासिका के बाएं छिद्र से सांस अंदर की ओर भरे और फिर बाईं नासिका को अंगूठे के बगल वाली दो अंगुलियों से बंद कर दें। उसके बाद दाहिनी नासिका से अंगूठे को हटा दें और सांस को बाहर निकालें। अब दाईं नासिका से ही सांस अंदर की ओर भरे और दाईं नाक को बंद करके बाईं नासिका खोलकर सांस को 8 की गिनती में बाहर निकालें। इस क्रिया को पहले 3 मिनट तक और फिर धीरे-धीरे इसका अभ्यास बड़ाते हुए 10 मिनट तक करें। 10 मिनट से अधिक समय तक इसका अभ्यास नहीं करना चाहिए। इस प्राणायाम को सुबह-सुबह खुली हवा में बैठकर करें।

लाभ

इससे शरीर में वात, कफ, पित्त आदि के विकार दूर होते हैं। रोजाना अनुलोम-विलोम करने से फेफड़े शक्तिशाली बनते हैं। इससे नाड़ियां शुद्ध होती हैं जिससे शरीर स्वस्थ, कांतिमय एवं शक्तिशाली बनता है। इस प्राणायाम को रोज करने से शरीर में कॉलेस्ट्रोल का स्तर कम होता है। अनुलोम-विलोम करने से सर्दी, जुकाम व दमा की शिकायतों में काफी आराम मिलता है। अनुलोम-विलोम से हृदय को शक्ति मिलती है। इस प्राणायाम के दौरान जब हम गहरी सांस लेते हैं तो शुद्ध वायु हमारे खून के दूषित तत्वों को बाहर निकाल देती है। शुद्ध रक्त शरीर के सभी अंगों में जाकर उन्हें पोषण प्रदान करता है। अनुलोम-विलोम प्राणायाम सभी आयु वर्ग के लोग कर सकते हैं और सुविधानुसार इसकी अवधि तय की जा सकती है।

सावधानियां

कमजोर और एनीमिया से पीड़ित रोगियों को इस प्राणायाम के दौरान सांस भरने व छोड़ने में थोड़ी सावधानी बरतनी चाहिए। कुछ लोग समय की कमी के चलते जल्दी-जल्दी सांस भरने और निकालने लगते हैं। इससे वातावरण में फैला धूल, धुआं, जीवाणु और वायरस, सांस नली में पहुंचकर अनेक प्रकार के संक्रमण को पैदा कर सकते है। प्राणायाम के दौरान सांस की गति इतनी सहज होनी चाहिए। प्राणायाम करते समय स्वयं को भी सांस की आवाज नहीं सुनाई देनी चाहिए।

आपकी आवाज से आप तक पहुंचेगा सामान

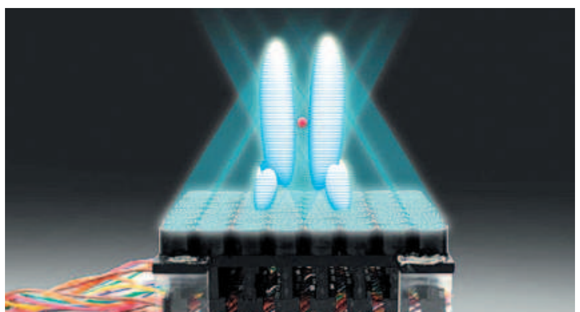

वैसे तो दुनिया में बोझा उठाने के लिए या यूं कहें कि किसी चीज को इधर से उधर पहुंचाने के लिए शारीरिक कष्ट देना पड़ता या किसी की चीज की सहायता से कोई भी वस्तु इधर से उधर पहुंचाई जाती है लेकिन वैज्ञानिकों ने इसका भी हल ढूंढ लिया है। अब आपकी कई वस्तु किसी चीज की सहायता से नहीं बल्कि आपकी आवाज से इधर से उधर पहुंच जाएगी। जानकारी के अनुसार वैज्ञानिकों ने एक अनूठी सोनिक ट्रैक्टर बीम का विकास किया है जो ध्वनि तरंगों का उपयोग कर वस्तुओं को उठाने और एक जगह से दूसरी जगह ले जाने में सक्षम होगा। इस खोज में भारतीय मूल का एक वैज्ञानिक भी शामिल है। अनुसंधानकर्ताओं ने जो ट्रैक्टर बीम विकसित किया है वह एक ध्वनिक होलोग्राम उत्पन्न करने के लिए उच्च क्षमता के ध्वनि तरंगों का इस्तेमाल करता है जो छोटी वस्तुओं को उठाने और एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने में सक्षम होता है। ट्रैक्टर बीम का अभिप्राय एक ऐसे उपकरण से है जो शारीरिक संपर्क के बगैर किसी भी वस्तु को खींच लेता है। विज्ञान कथा लेखकों की रचनाओं और स्टार ट्रेक जैसे प्रोगामों में सामान को पकड़ने, उठाने और एक जगह से दूसरी जगह ले जाने के लिए ट्रैक्टर बीम की अवधारणा का उपयोग किया गया है जिससे वैज्ञानिक और इंजीनियर बहुत हद तक प्रभावित हुए।

इन कपल के शौक भी अजीबोगरीब

समुद्र की यात्रा के भारी-भरकम बजट को पूरा करने के लिए 29 साल की चार्ली स्मिथ और 34 साल के उसके मंगेतर कैप्टन ने अपना घर बेचने का फैसला किया और अपनी शादी के प्लान को भी ठंडे बस्ते में डालने के साथ ही अपनी नौकरी भी छोड़ दी। अपने सपने को जीने के लिए 29 साल की चार्ली स्मिथ मॉडल और आईटीवी रीजनल वेटर प्रजेंटर थी। वहीं, कैप्टन आर्किटेक्चर डिजाइनर रहे हैं। अब इस कपल ने फैसला किया कि वो अपना समुद्र की लहरों पर चलते हुए दुनिया घूमने का सपना पूरा करेंगे। हालांकि, इससे पहले उन्होंने कभी नाव में सफर नहीं किया था और उन्हें नौकायन का कोई खास अनुभव भी नहीं था। वे इस साल मई में जर्सी में अपने घरों को छोड़कर नई जिंदगी की तलाश में लहरों के सफर पर निकल पड़े। अभी तक वे पश्चिम में मेडिटेरिएन, फ्रांस, स्पेन, इटली, इल्बा, कोर्सिका, सार्डिनिया और बेलिएरिक द्वीप समूह में घूम चुके हैं। इस दौरान उन्होंने यूरोप में कई खूबसूरत समुद्री स्थानों को देखा। चार्ली ने बताया कि वे दोनों घंटों तक कॉकपिट पर बैठे रहते है और कई बातों पर चर्चा भी करते हैं।

अबकी बार गोवा गए तो क्या पता क्लब में ही मिल जाए 'फेनी'

गोवा की दो चीजें बहुत मशहूर हैं, एक समुद्री तट यानी बीच और दूसरी वहां की लोकल और लोकप्रिय शराब फेनी। अगर आप अक्सर गोवा जाते रहते हैं और फेनी आपको बहुत पसंद है, तो आपके लिए ये अच्छी खबर साबित हो सकती है। कौन जाने कि कुछ दिनों बाद जब आप गोवा की ट्रिप पर जाएं, तो आपको फेनी के लिए कहीं बाहर जाने की जरूरत ही न हो। गोवा की लोकप्रिय 'फेनी' क्लब और पार्टिज्यों में पी जाने वाली एक प्रमुख शराब बन सकती है यदि इसे थोड़े बेहतर स्वाद के साथ बनाया जाए। फेनी से जुड़े हितधारक आजकल इसी मुहीम में लगे हैं।

क्या है सिरदर्द

सिरदर्द से तात्पर्य है सिर के एक या एक से अधिक हिस्सों में और साथ ही गर्दन के पिछले भाग में हल्की या तेज पीड़ा हो सकती है। सुबह के वक्त सिरदर्द किसी गंभीर बीमारी की तरफ इशारा नहीं करते, ये आपकी अनियमित दिनचर्या का हिस्सा हो सकते हैं। आमतौर पर सिरदर्द को माइग्रेन, तनाव और क्लस्टर की तीन श्रेणियों में बांटा जाता है। इससे जुड़ी खास बात यह है कि जितने अधिक लोग इससे पीड़ित हैं, उतनी ही अधिक इसके दर्द को नजरअंदाज करने वालों की संख्या भी है। कुल 5 करोड़ पीड़ित लोगों में से केवल 2 प्रतिशत ही माइग्रेन के उपचार के लिए डॉक्टर से संपर्क करते हैं।

गर्भवती हैं तो अंगूर और पपीता न खाएं

गर्भावस्था में क्या खाए जाए से जरूरी यह जानना है कि क्या न खाया जाए। घर-परिवार की बुजुर्ग महिलाएं अपने अनुभव के आधार पर यह राय देती रहती हैं।

चलिए जानते हैं कि गर्भावस्था में कौन सी सब्जियों और फलों से परहेज करना चाहिए। आइए जानें, गर्भवस्था के दौरान कौन-कौन से फल और सब्जियां ना खाएं। गर्भावस्था के दौरान इन फलों के सेवन बचें

पपीता खानें से बचें

कोशिश करें कि गर्भावस्था के दौरान पपीता ना खाए। पपीता खाने से प्रसव जल्दी होने की संभावना बनती है। पपीता, विशेष रूप से अपरिपक्व और अर्द्ध परिपक्व लेटेक्स जो गर्भाशय के संकुचन को ट्रिगर करने के लिए जाना जाता है को बढ़ावा देता है। गर्भावस्था के तीसरे और अंतिम तिमाही के दौरान पका हुआ पपीता खाना अच्छा होता हैं।

पके हुए पपीते में विटामिन सी और अन्य पौष्टिक तत्वों की प्रचुरता होती है, जो गर्भावस्था के शुरूआती लक्षणों जैसे कब्ज को रोकने में मदद करता है। शहद और दूध के साथ मिश्रित पपीता गर्भवती महिलाओं के लिए और विशेष रूप से स्तनपान करा रही महिलाओं के लिए एक उत्कृष्ट टॉनिक होता है।

अनानास से बचें

गर्भावस्था के दौरान अनानस खाना गर्भवती महिला के स्वास्थ के लिए हानिकारक हो सकता है। अनानास में प्रचुर मात्रा में ब्रोमेलिन पाया जाता है, जो गर्भाशय ग्रीवा की नरमी का कारण बन सकती हैं, जिसके कारण जल्दी प्रसव होने की सभांवना बढ़ जाती है।

हालांकि, एक गर्भवती महिला अगर दस्त होने पर थोड़ी मात्रा में अनानास का रस पीती है तो इससे उसे किसी प्रकार का नुकसान नहीं होगा। वैसे पहली तिमाही के दौरान इसका सेवन ना करना ही सही रहेगा, इससे किसी भी प्रकार के गर्भाशय के अप्रत्याशित घटना से बचा जा सकता है।

अंगूर से बचें

डॉक्टर गर्भवती महिलाओं को उसके गर्भवस्था के अंतिम तिमाही में अंगूर खाने से मना करते है। क्योंकि इसकी तासिर गरम होती है। इसलिए बहुत ज्यादा अंगूर खाने से असमय प्रसव हो सकता हैं। कोशिश करें कि गर्भावस्था के दौरान अंगूर ना खाए।

गर्भावस्था के दौरान इन सब्जियों से बचें

गर्भवती महिलाओं के लिए सबसे महत्वपूर्ण सलाह ये होती है कि वो कच्चा या पाश्चरीकृत नहीं की हुई सब्जी और फल ना खाए। साथ ही ये भी महत्वपूर्ण है कि आप जो भी खाए वो अच्छे से धुला हुआ और साफ हो। ये गर्भावस्था के दौरान आपको संक्रमण से बचाने के लिए महत्वपूर्ण है। फलों और सब्जियों को गर्भावस्था आहार का एक अभिन्न अंग माना जाता है। इसलिए जम कर खाए लेकिन साथ ही इन कुछ बातों का ध्यान भी जरूर रखें, और बचें रहे गर्भवस्था के जटिलओं से।

कैंसर रोगी के लिए फायदेमंद है एलोवेरा

प्रकृति ने मानव जीवन को अनेक उपहार दिए हैं। वनस्पतियों के रूप में प्राप्त ये उपहार वरदान स्वरूप हैं। प्रकृति का ऐसा ही एक औषधीय पौधा है एलोवेरा। एलोवेरा को घृतकुमारी भी कहा जाता है। इसकी पत्तियां कैंसर जैसे असाध्य रोग को मात देने का दावा करती है। एलोवेरा की खास बात है कि यह एंटीबायोटिक और एंटीसेप्टिक के रूप में काम करता है। एलोवेरा शरीर में जाकर खराब सिस्टम को ठीक करता है। इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होता।

कैसा होता है एलोवेरा

एलोवेरा में कई गुण है, इसमें 75 प्रतिशत पानी, 70 तरह के मिनरल, एंजाइम्स, प्रोटीन, एमिनो एसिड और विटामिन होते हैं। इस पौधे के पत्ते सीधे जमीन से ही निकलते हैं। यह 2 से 3 फीट लम्बे और 3 से 4 इंच चौड़े होते हैं। इसके दोनों ओर नुकीले कांटे होते हैं। इसके पत्ते गहरे हरे रंग के मोटे, चिकने और गूदेदार होते हैं। जिन्हें काटने या छीलने पर घी जैसे गुदा (जैल) निकलता है। इसलिए इस पौधे को घृतकुमारी व घी ग्वार भी कहा जाता है।

कैंसर में फायदेमंद है एलोवेरा

एलोवेरा की पत्तियों का इस्तेमाल औषधि के साथ-साथ सौंदर्य प्रसाधनों में भी किया जाता है। अगर कैंसर व सोराइसिस के मरीज तीन माह तक एलोवेरा का जूस पीएं तो इसका उनके शरीर पर अच्छा असर देखने को मिलता है। एलोवेरा में कैंसररोधी तत्व पाए जाते हैं जो कि कैंसर की कोशिकाओं को बढ़ने से रोकते हैं। कैंसर रोगियों के लिए रोज सुबह शाम 50 ग्राम एलोवेरा का जूस पीना लाभकारी होता है। एलोवेरा के जूस का नियमित सेवन शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बड़ाता है। इससे कैंसर ठीक होने की संभावना बढ़ जाती है।

इस दौरान रोगी को केला, पपीता, अंकुरित चना व हरी सब्जियां ले सकते हैं। कैंसर के उपचार में आयुर्वेदिक व प्राकृतिक चिकित्सा काफी लाभदायक होती है। कैंसर जैसे असाध्य रोग में एलोवेरा जैल का इस्तेमाल काफी फायदेमंद होता है। ऐसा देखा गया है कि एलोवेरा में निहित औषध तत्व उन कैंसरग्रस्त कोशिकाओं की भी रोकथाम कर लेते है जिन्हें कीमोथैरेपी भी रोक नहीं पाती। कैंसर के इलाज में जब अंग्रेजी दवाएं काम नहीं करती तो ऐसे में एलोवेरा का सेवन अत्यंत लाभकारी होता है। ऐसे में ऐलोवेरा कैंसर के इलाज में काफी मददगार साबित होता है। सिर्फ एलोवेरा या दवाएं देने के बजाय अगर एलोवेरा और हल्की मात्रा में कैंसर रोधक दवाएं साथ-साथ दी जाएं तो कैंसर कोशिकाओं पर काफी कारगर असर पड़ता है।

नाखून बताते हैं सेहत का हाल

नाखून सिर्फ सुंदर हाथों की शोभा ही नहीं बढ़ाते बल्कि आपकी सेहत का हाल भी बयां करते हैं। छोटे-छोटे तंतुओं से बने नाखूनों में पोरों के इर्द-गिर्द के क्षेत्र में उनके स्वास्थ्य का राज छिपा होता है। निम्न लिखें तमाम कारण अस्वस्थ नाखूनों के लिए जिम्मेदार होते हैं। 1 आयरन और विटामिन-बी 12 की कमी होने पर नाखून अन्दर की ओर धंस जाते हैं। 2 विटामिन-सी की कमी होने पर नाखून कटने-फटने लगते हैं। 3 धब्बे युक्त खुरदरे नाखून फोलिक एसिड, प्रोटीन की कमी या फिर रक्त संचार व्यवस्था का सही न होना दर्शाते हैं। 4 जिन लोगों की किडनी खराब होती है इसका संकेत उनके नाखूनों से ही मिल जाता है। ऐसे लोगों के नाखूनों का आधा हिस्सा औरों की तुलना में ज्यादा पीलापन लिए होता है। नाखूनों को स्वस्थ और सुंदर बनाए रखने के लिए अपनाएं देसी नुस्खें 1 नाखूनों को गुनगुने दूध में भिगोएं। 2 दूध और कैल्शियमयुक्त भोजन नाखूनों को मजबूत बनाता है। 3 नाखूनों की सफाई के लिए साबुन के झाग वाले पानी में 5 मिनट तक नाखून और हाथ डुबोकर रखें। बाद में साफ पानी से हाथ धो लें और नर्म तौलिए से हल्का थपथपाकर हाथ सुखा लें। 4 नाखूनों पर रात को ग्लिसरीन लगा कर सोएं इससे नाखूनों में होने वाला दर्द ठीक होता है। 5 विटामिन बी काम्पलैक्स नाखूनों को मजबूत बनाने में सहायक है। 6 नींबू के छिल्के को नाखूनों पर रगड़ने से नाखून साफ और चमकदार बनते हैं। 7 नाखूनों की सफाई के लिए हाइड्रोजन पैरॉक्साइड की कुछ बूंदें नाखूनों पर लगाकर रूई से अच्छी तरह पोंछ लें। गंदगी साफ हो जाएगी। 8 नींबू और नमक या नींबू और दही से नाखूनों की मालिश करें। नाखून स्वस्थ और चमकदार बनेंगे। 9 कमजोर नाखूनों को जैतून के गुनगुने तेल की मालिश करने से नाखून मजबूत बनते हैं। 10 कैल्शियम और विटामिन डी नाखूनों के लिए अच्छा होता है। आप सलाद और चुकंदर खाकर शरीर में इस कमी को पूरा कर सकते हैं। कुछ दिनों में पीले, बेजान नाखून सुंदर दिखने लगेंगे। 11 गुनगुने सरसों के तेल से हल्की मालिश करने से नाखूनों में लालिमा आती है।

नवजात के नाखून होते हैं कोमल

नवजात के नाखूनों की देखभाल करने की विशेष जरूरत हैं, क्योंकि यदि आपने इन पर ध्यान नहीं दिया तो इसमें जमा गंदगी के कारण बच्चे को संक्रमण हो सकता है। संक्रमण के कारण बच्चे का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। बच्चों के नाखूनों की देखभाल के लिए जरूरी है हाथों की सही तरीके से देखभाल की जाए। नाखून बच्चे के उंगलियों के ऊपरी हिस्से के लिए सुरक्षा कवच की भांति काम करते हैं। इसलिए जरूरी है कि आप अपने बच्चे के नाखूनों का सही ख्याल रखें। उन्हें साफ और सही आकार में रखें।

क्यों जरूरी है नाखून की देखभाल

- बच्चों को सही और गलत की जानकारी नहीं होती है जिसके कारण वे अक्सर नाखून चबाते हैं।
- बच्चे यदि नाखून काटेंगे तो उसमें मौजूद कीटाणुओं के संक्रमण से वे बीमार हो सकते हैं।
- बच्चों के नाखून लंबे होने से पहले काट दीजिए, नहीं तो इसके कारण वे खुद को नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- बच्चे यदि बढ़े नाखूनों को मुंह से काटते हैं तो उसके कारण वे उंगलियों की त्वचा को भी नुकसान पहुंचान सकते हैं।

नाखून और संक्रमण

नवजात को कोई भी बीमारी बहुत आसानी से हो सकती है, क्योंकि उनकी प्रतिरक्षा प्रणाली बहुत कमजोर होती है। इसलिए बच्चों को बीमारियों से बचाने के लिए उनके नाखूनों को निश्चित समय पर काटते रहें। इसलिए यह जरूरी है कि आप अपने बच्चों को नाखूनों की सही प्रकार से देखभाल करें। पालतू जानवर से खेलने, कूड़ा फेंकने और खांसने व छींकने के बाद भी बच्चों के हाथ जरूर धोएं। नवजात के हाथ केवल पानी से न साफ करें, हाथ साफ करते वक्त साबुन का प्रयोग करें। नाखूनों को छोटा रखने के लिए उन्हें काटते रहें।

ऐसे करें नवजात के नाखूनों की देखभाल

- ऐसे नेलकटर्स का इस्तेमाल करें जो सिर्फ बच्चों के लिए बनाए गए हों।
- नवजात शिशु के नाखून बहुत ही जल्दी बढ़ते हैं और इन्हें हफ्ते में कम से कम दो बार जरूर काटना चाहिए।
- नेल फाइल के सहारे नाखून के नुकीले किनारों को समतल बनाने की कोशिश करें।
- नवजात के नाखूनों को तभी काटें जब बच्चा सो रहा हो।
- नवजात के नाखून काटते वक्त ध्यान रखें, जिससे की बच्चे की त्वचा को किसी भी प्रकार की क्षति ना होने पाए।
- अंगूठे को नाखून को काटते वक्त विशेष ध्यान रखें, क्योंकि अन्य उंगलियों की तुलना में वह थोड़ा सख्त होती है।
- नवजात के नाखूनों के अलावा हाथों की देखभाल पर विशेष ध्यान दीजिए। नवजात के हाथों को साफ करते वक्त सेनेटाइजर का प्रयोग कीजिए। बच्चों का नेलकटर चुनने में यदि आपको परेशानी हो रही हो तो चिकित्सक से सलाह कीजिए।

रेसिपी

मसाला बाटी

सामग्री

1 कप दरदरा गेहूं का आटा, 1/2 कप सूजी, 1/4 कप पिघला हुआ घी, 1/2 कप दूध, नमक स्वादअनुसार, 1 कप उबले और दरदरे क्रश किए हुए हरे मटर, 1 1/2 टेबल-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून जीरा,1/4 टी-स्पून हींग, 1/2 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 1/4 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टी-स्पून धनिया पाउडर, नमक स्वादअनुसार, अन्य सामग्री, घी, तलने के लिए, परोसने के लिए, पिघला हुआ घी, 1 व्यंजन विधी दाल, 1 व्यंजन विधी चुरमा

विधि

सभी सामग्री को एक गरेह बाउल में मिलाकर, बिना पानी का प्रयोग किए सख्त आटा गूंथ लें। 3-4 मिनट तक अच्छी तरह गूंथते रहें। 20 मिनट के लिए रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन में तेल गरम करें और जीरा और हींग डालें। जब बीज चटकने लगे, हरे मटर, अदरक- हरी मिर्च का पेस्ट, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, लगातार हिलाते हुए, 2-3 मिनट तक पका लें। आंच से हठाकर भरवां मिश्रण को पुरी तरह से ठंडा होने के लिए रख दें। भरवां मिश्रण को 10 भाग में बांट लें और एक तरफ रख दें।

छेना मालपुवा

सामग्री

4 1/2 कप वसा भरपुर दूधर 1 1/2 टेबल-स्पून नींबू का रसर र1 1/4 कप शक्करर मालपुवे के लिए

1 कप छेना (व्यंजन विधी उपर देखें)र एक चुटकी जायफल पाउडरर 1 1/2 टेबल-स्पून कोर्नफ्लॉर, केसर के कुछ लच्छेर घी, तलने के लिएर सजाने के लिएर 1 टेबल-स्पून बादाम की कतरन,1 टेबल-स्पून पिस्ता की कतरन

विधि

एक गहरे नॉन-स्टिक पॅन में दूध गरम करें, नींबू का रस डालकर हल्के हाथों मिला लें। दूध फटकर पानी अलग हो जाएगा। यह पानी पार्दर्शी होना चाहिए, जिससे यह सुनिश्चित हो कि दूध पुरी तरह फट गया है। 3 से 4 मिनट तक रख दें। छन्नी से सारा पानी छान लें और छेना को 10-15 मिनट के लिए रखकर, सारा पानी निकलने दें। छेना को प्लेट में निकाल लें और हल्के हाथों मलते हुए नरम बना लें, इस बात का ध्यान रखें कि बहुत जोर से ना मलें। एक तरफ रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन में शक्कर और 1 कप पानी को अच्छी तरह मिला ले और लगातार हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 5 मिनट तक पका लें। आंच से हठाकर एक तरफ रख दें। सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में मिलाकर आटा गूथ लें। आटे को 10 भाग में बांट लें। एक समतल जगह पर गीला सूती कपड़े का छोटा टुकड़ा रखें, आटे के 1 भाग को बीच मे रखकर दुसरे गीले कपड़े के टुकड़े से ढ़क दें। गीले हाथों से फेलाकर 75 मिमी। व्यास के गोल आकार में बना लें। एक कम गहरी कढ़ाई में घी गरम करें और मालपुवा डालकर, मध्यम आंच पर उनके दोनो तफ से सुनहरा होने तक तल लें। मालपुवा को निकालकर चाश्नी में तुरंत डालें।

संपादकीय

महाकुंभ के संदेश को समाज में उतारें

प्रयागराज में सनातनी आस्था का महापर्व महाकुंभ-2025 ने वैश्विक स्तर पर सफलतापूर्वक आयोजन की नई ऊंचाईयों का कीर्तिमान बना दिया है। महाकुंभ में देश-दुनिया से जिस तरह आस्था का जनसैलाब उमड़कर पहुँचा, उससे भारतीय संस्कृति का परचम दुनिया भर में लहराया। कहना होगा कि योगी सरकार ने जिस प्रकार की व्यवस्थाएँ महाकुंभ को सफल बनाने एवं श्रद्धालुओं की सहूलित के लिए की, उनके भी लोगों का उत्साह और आनंद बढ़ा। प्रयागराज में पवित्र स्नान का पुण्य लाभ लेकर जब श्रद्धालु अपने स्थान पर पहुँचते हैं और विभिन्न माध्यमों से अपनी अनुभूति एवं महाकुंभ की व्यवस्थाओं की प्रशंसा करते, तब अन्य लोग भी महाकुंभ के साक्षी बनने एवं पवित्र स्नान के लिए उत्साहित होते। यह पहली बार था, जब प्रतिदिन रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालु प्रयागराज पहुँच रहे थे। महाशिवरात्रि पर महाकुंभ के समापन के साथ जो आंकड़ा सामने आया है, उसके अनुसार- प्रयागराज महाकुंभ में 67 करोड़ से अधिक लोगों ने डुबकी लगाई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रारंभ में जिस प्रकार इसे एकात्मता का महाकुंभ बताया था, उसकी अनुभूति देश-दुनिया ने की है। सबने एक साथ एक घाट पर एक संगम में स्नान किया। किसी भी प्रकार का भेदभाव कहीं दिखाई नहीं दिया। महाकुंभ के इस संदेश को हमें अपने सामाजिक चरित्र में इसी प्रकार उतार लेना चाहिए। कोई हमें कितना भी बाँटने की कोशिश करे, उन्हें एक ही आवाज सुनायी देनी चाहिए- हम सब हिन्दू एक हैं। महाकुंभ की सीख को अपने आचरण में उतारना ही सच्चे अर्थों में कुंभ स्नान है। बहरहाल, प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ की घटना को छोड़कर बड़े पैमाने पर लोगों के पहुंचने से इसे बड़ा स्वरूप मिला। यह एक सफल आयोजन रहा। भगदड़ के बाद हिन्दू विरोधियों ने जिस प्रकार से महाकुंभ को बदनाम करने का प्रयास किया और सरकारी प्रयासों को कमतर दिखाने की कोशिश की, उस सबको धता बताकर हिन्दू समाज ने अपने आस्था का प्रदर्शन किया और योगी सरकार पर भरोसा जताया। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी सरकार के प्रबंधन पर भरोसा करके ही अनेक प्रकार के नकारात्मक नैरेटिव को नजरअंदाज करके करोड़ों की संख्या में लोग वहाँ पहुँचे। कहना होगा कि आगे होने वाले कुंभ आयोजनों और उनकी यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बड़ी लकीर खींच दी है। यही वजह है कि प्रयागराज महाकुंभ के समापन से पहले ही महाराष्ट्र सरकार ने तैयारियां शुरू कर दी थीं। इधर, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उज्जैन में होनेवाले महाकुंभ की तैयारियां प्रारंभ कर ही चुके हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नासिक कुंभ मेला 2027 को हाईटेक बनाने का संकल्प लिया है। हालांकि, सरकारों को यह बात भी ध्यान रखनी है कि कुंभ हमारी आस्था का समागम है, यह किसी प्रकार की प्रतिस्पर्धा नहीं है। इसलिए सब प्रकार की बातों का ध्यान करके ही योजना बनानी चाहिए। कुंभ हमारे लिए अपनी गौरवशाली परंपरा की दिव्य अनुभूति करने का प्रसंग होता है। इस विचार को प्राथमिकता में रखकर हम अपनी तैयारी करें। निःसंदेह, नासिक कुंभ भी हमें एक बार फिर आध्यात्मिकता के शिखर पर लेकर जाएगा।

महाकुंभ में देश-दुनिया से जिस तरह आस्था का जनसैलाब उमड़कर पहुँचा, उससे भारतीय संस्कृति का परचम दुनिया भर में लहराया। कहना होगा कि योगी सरकार ने जिस प्रकार की व्यवस्थाएं महाकुंभ को सफल बनाने एवं श्रद्धालुओं की सहूलित के लिए की, उनके भी लोगों का उत्साह और आनंद बढ़ा। प्रयागराज में पवित्र स्नान का पुण्य लाभ लेकर जब श्रद्धालु अपने स्थान पर पहुँचते हैं और विभिन्न माध्यमों से अपनी अनुभूति एवं महाकुंभ की व्यवस्थाओं की प्रशंसा करते, तब अन्य लोग भी महाकुंभ के साक्षी बनने एवं पवित्र स्नान के लिए उत्साहित होते। यह पहली बार था, जब प्रतिदिन रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालु प्रयागराज पहुँच रहे थे। महाशिवरात्रि पर महाकुंभ के समापन के साथ जो आंकड़ा सामने आया है, उसके अनुसार- प्रयागराज महाकुंभ में 67 करोड़ से अधिक लोगों ने डुबकी लगाई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रारंभ में जिस प्रकार इसे एकात्मता का महाकुंभ बताया था, उसकी अनुभूति देश-दुनिया ने की है। सबने एक साथ एक घाट पर एक संगम में स्नान किया। किसी भी प्रकार का भेदभाव कहीं दिखाई नहीं दिया। महाकुंभ के इस संदेश को हमें अपने सामाजिक चरित्र में इसी प्रकार उतार लेना चाहिए। कोई हमें कितना भी बाँटने की कोशिश करे, उन्हें एक ही आवाज सुनायी देनी चाहिए- हम सब हिन्दू एक हैं। महाकुंभ की सीख को अपने आचरण में उतारना ही सच्चे अर्थों में कुंभ स्नान है।

मधुमेह और हृदय रोग जैसी पुरानी बीमारियों के विकास के जोखिम को बढ़ाता है और वज़न बढ़ाता है

प्रोसेस्ड, फास्ट फूड के सेवन से पनपती स्वास्थ्य समस्याएँ

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में युवा पीढ़ी तेजी से फास्ट फूड का सेवन कर रही है, जिसके कारण कई स्वास्थ्य समस्याएँ पैदा हो रही है, जैसे मोटापा, टाइप 2 मधुमेह और हृदय सम्बंधी विकार। फास्ट फूड में अक्सर बड़ी मात्रा में कैलोरी, चीनी, सोडियम और खराब वसा होती है, जो खराब खाने की आदतों और पोषण सम्बंधी कमियों को जन्म दे सकती है। इसका परिणाम एक गतिहीन जीवन शैली भी हो सकता है, जो किसी के स्वास्थ्य के लिए जोखिम बढ़ाएगा। इस प्रवृत्ति में समय के साथ स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों पर दबाव डालने और पीढ़ियों के जीवन की सामान्य गुणवत्ता को प्रभावित करने की क्षमता है। क्योंकि यह मोटापे, खराब पोषण और अस्वास्थ्यकर खाने के पैटर्न को बढ़ावा देता है, फास्ट फूड का सेवन बच्चों के स्वास्थ्य और खाने की आदतों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

भारत की खाद्य संस्कृति वैश्वीकरण, शहरीकरण और बदलती जीवनशैली के परिणामस्वरूप बदल रही है, जो प्रमुख सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक परिवर्तनों का कारण बन रही है। भारत में युवा पीढ़ी तेजी से फास्ट फूड का सेवन कर रही है, जिसके कारण कई स्वास्थ्य समस्याएँ पैदा हो रही है, जैसे मोटापा, टाइप 2 मधुमेह और हृदय सम्बंधी विकार। फास्ट फूड में अक्सर बड़ी मात्रा में कैलोरी, चीनी, सोडियम और खराब वसा होती है, जो खराब खाने की आदतों और पोषण सम्बंधी कमियों को जन्म दे सकती है। इसका परिणाम एक गतिहीन जीवन शैली भी हो सकता है, जो किसी के स्वास्थ्य के लिए जोखिम बढ़ाएगा। इस प्रवृत्ति में समय के साथ स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों पर दबाव डालने और पीढ़ियों के जीवन की सामान्य गुणवत्ता को प्रभावित करने की क्षमता है। क्योंकि यह मोटापे, खराब पोषण और अस्वास्थ्यकर खाने के पैटर्न को बढ़ावा देता है, फास्ट फूड का सेवन बच्चों के स्वास्थ्य और खाने की आदतों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। फास्ट फूड, जिसमें कैलोरी, चीनी और खराब वसा अधिक होती है, मधुमेह और हृदय रोग जैसी पुरानी बीमारियों के विकास के जोखिम को बढ़ाता है और वज़न बढ़ाता है। फास्ट फूड के लगातार सेवन से बच्चे स्वस्थ खाद्य पदार्थों की तुलना में प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता देते हैं, जिससे संतुलित आहार खाने और पौष्टिक भोजन चुनने की उनकी संभावना कम हो जाती है। आजकल, बहुत से युवा फास्ट फूड को पसंद करते हैं क्योंकि यह सुविधाजनक, स्वादिष्ट और जल्दी बनने वाला होता है। इसके नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों के बारे में जानते हुए भी वे इसे खाना जारी रखते हैं। व्यस्त जीवन शैली में, फास्ट फूड को जल्दी से जल्दी खाना सुविधाजनक है। वे भीड़ का अनुसरण करते हैं क्योंकि उनके दोस्त भी इसे पसंद कर सकते हैं। फास्ट फूड रेस्तरां अपने भोजन में स्वाद और सुगंध भी मिलाते हैं, जिससे यह अविश्वसनीय रूप से स्वादिष्ट और लगभग नशे की लत बन जाता है। इसके अस्वास्थ्यकर तत्वों, जैसे अत्यधिक वसा और चीनी के बारे में जानने के बाद भी, उन्हें फास्ट फूड की लालसा का विरोध करना मुश्किल लगता है। फास्ट फूड कंपनियाँ अपने उत्पादों को कूल और मनोरंजक दिखाने के लिए भ्रामक विज्ञापन का उपयोग करती हैं, जो एक

और कारक है। मशहूर हस्तियों और यादगार नारों का उपयोग ध्यान आकर्षित करने के लिए किया जाता है, खासकर युवा लोगों का। अपनी बुद्धिमत्ता और शिक्षा के बावजूद, लोग कभी-कभी अपने स्वास्थ्य पर संभावित हानिकारक प्रभावों पर विचार करने के बजाय फास्ट फूड खाने को प्राथमिकता देते हैं। वे ऐसे पेश आते हैं जैसे उन्हें पता है कि यह सबसे अच्छा विकल्प नहीं है, लेकिन फिर भी वे इसे चुनते हैं क्योंकि यह बहुत सरल और आकर्षक है। इसलिए, बहुत से लोग अभी भी ख़ुद को फास्ट फूड की ओर आकर्षित पाते हैं, भले ही वे इनका नुकसान जानते हों। चूँकि लोग घर के बने खाने की जगह सुविधाजनक भोजन चुन रहे हैं, इसलिए खान-पान की आदतें बदल रही हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में युवा लोग ज़्यादा प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ खा रहे हैं। बाजरा जैसे पारंपरिक अनाज की जगह रिफ़ाइंड अनाज और पैकेज्ड खाद्य पदार्थ ले रहे हैं। बाजरा की खपत को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 2023 में अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष की शुरुआत की थी। प्रोसेस्ड, उच्च वसा, उच्च चीनी वाले पश्चिमी आहार की बढ़ती संख्या पारंपरिक संतुलित भोजन की जगह ले रही है। मैकडॉनल्ड्स, केएफसी और डोमिनोज़ के तेज़ी से बढ़ने के कारण भारत में शहरी खान-पान की आदतें बदल गई हैं। वैश्वीकरण के कारण खाद्य संस्कृति के एकरूपीकरण के कारण, क्षेत्रीय व्यंजन अपनी विशिष्टता खो रहे हैं। पूर्वोत्तर भारत में किण्वन-आधारित आहार और अन्य पारंपरिक खाना पकाने की तकनीकें लोकप्रिय नहीं हो रही हैं। खान-पान की बदलती आदतों के कारण, त्योहारों और धर्मों की पाक परंपराएँ अपना महत्त्व खो रही हैं। आयुर्वेदिक और सात्विक आहार जो हिंदू रीति-रिवाजों का एक प्रमुख हिस्सा हैं, उनकी जगह आधुनिक आहार ले रहे हैं। पारंपरिक खान-पान की प्रथाएँ, पारिवारिक भोजन और सामाजिक बंधन सभी फास्ट-फ़ूड संस्कृति से प्रभावित हो रहे हैं। अकेले खाने और स्विगी और ज़ोमैटो जैसी ऑनलाइन भोजन वितरण सेवाओं के बढ़ने के परिणामस्वरूप लोगों के साथ मिलकर खाने का तरीक़ा बदल गया है। वैश्विक खाद्य श्रृंखलाओं के परिणामस्वरूप स्ट्रीट वेंडर और स्वदेशी खाद्य कारीगर चुनौतियों का सामना करते हैं। यूनेस्को ने मुंबई की स्ट्रीट फूड संस्कृति को स्वीकार किया है, लेकिन शहरी आधुनिकीकरण इसे खतरे में डाल रहा है। कुपोषण और स्वास्थ्य प्रभावः अधिक प्रसंस्कृत भोजन खाने के परिणामस्वरूप, हृदय रोग, मधुमेह और मोटापे में वृद्धि हुई है। आहार सम्बंधी आदतों में बदलाव के कारण भारत में 101 मिलियन मधुमेह रोगी हो गए हैं। खपत के पैटर्न में बदलाव के कारण पारंपरिक फसलों की मांग में कमी आई है, जिसका असर किसानों के मुनाफे पर पड़ा है। नीति आयोग (2022) के अनुसार, ग्रामीण कृषि अर्थव्यवस्था को बनाए रखने के लिए फ़सल विविधीकरण महत्त्वपूर्ण है। छोटे पैमाने के खाद्य व्यवसाय, पारंपरिक भोजनालय और पड़ोस के खाद्य विक्रेता सभी वैश्विक खाद्य श्रृंखलाओं से प्रभावित हैं। 2017 के खाद्य लाइसेंसिंग विनियमों के कारण, छोटे, पारंपरिक रेस्तरां को बंद करना पड़ा। फ़ार्म-टू-टेबल कार्यक्रम और जैविक खेती के प्रति-आंदोलन आकार लेने लगे हैं। भारतीय खाद्य उत्पादों को जैविक भारत पहल द्वारा प्रमाणित जैविक होने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। स्थानीय खाद्य सामर्थ्य वैश्विक खाद्य प्रवृत्तियों से प्रभावित होता है जो आयात पर निर्भरता बढ़ाते हैं। गेहूँ और पाम ऑयल के लिए आयात लागत में वृद्धि का घरेलू खाद्य सुरक्षा पर प्रभाव पड़ता है। अपनी नींव को बनाए रखते हुए, भारत की विविध पाक संस्कृति को बदलना होगा। टिकाऊ खाद्य नीतियों, देशी फसलों के समर्थन और संतुलित आहार जागरूकता के कार्यान्वयन के माध्यम से आधुनिकीकरण द्वारा पारंपरिक खाद्य विविधता और सांस्कृतिक पहचान को कम करने के बजाय बढ़ाया जा सकता है। महत्त्वपूर्ण बात यह है कि कभी-कभार फास्ट फूड खाने से आपके सामान्य स्वास्थ्य पर कोई बड़ा प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है। दूसरी ओर, नियमित रूप से फास्ट फूड खाने से अंततः कई स्वास्थ्य समस्याएँ हो सकती हैं।

दृष्टि कोण

साफ होनी चाहिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर दिमागी गंदगी?

कुछ लोग ह्यूमर के नाम पर समाज में गंदगी फैला रहे हैं। ऐसा कंटेंट प्रसारित कर रहे हैं जो चिंता का विषय है। विवाद बढ़ने के बाद ये अश्लील इंफ्लूएंसर अपनी करतूत पर माफी मांग लेते हैं। लेकिन सवाल ये है कि क्या इनकी शर्मनाक हरकत पर इनका माफ़ी मांग लेना काफ़ी है या बड़ा एक्शन होना चाहिये? ऐसे लगों को कानूनी तौर पर तो सजा मिलनी ही चाहिए, लेकिन साथ ही में जनता उनके सभी चैनलों का बहिष्कार करेगी तो यह उनके लिए सबसे बड़ी सजा होगी। इन लोगों को सजा मिलनी आवश्यक है तभी बाकी इस प्रकार के मानसिक दिवालिया वाले लोग सुधार पाएंगे। ऐसे सारे कार्यक्रम, ओटीटी, टीवी, आदि पर भी हैं। सब बंद होना चाहिए। ऐसा बलग़र कंटेंट्स हमारे देश की संस्कृति को खत्म कर देगी।.यह निंदनीय है और सभ्य समाज के लिए गलत भी। ऐसे लोग हमारा सनातन धर्म और हिंद संस्कृति का बेड़ागर्क कर रहे है। इनको सजा होनी चाहिए ताकि आने वाले समय ऐसी नीच हरकत और सोच रखने वाले ऐसी हरकत करने से पहले 10 बार सोचना पड़े। इस सब प्रकार की घिनौनी मानसिकता को देखना और सुनना आज के समाज का भी कसूर है। इन जैसे लोगों का समाज से बहिष्कार करना चाहिए। गंदी भाषा वाले बहुत सारे नाटक और फ़िल्में दिखाई जाती हैं। उन्हें भी बंद कर देना चाहिए। ओटीटी पर तो बहुत ज्यादा अश्लीलता परोसी जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया की 'इंडियाज गॉट लैटेंट' पर 'आपत्तिजनक' टिप्पणियों की निंदा की। सर्वोच्च न्यायालय ने अल्लाहबादिया के शब्दों के पीछे छिपे गहरे मुद्दों को उजागर करते हुए इसे ₹उनके दिमाग की गंदगी₹ कहा। अल्लाहबादिया के शब्दों की निंदा करते हुए कहा कि उसकी भाषा से माता-पिता और बहनों को शर्म आएगी। सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, अल्लाहबादिया की टिप्पणियों की विकृत प्रकृति से ₹पूरा समाज शर्मिंदा महसूस करेगा₹। यह मामला डिजिटल युग में प्रभावशाली व्यक्तियों और सामग्री निर्माताओं की जिम्मेदारी के बारे में व्यापक चर्चा को जन्म देता है। वैसे भी सार्वजनिक हस्तियों को अपनी भाषा के प्रयोग के प्रति सचेत रहना चाहिए, क्योंकि इससे सामाजिक मूल्यों पर असर पड़ता है। समाज पर ऐसे युवा प्रतीकों के प्रभाव को कम आंकना मूर्खतापूर्ण होगा, विशेषकर युवा मस्तिष्कों और स्वस्थ समाज की बुनियादी संस्कृति पर। क्या यह काफी बड़ा नहीं है? यह पूछना कि शो का कोई प्रतियोगी किस चीज के लिए कितना शुल्क लेगा, क्या इससे युवाओं की एक पूरी पीढ़ी भ्रष्ट नहीं हो जाएगी? तर्कहीन ढंग से और समाज के प्रति किसी जिम्मेदारी के बिना कही गई बातें। क्या आपके बच्चे नहीं हैं और न ही आपको उनकी परवाह है। सच तो यह है कि 'मजाक' के माध्यम से ऐसी अश्लीलता को सामान्य बनाना उसी मानसिकता को बढ़ावा देता है जो वास्तविक अपराधों को बढ़ावा देती है। समाज रातों-रात नहीं बिखर जाता - इसकी शुरुआत असहनीय को सहन करने, घृणित को "सिर्फ हास्य" के रूप में नजरअंदाज करने और धीरे-धीरे नैतिक सीमाओं को खत्म करने से होती है। कानूनी कार्रवाई का मतलब सिर्फ व्यक्तियों को दंडित करना नहीं है। इसका उद्देश्य एक मिसाल कायम करना है कि कुछ चीजें स्वीकार्य नहीं हैं, चाहे लोग उन्हें कितना भी हास्यपूर्ण बताने की कोशिश करें। यदि वे सचमुच समाज को बेहतर बनाने के बारे में चिंतित हैं, तो उन्हें यह समझना चाहिए कि सांस्कृतिक पतन से लड़ना भी बड़े अपराधों से निपटने जितना ही महत्वपूर्ण है। यदि आप सोचते हैं कि हमें ऐसे घृणित 'मजाक' को नजरअंदाज कर देना चाहिए और केवल 'वास्तविक अपराधों' पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, तो आप यह समझने में विफल हैं कि समाज कैसे काम करता है। विकृत और अपमानजनक हास्य को सामान्य मानने से नैतिक सीमाएं कमजोर होती हैं और लोग अस्वीकार्य चीजों के प्रति असंवेदनशील हो जाते हैं। कॉमेडी में बिना किसी परिणाम के कुछ भी कहने की छूट नहीं है। खासकर तब जब यह बहुत ही विचलित करने वाले क्षेत्र में प्रवेश कर जाए। कानून गरिमा को बनाए रखने और बुनियादी शालीनता के क्षरण को रोकने के लिए मौजूद हैं। अगर आप 'यह सिर्फ़ एक मज़ाक है' के नाम पर इसका बचाव कर रहे हैं, तो शायद असली मुद्दा यह है कि आप इस तरह की सामग्री के प्रभाव के प्रति कितने सुन्न हो गए हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ़ कानूनी कार्रवाई करना बहुत ज़रूरी है। आपका यह तर्क कि हमें 'मजाक के बजाय वास्तविक अपराधों और समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए' मूर्खतापूर्ण और अपरिपक्व दोनों है। हास्य में शक्ति होती है और शक्ति के साथ जिम्मेदारी भी आती है।

कुछ अलग

महाकुंभ सम्पन्न

महाशिवरात्रि पर महावुंभ का अंतिम स्नान पर्व बुधवार को प्रातः हरहर महादेव के उद्घोष से शुरू हुआ और शाम चार बजे तक 1.32 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा और यमुना के संगम में श्रद्धा की डुबकी लगाकर अब तक स्नान करने वालों की संख्या 66 करोड़ पार कर गईं। महावुंभ में इतनी संख्या में कभी भी स्नान करने श्रद्धालु नहीं पहुंचे थे। बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महावुंभ 2025 का विधिवत समापन की घोषणा करेंगे। दरअसल महावुंभ में वुछ अप्रिय घटनाओं के कारण इसके महात्म्य को कम करके आंकना और बेतुकी टिप्पणी करने वालों को उम्मीद है कि उनके वुछ वोट बढ़ जाएंगे या उनके परम्परागत वोटर ज्यादा समर्पण भाव में आ जाएंगे। जिन्होंने महावुंभ को फालतू बताया, उन्हें बहुत राजनीतिक लाभ होगा, इसकी उम्मीद कम है। इसी तरह जिन्होंने महावुंभ को मृत्यु वुंभ बोला उन्हें भी वुछ ज्यादा परम्परागत वोटरों से लाभ मिलने वाला नहीं है। उन्हें भी अपने इस बयान से ज्यादा खुश होने की जरूरत नहीं है जिन्होंने भीड़ में मरने वालों की संख्या हजार बताकर गंगा का जल प्रदूषित बताया। उत्तर प्रदेश के एक विपक्षी नेता तो महावुंभ की सफलता को लेकर इतने बौखलाए हुए हैं कि रोज वुछ न वुछ आयं-बायं-सायं बकते रहते हैं। कभी जल की शुद्धता पर तो कभी सुरक्षा व्यवस्था पर। विरोधी नेता से उम्मीद की जानी चाहिए कि वह सलाह देंगे। कमियों पर शासन का ध्यान केन्द्रित करेंगे कितु जिस भाषा, भाव, शैली का इस्तेमाल सपा नेता अखिलेश यादव करते हैं उससे उनके विरोध का दुराशय ही परिलक्षित होता है। लेकिन सच यह है कि भगदड़ की जांच के दौरान एक पार्टी विशेष के वुछ विघ्न संतोषी तत्वों द्वारा षड्यंत्र करके भगदड़ मचाने की घटना इतनी वुशलता से की जा रही है कि अब जांच एजेंसियां तथ्यों को एकत्र करके कार्रवाई करने की तैयारी कर रही हैं। जानकारी मिली है कि शरारती तत्वों ने मात्र महावुंभ की वजह से सरकार की प्रशंसा से परेशान होकर जो वुछ भी खुराफात की उसमें भीड़-प्रबंधन और भीड़ के कारण मौत को लेकर प्रचार का जो हथवंडा अपनाया वह इंटरनेट मीडिया पर घटिया दुष्प्रचार था। ऐसी-ऐसी फोटो और वीडियो दिखाईं गईं जो बांग्लादेश की किसी अन्य कार्यव्रम की थी या तुकी, पाकिस्तान और मिस्र की थीं। यही नहीं जिन लोगों को भीड़ में मरा हुआ दिखाया व बताया गया वे सभी जीवित हैं। प्रयागराज पुलिस ने काफी परिश्रम के बाद ऐसे लोगों के बारे में डेटा एकत्र किया है और अब ये सभी जल्दी ही पकड़े जाएंगे। नईं दिल्ली रेलवे स्टेशन पर धक्का-मुक्की करने के उद्देश्य से वुछ ही देर में 1500 प्लेटफार्म के टिकट खरीदने वालों की भी पहचान की जा रही है। सच तो यह है कि महावुंभ के बाद सनातन के खिलाफ बेतुके बयानबाजों को तो सबक जरूर मिल गया होगा कि अब हिंदू खुद पर गर्व करने से संकोच नहीं करता। सनातनी धर्म की ध्वजा लहरा रही है तो इसका सबसे बड़ा कारण है कि वेंद्र और राज्य में ऐसे नेताओं की सरकारें हैं जो न तो खुद को हिंदू कहने में संकोच करते हैं और न ही हिंदू हितों के लिए पैसले लेने में हिचकते हैं। बहरहाल दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक मेला महावुंभ दशकों तक स्मरण किया जाएगा। भीड़ प्रबंधन के लिए अपनाए गए तौर-तरीकों और आपदा प्रबंधन के लिए प्रयागराज का यह मेला उपयुक्त केस स्टडी माना जाएगा। भगदड़ में मौत न हो यह सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। महावुंभ में इतनी तैयारियों के बावजूद भी यदि भगदड़ में 30 लोगों की मौत हुईं तो यह अत्यंत दुखद है कितु श्रद्धालुओं की संख्या देखते हुए महावुंभ 2024-25 की तारीफ की जानी चाहिए।

देश दुनिया से

तापमान में बढ़ोतरी का दिखने लगा है खेती किसानी पर नकारात्मक असर

तापमान में बढ़ोतरी का दिखने लगा है खेती किसानी पर नकारात्मक असर जलवायु परिवर्तन का असर खेती किसानी पर साफ दिखाईं देने लगा है। कहा जा रहा था कि 2024 की फरवरी सर्वाधिक गमा वाला माह रहा है पर 2025 में जनवरी में जिस तरह से तापमान में बढ़ोतरी देखी गईं है और फरवरी में ही देश के अधिकांश हिस्सों खासकर उत्तरी भारत में तापमान में लगातार तेजी देखी जा रही है वह चितनीय होती जा रही है। दिल्ली, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, गुजरात, राजस्थान सहित अनेक प्रदेशों में फरवरी में अधिकतम तापमान का आंकड़ा 30 डिग्री को छूने को बेताब हो रहा है। देश के कईं हिस्सों में दिन का तापमान 29 डिग्री को पार कर रहा है। यह कोईं हमारे देश के ही हालात नहीं है अपितु दुनिया के अधिकांश देशों में जलवायु परिवर्तन का असर साफ-साफ दिखाईं देने लगा है। बढ़ता तापमान बुरी तरह से प्रभावित कर रहा है। बढ़ते तापमान के कारण परिस्थिति तंत्र प्रभावित हो रहा है। बीमारियां तो पैल ही रही है संपूर्ण तंत्र पर ही नकारात्मक प्रभाव पड़ता जा रहा है। चितनीय यह है कि एक और हम निरंतर घटते भूजल स्तर से प्रभावित हो रहे हैं तो ग्लेसियरों के तेजी से पिघलने का असर दिखाईं दे रहा है। असमय अतिवृष्टि, अनावृष्टि, तूफान, जंगलों में आग आदि आदि सीधा असर दिखाईं दे रहा है। जहां तक खेती-किसानी का प्रश्न है मौसम के अप्रत्याशित बदलाव से फसल चा पर नकारात्मक असर दिखने लगा है। फसल वपन का एक सिस्टम होता है। बुआईं से लेकर फसल के पक कर तैयार होने का चव्र होता है। दर असल हो यह रहा है कि जिस समय फसल में फल पूल आने का समय होता है उस समय तापमान बढ़ने से फल पूल का विकास रुक जाता है और फसल पकने लगती है, इससे फसल में खराबे और उत्पादन में कमी होना स्वाभाविक हो जाता है। दिसंबर, जनवरी की सदा और फरवरी में औसत तापमान से फसलों का सही ढंग से विकास संभव हो पाता है। एक अन्य चितनीय कारण यह भी बनता जा रहा है कि मावठ के समय मावठ नहीं होती, स्रदियों की बरसात के समय बरसात नहीं होती और जिस समय तापमान में बढ़ोतरी होनी चाहिए उस समय आंधी, तूफान और बरसात आकर फसल को चौपट करने में कोईं कमी नहीं छोड़ती। इसका सीधा सीधा असर खादृान्न संकट के रुप में देखा जा सकता है। प्रायः देखा जाने लगा है कि जब फसल की कटाईं का समय होता है उस समय आंधी तूफान या ओला-बरसात होकर फस्ल को चौपट करने में कमी नहीं छोड़ती। इसी तरह से जनवरी-फरवरी में जब तापमान में गिरावट की आवश्यकता होती है उस समय तापमान में बढ़ोतरी चिता का विषय बनता जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना हैं कि यदि जलवायु परिवर्तन के हालात यही रहे तो वुछ खादृा वस्तुओं के भावों में कईं गुणा तक बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। आलू, टमाटर, दालों, तिलहनों और अनाज के भावों में बढ़ोतरी साफ तौर से देखी जा सकती है। वृषि और आर्थिक क्षेत्र के विशेशज्ञों को मानना है कि तापमान की असामयिक उतार- चढ़ाव के चलते वृषि पैदावार पर सीधा सीधा नकारात्मक असर पड़ रहा है। वृषि उत्पादन प्रभावित हो रहा है। वृषि उत्पादों की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। इससे साफ हो जाता है कि खादृा वस्तुओं के भाव बढ़ेंगे ही और उसका सीधा असर हमें महंगाईं के रुप में देखने को मिलेगा। मजे की बात यह है कि जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया के देशों में तेजी से बंजर होती भूमि को लेकर चिता तो जताईं जा रही है पर अभी तक इन हालातों से निपटने का ठोस आधार तैयार नहीं किया जा सका है। आज दुनिया के देश आसन्न खादृान्न संकट को लेकर चिंतित है। इसके लिए बड़े बड़े सम्मेलनों में चितन मनन हो रहा है। विश्व खादृा संगठन सहित दुनिया की संस्थाएं इससे आसन्न संकट को लेकर तो परेशान है ही उनकी चिता का कारण यह भी होता जा रहा है कि पोष्टिक भोजन नहीं मिलने से करोड़ों लोक वुपोषण के शिकार है। खादृान्नों का उत्पादन प्रभावित हो रहा है। दुनिया के देश खेती किसानी के महत्व को कोरोना काल में अच्छी तरह से समझ चुके हैं। कोरोना में मानवता को संबल देने में खेती किसानी ने प्रमुख भूमिका निभाईं और सबवुछ बंद होने पर खेती किसानी ही लोगों का पेट भरने में सहायक रही। जलवायु परिवर्तन का असर जब साफ-साफ सामने आने लगा है तो उस हालात में मौसम विज्ञानियों और वृषि विज्ञानियों के सामने बड़ी चुनौती आ गईं है। एक और जलवायु परिवर्तन को सर्वाधिक प्रभावित करने वाले कारकों का कोईं ना कोईं विकल्प खोजना ही होगा। होता यह है कि हम जिसे आज बेहतर विकल्प बताते है वुछ समय बाद ही उसमें भी खामियां नजर आने लगती है। जलवायु को नियंत्रित करने वाले जंगलों का स्थान वंव्रिट के जंगल लेते जा रहे हैं। इसमें कोईं दो राय नहीं कि इलेक्ट्रोनिक उत्पादों व नईं-नईं खोजों ने हमारा जीवन आसान बनाया है पर उसके साइड इपेक्ट तेजी से असर दिखाने लगे हैं। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग ने भूमि की उर्वरा शत्ति को प्रभावित किया है। अत्यधिक जल दोहन से भूजल का स्तर साल दर साल नीचे जाता जा रहा है। भू क्शरण होने लगा है। भूमि तेजी से बंजर होती जा रही है। खैर हालात हमारे सामने हैं। ऐसे वृषि विज्ञानियों को ऐसी किस्में विकसित करनी होगी जो बदलते मौसम के अनुवूल हो। शुष्क भूमि में खेती की किस्में खोजनी होगी। इसी तरह से कम जल में विकसित होने वाली फसलों की किस्मों पर ध्यान देना होगा। वंजरवेशन खेती को बढ़ावा देना होगा। परंपरागत खेती को चरणवद्ध तरीके से अपनाना होगा। प्रयास यह करना होगा कि जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहे मौसक चा के बदलाव के अनुवूल फसलों की किस्में तैयार हो। क्योंकि प्रवृति से छेड़छाड़ करने में हमने कोईं कमी नहीं छोड़ी और उसका खामियाजा हमें आज भुगतना पड़ रहा है। तेज सदा के समय गमा से दो चार होना पड़ रहा है। इस सबके साथ ही धरती के बढ़ते तापमान को नियंत्रित करने के उपायों पर ध्यान देना होगा। हालात गंभीर चितनीय होते जा रहे हैं और यही हालात रहे तो विशेषज्ञ कहने लगे हैं कि वृषि उत्पादन में कमी का असर सारी दुनिया को भुगतना होगा। हालात और भी गंभीर हो उससे पहले ही ठोस प्रयास करने होंगे। बदलते हालातों में खेती किसानी के लिए गंभीर प्रयास करने होंगे नहीं तो महंगाईं तो एक और है ही दुनिया के कईं देशों में भूखमरी के गंभीर हालात होने से कोईं नहीं रोक सकेगा।

आप का नजरिया

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार

बांग्लादेश की स्थिति किसी से छिपी हुई नहीं है। पहले तथाकथित छात्र आंदोलन की आड़ में कट्टरपंथी धड़ों ने बांग्लादेश में रह रहे हिन्दुओं सहित अन्य अल्पसंख्यकों को निशाना बनाकर उनकी हत्याएं और लूटपाट की की। उसके बाद जब नोबेल पुरस्कार से सम्मानित और तथाकथित तौर पर प्रगतिशील एवं उदारवादी समझने जानेवाले मोहम्मद यूनुस के हाथ में सत्ता सौंप दी गई, उसके बाद भी हिन्दुओं और अल्पसंख्यकों को लक्षित करके निशाना बनाया गया। मोहम्मद यूनुस कट्टरपंथी ताकतों पर किसी प्रकार की लगाम नहीं लगा सके अपितु उसके हाथ की कठपुतली बन गए हैं। बांग्लादेश में हिन्दुओं के साथ किस प्रकार का व्यवहार किया जा रहा है, उसके सजीव चित्र निरंतर सामने आते ही रहते हैं, फिलहाल एक रिपोर्ट ने बांग्लादेश की यथास्थिति को सबके सामने पुनः ला दिया है। एक बार फिर बांग्लादेश में इस्लामिक कट्टरता एवं हिंसा की चर्चा प्रारंभ हुई है। बांग्लादेश हिंदू बुद्धिस्ट क्रिश्चियन यूनिटी काउंसिल की रिपोर्ट के मुताबिक, यहां सांप्रदायिक हिंसा में 32 हिंदुओं की जान चली गई। बलात्कार और महिलाओं से उत्पीड़न के 13 प्रकरण सामने आए। लगभग 133 मंदिर हमलों का शिकार हुए। ये घटनाएं 4 अगस्त 2024 से 31 दिसंबर 2024 के बीच हुईं। जब से बांग्लादेश में कट्टरपंथी खुलेआम हिंसा पर उतरे हैं, तब से आंकड़े देखे जाएं तो स्थिति और भयावह दिखायी देती है। यद्धपि यह आंकड़े इसलिए भी गंभीर हैं क्योंकि यह जो लक्षित हिंसा हुई है, वह मोहम्मद यूनुस की सरकार में हुई है। यह रिपोर्ट दो हिस्सों में बनायी गई है। काउंसिल के महासचिव मुनींद्र कुमार नाथ बताते हैं कि "बांग्लादेश में तख्तापलट के दौरान 4 अगस्त से 8 अगस्त के बीच अल्पसंख्यकों पर जबरदस्त हमले हुए। हमने इनका डेटा दो हिस्सों में तैयार किया है"। रिपोर्ट में दिए आंकड़ों का विश्लेषण करें तो ध्यान आएगा कि पहले हिस्से में 4 अगस्त से लेकर 20 अगस्त 2024 के बीच 15 दिनों की घटनाएं हैं, जब बांग्लादेश में हिंसा चरम पर थी। देश में पुलिस व्यवस्था काम नहीं कर रही थी। वहीं, रिपोर्ट के दूसरे हिस्से में 20 अगस्त से 31 दिसंबर 2024 के बीच की घटनाएं हैं। ये तख्तापलट के बाद उस वक्त की है, जब नई अंतरिम सरकार सत्ता संभाल चुकी थी। यानी की मनमाफिक सत्ता मिलने के बाद भी उपद्रवियों का वास्तविक उद्देश्य पूरा नहीं हुआ। उददृवियों के निशाने पर तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी सरकार के अलावा गैर-इस्लामिक समुदाय भी थे। इसलिए सत्ता प्राप्ति के बाद इस्लामिक कट्टरपंथी धड़ों ने हिन्दुओं पर अपने हमले और तीव्र कर दिए। याद रखें कि रिपोर्ट में वही आंकड़े शामिल किए गए हैं, जिन्हें सरकार ने स्वीकार कर लिया और जिन्हें पुलिस ने अपने रिकॉर्ड में दर्ज किया है। इसलिए यह आंकड़े अंतिम नहीं है। भारत सरकार और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन सहित अन्य अंतरराष्ट्रीय समूहों को बांग्लादेश में हिन्दुओं के अत्याचारों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। बांग्लादेश में अराजक तत्वों पर लगाम लगे इसके लिए वहाँ की सरकार पर अंतरराष्ट्रीय स्तर से दबाव बनाया जाना चाहिए।

बांग्लादेश के सेना प्रमुख की यूनुस सरकार को दो-टूक
देश खतरे में, अराजकता हमारी अपनी ही बनाई हुई

वाशिंगटन, 27 फरवरी (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वाकर-उज-जमान ने देश में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक उथल-पुथल के कारण हालात और खराब होते जा रहे हैं। एक सैन्य कार्यक्रम में जनरल जमान ने कहा कि जो अराजकता हमने देखी है, वह हमारी खुद की बनाई हुई है। उन्होंने पुलिस बल की अक्षमता पर भी सवाल उठाए और बताया कि कई अधिकारी डर में जी रहे हैं, क्योंकि उनके साथी या तो जेल में हैं या उन पर मुकदमे चल रहे हैं।

सेना प्रमुख ने कहा कि देश में राष्ट्रीय एकता और अनुशासन की सख्त जरूरत है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर समाज में झगड़े और खून-खराबा जारी रहा तो देश की स्वतंत्रता और अखंडता खतरे में पड़ सकती है।

उन्होंने कहा किअगर आप आपसी मतभेद भुलाकर एक नहीं हुए और एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाते रहे, तो देश का अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा। ऑपरेशन डेविल हंट में 8,600 गिरफ्तार बीते कुछ महीनों में बांग्लादेश में हिंसा, तोड़फ़ोड़ और दंगे बढ़ गए हैं। फरवरी में हालात इतने खराब हो गए थे कि सुरक्षा बलों को ऑपरेशन डेविल हंट नाम से एक बड़ा अभियान चलाना पड़ा। इसमें 8,600 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया। अंतरिम सरकार का कहना है कि ये लोग देश को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे थे।

सेना को मिले विशेष अधिकार पिछले अगस्त में छात्र आंदोलन के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता छोड़नी पड़ी थी, जिसके बाद सेना को पुलिस जैसी गिरफ्तारी और न्यायिक शक्तियां मिल गई थीं। इस दौरान सेना पर गायब करने, हत्या और यातना के आरोप भी लगे।

जनरल जमान ने कहा कि इन आरोपों की जांच जरूरी है और दोषियों को सजा मिलनी चाहिए, नहीं तो हम फिर से उसी चक्र में फंस जाएंगे। सेना प्रमुख ने लोगों से नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने बताया कि आगामी चुनाव 2025 के अंत या 2026 की शुरुआत में कराए जाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल में 6.1 तीव्रता का भूकंप, कोई मानवीय क्षति नहीं

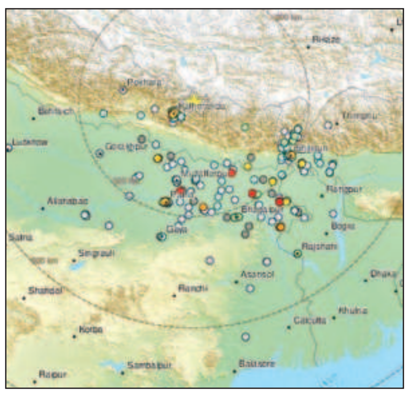

काठमांडू। नेपाल में सिंधुपालचोक जिले में आए भूकंप के तेज झटके काठमांडू और पूर्वी नेपाल तक महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.1 मैग्नीच्यूट दर्ज की गई। अब तक किसी भी प्रकार की मानवीय क्षति की कोई सूचना नहीं है। नेपाल के राष्ट्रीय भूकंप निगरानी और अनुसंधान केंद्र के प्रभारी मुकुंद भट्टराई ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी और अनुसंधान केंद्र के प्रभारी मुकुंद भट्टराई के अनुसार, भूकंप का केंद्र सिंधुपालचोक जिले का भैरवकुंड था। इसका असर राजधानी काठमांडू सहित पूर्वी और मध्य नेपाल तक रहा। सिंधुपालचोक के जिलाधिकारी किरण थापा ने टेलीफोन से संपर्क करने पर बताया कि भूकंप के कारण किसी भी प्रकार के मानवीय क्षति की अब तक कोई सूचना नहीं मिली है। कुछ भौतिक क्षति हुई है लेकिन वह बहुत ही सामान्य है। इस बीच सिंधुपालचोक पुलिस के हवाले से खबर आ रही है कि जिला जेल में बंद कैदी 33 वर्षीय स्याङबो तामांग भूकंप का फायदा उठाकर दूसरी मंजिल से छलांग लगाकर भागने की कोशिश में घायल हो गया। इसी जिले के गोदारी पुलिस चौकी की दीवारों में दरार पड़ गई। जिले के भोटेकोशी में लैंड स्लाइड होने की सूचना मिली है। मानव बस्ती से दूर हुए इस भू-स्खलन से कोई नुकसान नहीं हुआ है। जिलाधिकारी थापा ने कहा कि पूरे जिले में पुलिस को अलर्ट किया गया गया है। जिला प्रशासन किसी भी परिस्थिति से निबटने के लिए तैयार है। इसी बीच भूकंप के बाद आफ्टरशॉक आने की भी सूचना है। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी और अनुसंधान केंद्र के अनुसार, 2:51 बजे आए भूकंप के बाद सुबह आठ बजे तक 23 बार आफ्टरशॉक हुआ है।

भयानक हादसे में बर्थडे गर्ल का चेहरा बुरी तरह झुलसा

हनोई। बर्थडे पार्टी के दौरान गुब्बारों में जोरदार धमाका होने से वियतनाम के हनोई में बर्थडे गर्ल का चेहरा बुरी तरह झुलस गया।

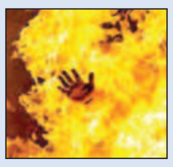

डॉक्टरों का कहना है कि उसे ठीक होने में महीनों लग सकते हैं। वायरल हो रहे इस घटना के वीडियो में आप देखेंगे कि रेस्टोरेंट में बर्थडे गर्ल जैसे की मोमबत्ती पर फूंक मारती है, वैसे ही जबरदस्त धमाका होता है और वहां चीख-पुकार मच जाती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, वियतनाम की गियांग फाम 14 फरवरी को अपना 33वां बर्थडे मना रही थीं। उन्हें जरा भी अंदाजा नहीं था कि अगले ही पल उनके साथ बहुत बुरा होने वाला है। वीडियो में देखा जा सकता है कि उन्होंने अपने हाथ में हाइड्रोजन से भरा गुब्बारा लिया हुआ था, जो जलती हुी मोमबत्ती के संपर्क में आते ही फट गया। इस हादसे के बाद फाम ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पट्टी लगे चेहरे की कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें उनके हाथ पर फर्स्ट डिग्री बर्न और चेहरे पर सेकंड डिग्री बर्न दिखाई दे रही थी। हालांकि, दर्द के बावजूद उन्होंने अपने फॉलोअर्स को बताया कि भगवान की कृपा से उनकी आंखें बच गईं। लेकिन पूरी तरह से ठीक होने में उन्हें कई महीने लग जाएंगे। उन्होंने बताया कि बर्थडे पार्टी में जिन गुब्बारों का इस्तेमाल किया गया था, उनमें बेहद ज्वलनशील हाइड्रोजन गैस भरी हुई थी। रिपोर्ट के अनुसार, घटना वैलेंटाइन डे के दिन हुई इसलिए गुब्बारे बेचने वाला फाम को चेतावनी देना भूल गया कि ऐसे गुब्बारे ज्वलनशील होते हैं। वहीं, फाम का कहना है कि उन्होंने गुब्बरों के इस तरह से फटने के बारे में ज्यादा कुछ नहीं सुना था, इसलिए गुब्बारे को पकड़कर जलती मोमबत्ती के पास रखकर डांस करने लगीं। उन्होंने बताया कि जब गुब्बारा फटा तो उसमें से आग की भयंकर लपटें उठीं और देखते ही देखते रेस्टोरेंट की दीवारों पर चिपकाए गए अन्य गुब्बारे भी फटने लगे।

अजीत डोभाल के खिलाफ समन जारी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश का मामला

वाशिंगट। सिख कार्यकर्ता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कथित साजिश से जुड़े मामले में एक नया खुलासा हुआ है।

अमेरिकी संघीय अदालत में दायर दस्तावेजों के अनुसार, पन्नू ने अपनी याचिका की प्रति भारत के शीर्ष खुफिया अधिकारी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को सौंप दी है। पन्नू की याचिका में आरोप लगाया गया है कि भारत सरकार, अजीत डोभाल और रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (आरएडब्ल्यू) के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने निखिल गुप्ता को पन्नू की हत्या के लिए हायर किया था। यह साजिश उस वक्त विफल हो गई जब गुप्ता द्वारा हायर किया गया शूटर असल में एक अंडरकवर अमेरिकी एजेंट निकला।

ट्रंप और नेतन्याहू की बीच पार्टी पर भड़के लोग

गाजा, 28 फरवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद से डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा को लेकर एक रोडमैप तैयार किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने रोडमैप के जरिए गाजा को अपने अधिकार क्षेत्र में लेकर उसे एक टूरिस्ट प्लेस के तौर पर तैयार करने की बात कही है।

इस बीच उन्होंने एआई जेनरेटेड एक वीडियो शेयर किया है, जिस पर लोग भड़क गए हैं ट्रंप के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टूथ सोशल पर शेयर किए गए इस एआई वीडियो की शुरुआत में गाजा को बेहद दयनीय हालत में दिखाया गया है, जहां लोग भूख से तड़प रहे हैं। इसके बाद वीडियो में सवाल उठाया गया है कि आगे क्या होगा इसके बाद हम देखते हैं कि गाजा को एक टूरिस्ट प्लेस के तौर पर दिखाया गया है। इस एआई जेनरेटेड वीडियो में गाजा को बीच रिसॉर्ट के तौर पर दिखाया गया है जहां उन्हें और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को बीच पर सॉफ्ट ड्रिंक पीते और एलॉन मस्क को हम्मस खाते दिखाया गया है। वीडियो में देखा जाता है कि गाजा पब, क्लब और रिसॉर्ट से पटा पड़ा है। जहां लोग जमकर पार्टी कर रहे हैं। वीडियो में एक होटल भी दिखाया गया है जिसका नाम है-ट्रंप गाजा। गाजा के बीचोबीच ट्रंप की गोल्ड से बनी हुई विशालकाय प्रतिमा भी है। एलॉन मस्क को वीडियो में पैसे लूटाते दिखाया गया है। ट्रंप की ओर से शेयर किए गए इस एआई वीडियो पर लोग भड़क गए हैं और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जमकर अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं।

एक यूजर ने ट्वीट कर कहा कि गाजा फिलिस्तीन का है, यहां ट्रंप की अजीबोगरीब फैंटसी की कोई जगह नहीं है। एक अन्य शख्स ने कहा कि ट्रंप हर पल और गिरते जा रहे हैं। यह बेहद भद्दा और अनैतिक है। मेगन हंट नाम की एक महिला ने ट्रंप पर भड़कते हुए कहा कि ट्रंप गाजा को लाखों लोगों के घर के तौर पर नहीं देखते बल्कि वह इसे अपने प्रोजेक्ट के लिए जमीन के खाली टुकड़े की तरह देखते हैं। ट्रंप के लिए फिलीस्तीनियों की जिंदगी का कोई मोल नहीं है।

बता दें कि गाजा को लेकर ट्रंप ने 5 प्वॉइन्ट प्लान तैयार किया है। उन्होंने कहा था कि फिलिस्तीनियों को गाजा पट्टी खाली करनी होगी। उन्हें मिस्र, जॉर्डन और अन्य देशों में स्थाई तौर पर बस जाना चाहिए। अब गाजा रहने लायक नहीं रहा। मैंने सुना है कि गाजा उनके लिए बदकिस्मत है। वे वहां नरक की तरह रहते हैं। वे नरक में रह रहे हैं। गाजा के भविष्य में फिलिस्तीनी नहीं हैं।

227 साल पुराना कानून लाकर सभी गैर-अमेरिकियों को बाहर कर देना चाहते हैं ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अवैध प्रवासियों को देश से बाहर करने में लगे हुए हैं। उनके सत्ता में आने के बाद से कई जहाजों में भरकर भारत, ब्राजील, अल सल्वाडोर, मैक्सिकों सहित कई देशों के हजारों लोगों को वापस भेजा जा चुका है। इतना ही नहीं अब वह 227 साल पुराना एक ऐसा कानून लाने की तैयारी में हैं, इससे हर गैर-अमेरिकी के बाहर होने का खतरा होगा। ट्रंप के फैसले को अदालत में चुनौती देने की भी बात चल रही है, लेकिन वह कानून लागू कर पाए तब अमेरिका सहित दुनिया भर में बड़ी हलचल मचेगी। क्या हैं ये कानून एलियन एनिमीज एक्ट 1798 है। यह कानून राष्ट्रपति को वॉरटाइम शक्तियां देता है। वे राष्ट्रहित के नाम पर किसी भी गैर-अमेरिकी मूल के नागरिक को देश से बाहर कर सकते हैं। यह कानून वॉरटाइम के लिए था और सामान्य परिस्थितियों में ट्रंप इस कानून को लागू करना चाहते हैं। इस लेकर विवाद है और कानूनी चुनौती देने की तैयारी की जा रही है। फिर भी ट्रंप जिस तरह से अपने इरादों पर काम करते रहे हैं, इस लेकर लोगों में डर पैदा होना भी लाजिमी है। यह कानून कहता है, जब भी अमेरिका और अन्य किसी देश के बीच युद्ध होगा तब राष्ट्रपति के पास शक्ति होगी कि वह गैर-अमेरिकी मूल के लोगों को लेकर फैसला ले सकें। खासतौर पर 14 साल या उससे अधिक उम्र के लोगों को लेकर वह फैसला ले सकते हैं और उन्हें देश से बाहर भी किया जा सकता है। उन्हें एलियन एनिमी घोषित किया जा सकता है। ट्रंप प्रशासन की तरफ से 18वीं सदी के कानून को लागू किया जा सकता है। इस कानून के जरिए राष्ट्रपति के पास यह सुविधा रहेगी कि वह अवैध प्रवासियों को तत्काल प्रभाव से बाहर कर सकते हैं। इस कानून के बारे में अमेरिका में चर्चा जोरों पर है। फिलहाल ट्रंप प्रशासन इस बात पर मंथन कर रहा है कि कानून को कैसे लागू किया जाए। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि ट्रेन डे अरागुआ गैंग को आतंकी संगठन घोषित किया जाएगा।

एशियाई या अफ्रीकी नेता संभाल सकता है वेटिकन की बागडोर

वाशिंगटन, 28 फरवरी (एजेंसियां)।

पोप फ्रांसिस की बिगड़ती सेहत के बीच नए पोप को लेकर चर्चा तेज हो गई है। इसी बीच यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या इस बार कोई एशियाई या अफ्रीकी नेता वेटिकन की बागडोर संभाल सकता है वर्तमान पोप पहले साउथ अमेरिकन पोप होने के साथ ही जेसुइट समुदाय से जुड़े पहले वेटिकन लीडर हैं।

अर्जेंटीना में जन्मे पोप को काफी उदारवादी माना जाता है। उन्होंने समलैंगिक समुदाय के समर्थन में बयान दिए और चर्च में हो रहे बाल यौन शोषण के खिलाफ लगातार आवाज उठाई। पोप की मृत्यु के बाद चर्च के नियमों के अनुसार, कैमरलेंगो नामक अधिकारी सबसे पहले उनकी मृत्यु की पुष्टि करता है। इसके बाद, पोप का अपार्टमेंट सील कर दिया जाता है और कार्डिनल्स की एक बैठक बुलाई जाती है। 80 वर्ष से कम उम्र के सभी कार्डिनल्स इस बैठक में शामिल होते हैं और दो-तिहाई बहुमत से नए पोप का चुनाव किया जाता है। चुनाव के दौरान सिस्टीन चैपल से काला धुआं उठता है और जैसे ही नया पोप चुना जाता है, सफेद धुआं निकलता है। क्या इस बार कोई गैर-यूरोपीय पोप बन सकता है इस बार 138 कार्डिनल्स चुनाव में भाग लेंगे, जिनमें से 4 भारतीय हैं। एशिया और अफ्रीका में कैथोलिक आबादी बढ़ रही है, जबकि यूरोप और अमेरिका में यह घट रही है। हालांकि, अभी तक यूरोप से सबसे ज्यादा कार्डिनल्स होने के कारण वहां के उम्मीदवारों की संभावना अधिक रहती है। एशिया और अफ्रीका में कार्डिनल्स की संख्या अब भी यूरोप की तुलना में कम है। यह चुनाव पोप की नियुक्ति के आधार पर होता है, जिसमें मौजूदा पोप की भूमिका अहम होती है।

वर्तमान पोप ने यूरोप के बाहर कार्डिनल्स की संख्या बढ़ाई, लेकिन यूरोप का दबदबा अब भी कायम है। वेटिकन और चीन के बीच राजनीतिक मतभेदों के कारण चीन के गुप्त चर्चों को ही आधिकारिक मान्यता मिलती है, जिससे एशियाई कैथोलिक समुदाय की गणना सीमित रह जाती है।पोप का प्रभाव सिर्फ धार्मिक ही नहीं, बल्कि राजनीतिक भी होता है। कई वैश्विक नेता पोप से सलाह लेते हैं और वेटिकन कई अंतरराष्ट्रीय मामलों में मध्यस्थता करता है। यही कारण है कि शक्तिशाली राष्ट्र अपने क्षेत्र से पोप चुनवाने की कोशिश करते हैं।

हमास ने 4 इजराइली बंधकों के शव लौटाए

गाजा के उग्रवादी संगठन हमास ने गुरुवार सुबह 4 इजराइली बंधकों के शव लौटा दिए हैं। उसने ये शव को रेड क्रॉस को सौंप दिए। इसके बदले में इजराइल 600 से ज्यादा फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा कर रहा है, इनमें से 97 रिहा किए जा चुके हैं। हमास जिन बंधकों के शव लौटाए हैं, उनके नाम त्साची इदान (49), श्लोमो मंत्जुर (85), इत्जाक एल्गारात (68), और ओहद याहलोमी (49) हैं। इजराइल-हमास के बीच 19 जनवरी से लागू हुए सीजफायर के पहले फेज में बंधकों की आखिरी रिहाई थी। सीजफायर का पहला फेज 1 मार्च को खत्म हो रहा है। पहले फेज में हमास ने 33 बंधक छोड़े हैं, इनमें 8 शव शामिल हैं। वहीं इजराइल 2 हजार से फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा कर रहा है। इजराइल और हमास के बीच सीजफायर के दूसरे फेज पर अभी तक बातचीत शुरू नहीं की है।

जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने फ्रांस के न्यूवेचैपल में भारतीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की

न्यूवेचैपल (फ्रांस)

भारत के थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने अपनी फ्रांस यात्रा के आखिरी चरण में प्रथम विश्व युद्ध के दौरान बहादुरी से लड़ने वाले भारतीय सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान का सम्मान करते हुए यहां स्थापित भारतीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। भारतीय सेना ने एक्स हैंडल पर सचित्र जानकारी साझा की है।

भारतीय सेना ने एक्स हैंडल पर लिखा, इन भारतीय सैनिकों के साहस, समर्पण और विरासत की वीरगाथा इतिहास में हमेशा के लिए अंकित है। यह वीरगाथा आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती है। न्यूवे-चैपल मेमोरियल वैश्विक शांति के लिए भारत की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का शक्तिशाली प्रतीक है।

बांग्लादेश में दो माह तक हिलसा मछली के पकड़ने पर प्रतिबंध

ढाका, 28 फरवरी (एजेंसियां)।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने हिलसा (इलिश) मछली के पकड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया है। हिलसा बांग्लादेश की राष्ट्रीय मछली है और भारत के पश्चिम बंगाल में इसका खास महत्व है। सरकार ने चांदपुर में पद्मा-मेघना नदियों में इसके पकड़ने पर दो महीने के प्रतिबंध की घोषणा की है। यह प्रतिबंध शनिवार आधी रात से 30 अप्रैल तक प्रभावी रहेगा। प्रतिबंधित क्षेत्र में मतलाब उत्तर में शटनाल से हैमचार उपजिला में चार भैरवी तक 70 किलोमीटर का अभयारण्य क्षेत्र शामिल है।

इससे चांदपुर जिले के लगभग 44,000 पंजीकृत मछुआरे प्रभावित होंगे। यह लोग प्रतिबंधित क्षेत्र में हिलसा ही नहीं अन्य प्रजाति की मछली भी नहीं पकड़ पाएंगे। अंतरिम सरकार को उम्मीद है कि इससे इलिश फ्राई (जटका) के संरक्षण में मदद मिलेगी और उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। जिला मत्स्य अधिकारी एमडी गोलाम मेहदी हसन ने कहा कि चांदपुर और हैमचर में स्थानीय टास्क फोर्स प्रतिबंधित क्षेत्र में निगरानी करेंगे। सरकार ने मछुआरों के लिए खाद्य सहायता के रूप में चावल आवंटित किया है। प्रत्येक मछुआरे को चार महीने के लिए 40 किलोग्राम चावल मिलेगा।

अखबार की खबर के अनुसार, जिले केआनंद बाजार, लालपुर, सोफ्रामाली, कनुडी, बिष्णुपुर, तिलाबाड़ी जैसे क्षेत्रों में तमाम मछुआरों ने अपनी नावें नदी के तटों पर लगा दी हैं। सभी ने जाल समेट लिए हैं। चांदपुर मत्स्य अनुसंधान केंद्र के पूर्व वैज्ञानिक और आयरिश शोधकर्ता डॉ. अनीसुर रहमान ने कहा कि प्रदूषण और अत्यधिक रेत निकासी के कारण मेघना-पद्मा नदियों में मछली की आबादी कम हो रही है। उन्होंने सरकार के इस कदम की प्रशंसा की है।

पश्चिम बंगाल की संस्कृति में हिलसा मछली का अपना ही महत्व है। यहां इसके बिना शादी जैसे शुभ काम नहीं होते। दुर्गा पूजा में हिलसा मछली का महत्व और ज्यादा बढ़ जाता है। यही नहीं हिलसा के बिना बंगाल में किसी शुभ कार्य की कल्पना नहीं की जा सकती। हिलसा को माछेर राजा यानी मछलियों का राजा कहा जाता है। यह मछली नदियों और खाड़ी के मीठे पानी में रहती है। इसलिए इस मछली में समुद्र और नदी दोनों के पानी का खास स्वाद होता है। बांग्लादेश दुनिया का लगभग 70 प्रतिशत हिलसा पैदा करता है। हिसला बांग्लादेश की राष्ट्रीय मछली भी है। इसकी सबसे प्रसिद्ध प्रजाति पद्मा इलिश (तेनुलोसा इलिशा) है। हिलसा बांग्लादेश में बंगाल की खाड़ी से लेकर नदियों तक व्यापक रूप से पाई जाती है। एक किलोग्राम हिलसा 2000 रुपये या इससे अधिक कीमत तक बिकती है।

डब्ल्यूटीटी ने किए नियमों में बदलाव, ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं को मिलेगा गोल्ड कार्ड

बीजिंग, 28 फरवरी (एजेंसियां)।

वर्ल्ड टेबल टेनिस (डब्ल्यूटीटी) ने शुक्रवार को अपनी हैंडबुक में बड़े बदलाव किए, जिसके तहत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं को विशेष ओलंपिक चैंपियंस गोल्ड कार्ड प्रदान किया जाएगा।

इस कार्ड के जरिए वे सीधे डब्ल्यूटीटी ग्रैंड स्मैश और डब्ल्यूटीटी चैंपियंस में प्रवेश पा सकेंगे।

नए नियमों के तहत:

प्रति लिंग अधिकतम पांच ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं को आमंत्रित किया जाएगा, जिसमें टीम स्पर्धा के तीन, एकल के लिए एक और मिश्रित युगल के लिए एक खिलाड़ी शामिल होगा।

64-खिलाड़ी वाले डब्ल्यूटीटी ग्रैंड स्मैश में तीन गोल्ड कार्ड दिए जाएंगे, जिससे शीर्ष 50 खिलाड़ियों के लिए स्वचालित प्रविष्टि अब शीर्ष 47 से 50 के बीच होगी।

32-खिलाड़ी वाले डब्ल्यूटीटी चैंपियंस के लिए शीर्ष 27 से 30 खिलाड़ियों को अब विश्व रैंकिंग के आधार पर सीधा प्रवेश मिलेगा।

कोई ओलंपिक चैंपियन वर्तमान में विश्व रैंकिंग में शामिल नहीं

ग्रैंड स्मैश एकल मुख्य ड्रॉ और क्वालीफाइंग के लिए प्रवेश की समय सीमा आयोजन से पांच से छह सप्ताह पहले होगी। अगर कोई ओलंपिक चैंपियन वर्तमान में विश्व रैंकिंग में शामिल नहीं है, तो उन्हें उनकी अंतिम सक्रिय रैंकिंग के आधार पर वरीयता दी जाएगी। इसके अलावा, डब्ल्यूटीटी ग्रैंड स्मैश, डब्ल्यूटीटी फाइनल, डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर और डब्ल्यूटीटी कंटेंडर प्रतियोगिताओं की न्यूनतम पुरस्कार राशि भी बढ़ाई जाएगी। ये सभी बदलाव 1 अप्रैल से प्रभावी होंगे, और डब्ल्यूटीटी चैंपियंस इंचियोन (1-6 अप्रैल) इस नए नियम को लागू करने वाला पहला टूर्नामेंट होगा।

न्यूज ब्रीफ

जोशुआ चेप्टेगी टोक्यो मैराथन में लेंगे हिस्सा, मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद

कंपाला। युगांडा के ओलंपिक चैंपियन जोशुआ चेप्टेगी 2 मार्च को टोक्यो मैराथन में अपनी चुनौती पेश करेंगे। 5,000 मीटर और 10,000 मीटर में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीत चुके चेप्टेगी इस मैराथन में अच्छे प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगे।चेप्टेगी ने सिन्हुआ से बातचीत में कहा, मैंने पिछले साल वेलेंसिया मैराथन में पदार्पण किया था और 37वें स्थान पर रहा था। अब मैं बेहतर स्थिति में हूं और अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करता हूं। उन्होंने बताया कि वह पिछले कुछ महीनों से गहन प्रशिक्षण में जुटे हुए हैं। चेप्टेगी के साथ युगांडा के स्टीफन किस्सा भी टोक्यो मैराथन में उतरेंगे। किस्सा ने 2022 हैम्बर्ग मैराथन में 2ः04ः48 का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। उन्होंने कहा, मैं शारीरिक और मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार हूं और इस प्रतियोगिता को लेकर उत्साहित हूं। हालांकि, युगांडा की इस जोड़ी को कड़ी चुनौती मिलने की संभावना है। गत चैंपियन केन्या के बेन्सन किप्रुटो और इथियोपिया के डेरेसा गेलेटा भी खिताब के दावेदारों में शामिल हैं। गौरतलब है कि टोक्यो मैराथन 2025 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए चयन परीक्षण के रूप में भी कार्य करेगा, जिससे इस प्रतिस्पर्धा का महत्व और बढ़ गया है।

रिजवान बोले, फखर और अयूब के नहीं होने से हारे

रावलपिंडी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में टीम के खराब प्रदर्शन की बात स्वीकार करते हुए कहा कि दो प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण टीम को हार का सामना करना पड़ा है। पाक टीम टूर्नामेंट में अपने दोनो मैच हारकर शुरुआत में ही सेमीफाइल की दौड़ से बाहर हो गयी जिससे कारण टीम की जमकर आलोचना हो रही है। इसी को लेकर अब रिजवान ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि सैम अयूब और फखर जमान जैसे स्टार खिलाड़ियों के नहीं होने से टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी। अयूब और फखर चोटिल होने के कारण पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो गये थे। अयूब टखने में चोट की वजह से बाहर हो गए थे। वहीं फखर न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मुकाबले में चोटिल हुए थे। पाकिस्तान को चैंपियंस ट्रॉफी में लीग के पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड से और दूसरे मैच में भारत से हार का सामना करना पड़ा जबकि उसका बांग्लादेश के खिलाफ तीसरा लीग मुकाबल बारिश के हो रद्द हो गया। रिजवान ने कहा कि हम अपने खराब प्रदर्शन से दुखी हैं क्योंकि हमने अपने प्रशंसकों की उम्मीदें तोड़ी हैं। हम मानते हैं कि हमने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया पर वादा करते हैं कि हम और कड़ी मेहनत कर विश्वस्तर पर वापसी करेंगे। उन्होंने कहा अयूब और फखर के नहीं होने से टीम का संतुलन खराब हो गया। दोनों खिलाड़ी पिछले कुछ महीनों से अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे जिससे टीम संतुलित थी पर इनके बाहर होने से हालात विपरीत हो गये।

रोहित अब परिपक्तव कप्तान बन गए हैं : धवन

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने टीम के कप्तान रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। धवन ने कहा कि रोहित अब एक परिपक्तव कप्तान बन गए हैं। रोहित के सलामी जोड़ीदार रहे धवन ने कहा है कि रोहित को पता है कि दबाव का कैसे सामना करना है। उन्हें पता है कि किसी प्रकार से दबाव बीच आक्रामक और रक्षात्मक रुख के बीच संतुलन बनाना है। रोहित के सलामी जोड़ीदार रहे धवन ने कहा कि वह पिछले एक दशक से अधिक समय में हर प्रकार के दौर से गुजरा है। वह जानता है कि दबाव की स्थिति में कैसे काम करना है है। एक नेता के रूप में वह परिपक्क हो गया है। वह जानता है कि कब उदार होना है और कब पीछे हटना है। यह एक अच्छा संतुलन है और लड़कों के साथ रोहित का रिश्ता काफी अच्छा है। धवन ने उस समय को याद किया जब उन्होंने 2013 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में पहली बार रोहित के साथ पारी की शुरुआत की थी और खुलासा किया कि रोहित को सलामी बल्लेबाज के रूप में बढ़ावा देने का विचार उस समय कप्तान रहे महेन्द्र सिंह धोनी का था। सलामी जोड़ी का फैसला उस मैच से आधे दिन पहले किया गया था। उस समय मैं भी नया था। मैं वापसी कर चुका था और मुझे अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत थी। लेकिन धोनी ने यह फैसला लिया और रोहित को पारी शुरु करने को कहा। इसलिए मैंने इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचा।

अ.भा. गोल्ड कप फुटबाल स्पर्धा : राजमोहल्ला के अनिकेत के नाम पहली हैट्रिक , स्पोर्टिंग युनियन उलटफेर का शिकार

इन्दौर स्पोर्ट्स व यंग आदिवासी ने रोमांचक जीत दर्ज की

इन्दौर, 27 फरवरी (एजेंसियां)।

सेंट्रल जिमखाना क्लब द्वारा प्रकाश सोनकर व सुरेश ऐरन की स्मृति में 30वीं अखिल भारतीय मोयरा गोल्ड कप फुटबाल स्पर्धा में पहली हैट्रिक अनिकेत तरोड़े के नाम रही। उनके तीन गोलों की बदौलत राजमोहल्ला इलेवन ने आनंद इलेवन को 3-0 से पराजित किया। वहीं शहर की सशक्त टीमों में से एक स्पोर्टिंग युनियन को उलटफेर का सामना करना पड़ा। उसे डे बोर्डिंग ने टाईब्रेकर में हराया। वहीं इन्दौर स्पोर्ट्स क्लब व यंग आदिवासी ने भी रोमांचक जीत दर्ज की।

स्पर्धा सयोजक भारत मथुरावाला ने बताया कि नेहरू स्टेडियम मैदान पर मोयरा सरिया, खेल एवं युवक कल्याण विभाग म.प्र. एवं इन्दौर नगर पालिक निगम द्वारा प्रायोजित इस प्रतिष्ठित अ.भा. फुटबॉल प्रतियोगिता में प्रतिदिन रोचक मुकाबले देखने को मिल रहे है। प्रतियोगिता के पांचवें दिन का सबसे रोचक मुकाबला राजमोहल्ला इलेवन और आनंद इलेवन के मध्य खेला गया, जिसमें हाफ टाइम तक दोनों ही टीमों ने जोरदार खेल दिखाया और कोई गोल नहीं होने दिया। लेकिन हॉफ टाईम के बाद राजमोहल्ला के लिए अनिकेत तरोड़े ने धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए लगातार तीन गोल कर टीम को तो जीत दिलाई ही, स्पर्धा की पहली हैट्रिक भी बनाई। अनिकेत ने 50वें, 58वें और 60वें मिनट में गोल किए। दो गोल करने में वर्धन सेंगर की भी अहम भूमिका रही।

एक अन्य महत्वपूर्ण मुकाबले में डे बोर्डिंग ने स्पोर्टिंग युनियन को रोमांचक मुकाबले में हराकर बड़ा उलटफेर किया। निर्धारित समय तक दोनों ही टीमें कोई गोल नही कर सकी थी। परिणाम के लिए टाईब्रेकर का सहारा लेना पड़ा, जिसमें डे बोर्डिंग की टीम 4-3 से विजयी रही। अन्य मुकाबलों में इन्दौर स्पोर्ट्स क्लब ने आदिवासी एकेडमी को रोमांचक अंदाज में 2-1 से हराया। इन्दौर स्पोर्ट्स के लिए 5वें मिनट में ही महेंद्र चौहान ने सुंदर मैदानी गोल दागा। जवाब में आदिवासी एकेडमी के लिए 27वें मिनट में निलेश सिंगार ने गोल कर स्कोर बराबरी पर ला दिया। हॉफ टाइम तक दोनों टीमें 1-1 गोल की बराबरी पर थी। दूसरे हॉफ में 50वें मिनट में अक्षय कौशल ने गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। और इसके बाद आदिवासी की टीम कोई बराबरी का गोल नहीं कर सकी।

एक अन्य मुकाबले में यंग आदिवासी ने यंग एस.एफ. बायज को टाईब्रेकर में 5-3 से पराजित किया। दोनों ही टीमें निर्धारित समय तक कोई गोल नहीं कर सकी थी। टाईब्रेकर में यंग आदिवासी को स्ट्राइकरों ने जोरदार खेल दिखाया और सभी पेनल्टी गोल में तब्दील कर जीत हासिल की।

मुकाबलों के दौरान प्रिंसपाल टोंग्या, राजकुमार अग्निहोत्री ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इस अवसर पर रमेश मूलचंदानी, संजय लुणावत, भारत मथुरावाला, केके गोयल, महेश दलोद्रा, जितेंद्र गर्ग, विष्णु बिंदल, अरविंद तिवारी उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत संजय विजयवर्गीय, मनोहर मस्ताना, अतुल अग्रवाल, रमेश खंडेलवाल, पवन सिंघल, पारस जैन, मुनेश सोनकर, जमना सिलावट, नारायण खरबड़ीकर, शेख हमीद ने किया।

मुकाबले

- 1. मालवा युनाइटेड वि. आदिवासी युनाइटेड
- 2. एस.एफ. बायज वि. इन्दौर स्पोर्ट्स क्लब
- 3. चैलेंजर्स युनाइटेड इन्दौर वि. साईधाम युनाइटेड महू।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले खिलाड़ियों को अभ्यास का अवसर देगा बीसीसीआई

मुम्बई, 28 फरवरी (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम जून में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलेगी। भारतीय टीम को इस दौर पर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इस सीरीज की तैयारी का अवसर भारतीय बोर्ड बीसीसीआई आईपीएल के दौरान देगा। अभी भारतीय टीम दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 खेल रही है। इसके बाद वह आईपीएल खेलेगी। इस साल की शुरुआत से ही भारतीय टीम ने सफेद गेंद वाली क्रिकेट खेली है। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई आईपीएल सत्र के दौरान खिलाड़ियों को टेस्ट क्रिकेट, लाल गेंद के प्रारूप से जुड़े रहने के लिए एक योजना पर काम कर रहा है। ऐसी संभावना है कि खिलाड़ियों को लाल गेंद के अभ्यास सत्र में भाग लेने के लिए भी कहा जा सकता है, क्योंकि इंग्लैंड का दौरा अहम है। वहीं जो टीमें आईपीएल में आगे नहीं जाएंगी उनमें शामिल टेस्ट खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए कहा जाएगा। आईपीएल 22 मार्च से 25 मई तक चलेगा। इसके करीब 25 दिन बाद से भारतीय टीम को इंग्लैंड में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है।

दिल्ली कैपिटल्स ने पीटरसन को बनाया मेंटर

नई दिल्ली । आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने आईपीएल के 2025 सत्र के लिए इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन को मेंटन बनाया है। यह पहली बार होगा जब पीटरसन किसी क्रिकेट टीम के साथ सहायक स्टाफ की भूमिका निभाएंगे। पीटरसन अब डीसी कोचिंग स्टाफ में मुख्य कोच हेमांग बदानी, क्रिकेट निदेशक वेणुगोपाल राव, गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल और सहायक कोच मैथ्यू मोट के साथ काम करेंगे। वह पहली बार किसी टीम से जुड़ हैं। इससे पहले व कमेंट्री करते रहे हैं। पीटरसन ने आईपीएल 2012 और 2014 में डीसी की ओर से खेला था। इसमें उन्होंने 305 और 294 रन बनाए थे। उन्होंने 17 मैचों में फ्रेंचाइजी की कप्तानी भी की थी।

पाक फुटबॉल महासंघ ने फीफा संशोधनों को दी मंजूरी, निलंबन हटने की उम्मीद

पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ (पीएफएफ) ने गुरुवार को फीफा द्वारा प्रस्तावित संवैधानिक संशोधनों को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी, जिससे देश की अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में वापसी की संभावनाएं प्रबल हो गई हैं। फीफा ने 6 फरवरी को पीएफएफ द्वारा चुनावी सुधारों को खारिज करने के बाद पाकिस्तान पर आठ साल में तीसरी बार अंतरराष्ट्रीय निलंबन लगाया था। लाहौर में आयोजित असाधारण कांग्रेस में पीएफएफ ने 23-0 के मतों से संशोधनों को मंजूरी दी। इस बैठक में फीफा और एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के अधिकारी भी उपस्थित थे। पीएफएफ ने एक बयान में कहा, कांग्रेस सदस्यों ने पाकिस्तान फुटबॉल के सर्वोत्तम हित में फीफा द्वारा प्रस्तावित संशोधनों का समर्थन किया, जिससे फीफा का निलंबन हटने की उम्मीद के बाद एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर में राष्ट्रीय टीम की भागीदारी का मार्ग प्रशस्त हो गया। पाकिस्तान को उम्मीद है कि 2027 एशियाई कप क्वालीफायर में 25 मार्च को सीरिया के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले निलंबन हटा लिया जाएगा। एएफसी ने पीएफएफ से कहा है कि प्रतिबंध मंगलवार तक समाप्त हो जाना चाहिए, ताकि टीम क्वालीफायर में हिस्सा ले सके।

डब्ल्यूपीएल : गार्डनर के अर्धशतक से गुजरात जायंट्स ने आरसीबी को हराया

बेंगलुरु, 28 फरवरी (एजेंसियां)।

कप्तान एश्ले गार्डनर के शानदार अर्धशतक से गुजरात जायंट्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 6 विकेट से हरा दिया। इस मैच में टॉस जीतकर गुजरात ने आरसीबी को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। आरसीबी ने 7 विकेट पर 125 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले इस लक्ष्य को गुजरात ने 17 ओवरों में ही 4 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया।

गुजरात की ओर से गार्डनर ने 58 जबकि लिचफील्ड ने 30 रन बनाए। आरसीबी की ओर से रेणुका ठाकुर और जॉर्जिया वेयरहम ने दो-दो विकेट लिए। वहीं इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 25 रनों पर ही 3 विकेट खो दिए। कप्तान स्मृति मंधाना भी 10 रन ही बना पायीं।

वहीं डैनी व्याट केवल 4 रनों पर ही पेवेलियन लौट गयीं। एलिस पेरी भी शून्य पर ही आउट हो गयीं। इसके बाद राघवी बिष्ट ने 22 और कनिका अहुजा ने 33 रन बनाकर स्कोर 70 रनों के ऊपर पहुंचाया। ऋचा घोष ने 9 रन बनाये। जॉर्जिया वेयरहम ने 20 और किम गार्थ ने 14 रन बनाकर स्कोर किसी प्रकार 125 रनों तक पहुंचाया। वहीं गुजरात की ओर से डिएंड्रा डॉटिन और तनुजा कंवर ने 2-2 खिलाड़ियों को आउट किया। एश्ले गार्डनर और काशवी गौतम को 1-1 विकेट मिला।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजराज ने 17वें ओवर में ही मुकाबला जीत लिया। उसने 66 रनों पर ही तीन विकेट हो दिये। बेथ मूनी 17, दयालन हेमलता 11 और हरलीन देओल 5 रन बनाकर पेवेलियन लौटीं। इसके बाद गार्डनर ने फिर फीब लिचफील्ड के साथ पारी संभाली और टीम को लक्ष्य तक पहुंचाय। गार्डनर और लिचफील्ड के बीच 51 रन की साझेदारी हुई। गुजरात को इस सत्र में अपनी दूसरी जीत मिली है। इस प्रकार टीम चार अंक लेकर तालिका में 5वें नंबर पर है।

दानी सेबलोस चोटिल, दो महीने तक मैदान से रह सकते हैं बाहर

मैड्रिड, 28 फरवरी (एजेंसियां)।

रियल मैड्रिड के मिडफील्डर दानी सेबलोस को कोपा डेल रे में रियल सोसिदाद के खिलाफ 1-0 की जीत के दौरान मांसपेशियों में चोट लगी है। क्लब ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की।

मैच के दूसरे हाफ में सेबलोस की टक्कर घरेलू खिलाड़ी टेक कुबो से हुई, जिसके बाद वह दर्द से कराहते हुए मैदान से बाहर चले गए। रियल मैड्रिड ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर बताया, मेडिकल परीक्षणों में सेमीमेम्ब्रानोसस मांसपेशी में चोट पाई गई है, जो उनके बाएं हैमस्ट्रिंग के टेंडन को प्रभावित कर रही है। उनकी रिकवरी की अवधि का आकलन किया जाएगा।

हालांकि क्लब ने ठीक होने की निश्चित समय-सीमा नहीं दी, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक, सेबलोस को कम से कम दो महीने तक बाहर रहना पड़ सकता है। इस चोट के कारण वह चैंपियंस लीग के अंतिम-16 मुकाबले, संभावित क्वार्टर फाइनल, कई ला लीगा मैचों और कोपा डेल रे सेमीफाइनल के रिटर्न लेग से चूक सकते हैं।

सेबलोस ने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए लिखा, जिस समय मैं अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में था, उसी समय यह झटका लगना दुखद है। फुटबॉल आसान या निष्पक्ष नहीं है, लेकिन मुझे मजबूती से इसका सामना करना होगा। मैं इससे भी कठिन दौर से वापसी कर चुका हूं।

28 वर्षीय सेबलोस, जो पूर्व में रियल बेटिस और आर्सेनल के लिए खेल चुके हैं, हाल के हफ्तों में कार्लो एंसेलोटी की टीम के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी रहे हैं। 2017 में क्लब में शामिल होने के बाद से वह अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में थे, ऐसे में यह चोट रियल मैड्रिड के लिए एक बड़ा झटका साबित हो सकती है।

डोपिंग प्रतिबंध के चलते जानिक सिनर का लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर नामांकन रद्द

पेरिस। लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अकादमी ने गुरुवार को घोषणा की कि वह 2025 लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए इतालवी टेनिस खिलाड़ी जानिक सिनर का नामांकन वापस ले रही है। यह फैसला विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) द्वारा लगाए गए तीन महीने के निलंबन के बाद लिया गया है। अकादमी ने नामांकन पैनल को भेजे गए ईमेल में स्पष्ट किया कि निलंबन के कारण सिनर अब इस पुरस्कार के लिए योग्य नहीं हैं। वाडा ने इस महीने की शुरुआत में खुलासा किया था कि मार्च 2024 में क्लोस्टेबोल के लिए सिनर का डोप टेस्ट पॉजिटिव आया था। इसके बाद, उन्होंने एक केस रिज़ॉल्यूशन समझौते में प्रवेश किया और तीन महीने के प्रतिबंध को स्वीकार कर लिया। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने जानबूझकर प्रतिबंधित पदार्थ का सेवन नहीं किया और इससे उनके प्रदर्शन में कोई सुधार नहीं हुआ। बावजूद इसके, एथलीट अपने सहायक कर्मियों के कार्यों के लिए जिम्मेदार होते हैं। लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स 2025 के लिए नामांकित व्यक्तियों की पूरी सूची 3 मार्च को घोषित की जाएगी।

लगातार दूसरे दिन सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन सोने के भाव में गिरावट नजर आ रही है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोना 400 से 440 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। भाव में आई इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 87,370 रुपये से लेकर 87,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार करता रहा।

इसी तरह 22 कैरेट सोना 80,090 रुपये से लेकर 80,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 97,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,420 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 87,370 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 80,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 87,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 80,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 87,420 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 80,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 87,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 87,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 80,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अवैध घुसपैठियों...

सरकार के टालमटोल के रवैये को देखते हुए उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने 2024 के दिसंबर महीने में ही घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने का आदेश दिया था। दिल्ली पुलिस ने दिसंबर से सभी 15 जिलों में अभियान चला बांग्लादेशियों की पहचान कर उनकी धर पकड़ की कार्रवाई शुरू कर दी थी। चुनाव के कारण शिथिल पड़े इस अभियान को तेज करने के बारे में केंद्रीय गृह मंत्री ने अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए और अभियान की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में केंद्रीय खुफिया एजेंसी के प्रमुख के साथ-साथ दिल्ली के पुलिस आयुक्त, दोनों जोन के कानून व्यवस्था के विशेष आयुक्त, स्पेशल सेल और क्राइम ब्रांच के विशेष आयुक्त मौजूद थे। दिल्ली पुलिस ने घुसपैठियों के खिलाफ अब तक क्या कार्रवाई की है, उसकी पूरी रिपोर्ट गृह मंत्रालय ने तलब की है। आज हुई उच्च स्तरीय बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को देश में घुसने, उनके दस्तावेज बनवाने और यहां उनके रहने में मदद करने वाले पूरे नेटवर्क के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।दिल्ली पुलिस ने अब तक केवल दिल्ली में 22,000 संदिग्ध बांग्लादेशियों की पहचान की है। जिनके दस्तावेज की गहन जांच की जा रही है। करीब 800 संदिग्धों के बारे में भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण से जानकारी मांगी गई है। प्राधिकरण से संदिग्ध बांग्लादेशियों द्वारा आधार कार्ड बनवाने के लिए दिए गए दस्तावेज के बारे में जानकारी मांगी गई है। अब तक 120 से अधिक बांग्लादेशी घुसपैठियों को वापस बांग्लादेश भेजा जा चुका है। उनमें से 70 के पास कोई भी भारतीय दस्तावेज नहीं मिला था। बाकी बांग्लादेशी ऐसे थे जिनके वीजा की अवधि समाप्त हो जाने पर वह अवैध तरीके से रह रहे थे और भारतीय दस्तावेज बनाने के लिए एजेंटों के संपर्क में थे। बांग्लादेशी के अलावा अब रोहिंग्या को लेकर भी पुलिस कार्रवाई कर रही है। कुछ समय से जिले के डीसीपी ने आरडब्ल्यूए व मार्केट एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें इन दोनों के बारे में जानकारी प्राप्त करना शुरू कर दिया है ताकि इन्हें पकड़ने में आसानी हो सके।दिल्ली पुलिस ने राजधानी क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे नौ हजार बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान की थी। इनके पास भारतीय आधार कार्ड पाए गए हैं। पुलिस ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) से उनके आधार कार्ड बनवाने के लिए जमा किए गए दस्तावेजों की जानकारी मांगी है। 500 ऐसे घुसपैठिए भी पाए गए हैं जिनके पास आधार कार्ड, मतदाता पहचान और राशन कार्ड भी हैं। उक्त दस्तावेजों की जांच की जा रही है। कई दस्तावेज झारखंड, असम, बंगाल और बिहार के भी पाए गए हैं। जिन संदिग्ध बांग्लादेशियों की पुख्ता पहचान हो जाएगी उन्हें दिल्ली के सराय रोहिल्ला स्थित डिटेंशन सेंटर में रखा जाएगा और क्रमशः उन्हें बांग्लादेश डिपोर्ट करने की प्रक्रिया पूरी जाएगी।

बदहाल कर्नाटक...

इनमें 16 लाख रुपए से सीसीटीवी कैमरे, एयर कंडीशनर और बिजली के अन्य उपकरणों आदि लगाए जाएंगे हैं। वहीं, 45 लाख रुपए से मुख्यमंत्री के सचिव के कक्ष का जीर्णोद्धार किया जाएगा।

पीडब्लूडी को इसके लिए टेंडर जारी किए बिना सीधे नवीनीकरण कार्य करने की अनुमति दे दी गई है। कर्नाटक पारदर्शिता सार्वजनिक खरीद (केटीपीपी) अधिनियम की धारा 4(जी) के तहत पीडब्लूडी को यह छूट दी गई है। पिछले महीने 29 जनवरी को उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के आधिकारिक आवास पर बिजली के काम और फर्नीचर लगाने के लिए पीडब्लूडी को कथित तौर पर ऐसी ही छूट दी गई थी।

ऐसे समय में, जब राज्य वित्तीय संकट से जूझ रहा है, सार्वजनिक धन का उपयोग करके सीएम आवास का जीर्णोद्धार कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर सवाल खड़े करता है। पिछले साल जुलाई में कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया के वित्तीय सलाहकार बसवराज रायरेड्डी ने कहा था कि गारंटी योजनाओं के कारण राज्य के पास विकास परियोजनाओं के लिए धन की कमी हो गई है।

हिमाचल...

सरकार की अपील पर जिलाधिकारियों ने मंदिर ट्रस्टों को पत्र जारी किया। पत्र में लिखा गया कि मुख्यमंत्री सुखाश्रय और सुख शिक्षा योजना की मदद सरकार के अधीन आने वाले मंदिरों के ट्रस्ट भी करेंगे।

हिमाचल प्रदेश में 36 बड़े हिंदू मंदिरों की देखरेख जिला प्रशासन करता है। इन मंदिरों से करोड़ों की आमदनी होती है। हिमाचल प्रदेश में सरकार बनते ही सुक्खू सरकार ने मुख्यमंत्री सुख शिक्षा योजना और मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना शुरू की है। मुख्यमंत्री सुख शिक्षा योजना में विधवा, तलाकशुदा, बेसहारा महिलाओं और दिव्यांग माता-पिता के बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण के लिए वित्तीय सहायता दे रही है। इसके लिए पात्रता 18 वर्ष से कम आयु है। इसके लिए 1,000 रुपए मासिक दी जा रही है। वहीं, मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना में सरकार ने 6,000 बच्चों को गोद लिया और उन्हें चिल्ड्रन ऑफ स्टेट का दर्जा दिया है।

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस सरकार सनातन और हिंदू धर्म का विरोध करती है। दूसरी तरफ मंदिरों से पैसा लेकर अपनी योजना चलाना चाह रही है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों पर दबाव बनाया जा रहा है कि मंदिरों से पैसा लेकर सरकार को जल्दी भेजा जाए। उन्होंने लोगों से भी इसका विरोध करने की अपील की है। हिमाचल प्रदेश में 36 मंदिर सरकार के अंतर्गत आते हैं। इनमें सबसे धनवान मंदिर ऊना जिले का मां चिंतापूर्णी मंदिर है। इस मंदिर के खजाने में एक अरब रुपए की बैंक एफडी और 1,098 किलोग्राम से अधिक सोना एवं 72,000 किलोग्राम चांदी है। बिलासपुर में स्थित शक्तिपीठ नैनादेवी मंदिर के पास 11 करोड़ रुपए नकद और 58 करोड़ रुपए से अधिक की बैंक एफडी है। इसके अलावा नैनादेवी मंदिर शक्तिपीठ में 1,080 किलोग्राम सोना और 72,000 किलोग्राम से अधिक चांदी है। इसके अलावा, कई अन्य शक्तिपीठों में भी अरबों रुपए की सम्पत्ति है। इसके अलावा, अन्य शक्तिपीठों में भी अरबों रुपए की सम्पत्ति और हजारों किलोग्राम सोना-चांदी है।

अस्पतालों में...

कैग की रिपोर्ट ने दिल्ली के सरकारी अस्पतालों की हालत को पूरी तरह बेपर्दा कर दिया है। कुल 27 अस्पतालों में से 14 में आईसीयू की सुविधा तक नहीं है, जो गंभीर मरीजों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। इसके अलावा 12 अस्पतालों में एंबुलेंस नहीं हैं, यानी जरूरत पड़ने पर मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाना भी मुश्किल है। 16 अस्पतालों में ब्लड बैंक की कमी है, जिससे आपात स्थिति में खून की व्यवस्था करना एक बड़ा संकट बन जाता है।

दिल्ली की आपा सरकार जिन मोहल्ला क्लीनिकों को अपनी बड़ी उपलब्धि बताती रही है, उनकी हालत भी दयनीय है। ऐसी 21 क्लीनिकों में शौचालय नहीं हैं, 15 में बिजली बैकअप की सुविधा नहीं है, और 6 में तो डॉक्टरों के लिए टेबल तक नहीं है। 12 क्लीनिकों में दिव्यांगों के लिए कोई व्यवस्था नहीं है, जो आप सरकार के कथित विकास दावों की हवा निकाल देता है। ये हालात साफ दिखाते हैं कि बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं भी दिल्ली की जनता से कोसों दूर हैं।कोविड-19 महामारी के दौरान जब पूरी दुनिया जूझ रही थी, दिल्ली में भी हालात भयावह थे। केंद्र सरकार ने दिल्ली को इस संकट से निपटने के लिए 787.91 करोड़ रुपए का फंड दिया था, लेकिन हैरानी की बात है कि इसमें से सिर्फ 582.84 करोड़ रुपए ही खर्च किए गए। बाकी 205.07 करोड़ रुपए बिना इस्तेमाल के पड़े रहे, जिसका नतीजा ये हुआ कि मरीजों को जरूरी सुविधाएं नहीं मिल सकीं। दिल्ली सरकार को स्वास्थ्य कर्मियों की भर्ती और वेतन के लिए 52 करोड़ रुपए मिले थे, लेकिन इसमें से 30.52 करोड़ रुपए खर्च नहीं हुए। इसका मतलब साफ है कि डॉक्टरों और नर्सों की कमी को दूर करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। दवाइयां, पीपीई किट्स और दूसरी मेडिकल सप्लाई के लिए 119.85 करोड़ रुपए आवंटित हुए थे, लेकिन 83.14 करोड़ रुपए का उपयोग नहीं हुआ। इस लापरवाही की कीमत दिल्ली की जनता को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी, क्योंकि उस वक्त ऑक्सीजन, बेड और दवाइयों की भारी किल्लत थी।दिल्ली सरकार ने 2016-17 से 2020-21 तक 32,000 नए बेड जोड़ने का बड़ा वादा किया था, लेकिन असल में सिर्फ 1,357 बेड ही जोड़े गए, जो लक्ष्य का महज 4.24 प्रतिशत है। इस कमी का असर ये हुआ कि कई अस्पतालों में बेड की ऑक्यूपेंसी 101 प्रतिशत से 189 प्रतिशत तक रही। यानी एक बेड पर दो-दो मरीजों को रखना पड़ा या कई मरीजों को फर्श पर इलाज लेना पड़ा। स्टाफ की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है।दिल्ली के सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य विभागों में 8,194 पद खाली पड़े हैं। नर्सिंग स्टाफ में 21 प्रतिशत और पैरामेडिकल स्टाफ में 38 प्रतिशत की कमी है। खास तौर पर राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल और जनकपुरी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में हालात बदतर हैं, जहां डॉक्टरों की 50-74 प्रतिशत और नर्सिंग स्टाफ की 73-96 प्रतिशत कमी पाई गई। इस कमी के चलते मरीजों को इलाज के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है और कई बार सही देखभाल भी नहीं मिल पाती।दिल्ली में तीन नए अस्पताल बनाने की परियोजनाएं शुरू हुई थीं, लेकिन इनमें भारी देरी और लागत में इजाफा हुआ। इंदिरा गांधी अस्पताल में 5 साल की देरी हुई और लागत 314.9 करोड़ रुपए बढ़ गई। बुराड़ी अस्पताल 6 साल लेट हुआ, जिसकी लागत में 41.26 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ। वहीं, एमए डेंटल अस्पताल (फेज-2) में 3 साल की देरी हुई और 26.36 करोड़ रुपए अतिरिक्त खर्च हुए। ये प्रोजेक्ट पिछली सरकार के वक्त शुरू हुए थे, लेकिन मौजूदा सरकार इन्हें पूरा करने में नाकाम रही। इसके अलावा, कई अस्पतालों में जरूरी उपकरण भी खराब पड़े हैं।सीएजी की रिपोर्ट के मुताबिक, मरीजों को लोक नायक अस्पताल में बड़ी सर्जरी के लिए 2-3 महीने और बर्न व प्लास्टिक सर्जरी के लिए 6-8 महीने का इंतजार करना पड़ा। चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय में पीडियाट्रिक सर्जरी के लिए 12 महीने की वेटिंग थी। कई जगहों पर एक्स-रे, सीटी स्कैन और अल्ट्रासाउंड मशीनें बेकार पड़ी रहीं, जिससे मरीजों को सही समय पर डायग्नोसिस भी नहीं मिल सका। कोविड के दौरान ऑक्सीजन की किल्लत ने दिल्ली को हिलाकर रख दिया था, और कैग रिपोर्ट बताती है कि 8 अस्पतालों में ऑक्सीजन सप्लाई की व्यवस्था ही नहीं थी। ये वो वक्त था जब लोग सड़कों पर ऑक्सीजन सिलेंडर ढूंढते फिर रहे थे। इसके साथ ही, 12 अस्पतालों में एंबुलेंस की सुविधा नहीं थी और जो सीएटीएस एंबुलेंस चल रही थीं, उनमें भी जरूरी उपकरणों की कमी थी।

मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाने के लिए कोई ठोस इंतजाम नहीं था, जिसके चलते कई लोगों की जान चली गई। मोहल्ला क्लीनिकों में भी हालात बद से बदतर थे। 15 क्लीनिकों में बिजली बैकअप नहीं था, यानी बिजली जाने पर मरीजों का इलाज ठप हो जाता था। इन सबके बीच सरकार के दावे हवाई साबित हुए और जनता को भारी परेशानी उठानी पड़ी।

मोहल्ला क्लिनिक...

डॉक्टरों की कमी से जूझ रहे हैं। वहां काम करने वाले 70 प्रतिशत मरीजों को एक मिनट भी नहीं देखते हैं। ऑडिट में पता चला है कि 218 मोहल्ला क्लिनिक में से 41 तो डॉक्टरों की कमी और प्रशासनिक मुद्दों के चलते बंद पड़े हैं। 74 में दवाओं के स्टॉक ही नहीं थे। कैग की ऑडिट रिपोर्ट कहती है कि केजरीवाल ने अपनी सरकार के दौरान 2017 में दिल्ली में 1000 मोहल्ला क्लिनिक स्थापित करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन 2023 तक केवल 523 ही खोले गए। इसके अलावा इन मोहल्ला क्लिनिक्स में असुविधाओं का अंबार है। यहां न तो पीने के लिए पानी, दवाओं के लिए एसी नहीं और दिव्यांगों के लिए व्हील चेयर तक नहीं है।कैग की रिपोर्ट बताती है कि कई मोहल्ला क्लिनिक्स में शौचालय, पीने के पानी, दिव्यांगों के लिए रैम्प्स नहीं थे। मोहल्ला क्लिनिक्स में पल्स, ऑक्सीमीटर और थर्मामीटर तक गायब थे। 74 क्लिनिक्स में आवश्यक दवा लिस्ट में लिस्टेड 165 दवाओं का पूरा स्टॉक नहीं था। दिल्ली के 27 अस्पतालों में 50 फीसदी में तो आईसीयू की सुविधा ही नहीं थी। 60 प्रतिशत ब्लड बैंक बिना ब्लड के ही चल रहे थे। 8 में ऑक्सीजन की सुविधा नहीं थी। 12 में एंबुलेंस नहीं था और 15 में मुर्दाघर भी नहीं था। राजीव गांधी और जनकपुरी स्थित सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों में नर्सिंग स्टाफ के 96 फीसदी पद, डॉक्टरों के 74 फीसदी पद और पैरामेडिक्स के 62 प्रतिशत पद खाली ही पड़े थे। 2016-17 से 2020-21 तक 32,000 अस्पताल बिस्तर जोड़ने का प्रस्ताव बिना किसी कार्रवाई के रह गया। वर्ष 2016-17 के दौरान 17 लाख स्कूली बच्चों में से केवल 2.8 लाख से 3.5 लाख बच्चों को ही स्कूल स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत कवर किया गयाआपा सरकार ने लाडली योजना में भी 220 करोड़ का घोटाला किया। लाडली योजना को 2008 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने शुरू किया था, जिसका मकसद लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देना और 18 साल की उम्र पर 1 लाख रुपए तक की मदद देना था। लेकिन अरविंद केजरीवाल की सरकार ने इस योजना में भी धांधलियों को अंजाम दे दिया। कैग की रिपोर्ट ने इसमें 220 करोड़ रुपए से ज्यादा की अनियमितताएं उजागर की हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 41 करोड़ रुपए का अधिक भुगतान हुआ और 618.38 करोड़ रुपए की राशि अघोषित पड़ी है। महिला एवं बाल विकास विभाग ने लाभार्थियों के विवरण को सत्यापित करने में ढिलाई बरती, जिसके चलते बड़े पैमाने पर डुप्लिकेशन हुआ। 36,000 से ज्यादा ऐसे मामले सामने आए, जहां नाम, जन्मतिथि और माता-पिता का विवरण एक जैसा था। दिसंबर 2022 तक 8.84 लाख सक्रिय लाभार्थियों में 16,546 डुप्लिकेट और 131 ट्रिपल पंजीकरण पाए गए, जिससे 11.49 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

ऑडिट में ये भी पता चला कि 20,127 मामलों में जहां नाम या जन्मतिथि मिलती थी, वहां 29.23 करोड़ रुपए गलत तरीके से वितरित किए गए। सबसे बड़ी खामी ये थी कि मई 2023 तक आधार सत्यापन को योजना में शामिल नहीं किया गया था। इसके चलते एक ही लाभार्थी के कई पंजीकरण हो गए और फर्जीवाड़ा बढ़ता गया। करीब 9 प्रतिशत लाभार्थियों ने 18 साल की उम्र के बाद नामांकन कराया, जिससे 180.92 करोड़ रुपए का वित्तीय नुकसान हुआ। 78,065 ऐसे लाभार्थी थे, जो पंजीकरण के समय पात्र उम्र पार कर चुके थे, फिर भी उनके खातों में पैसे जमा किए गए। कई मामलों में जन्मतिथि का कॉलम खाली था, जिससे ये साफ हो गया कि सिस्टम में पारदर्शिता और जवाबदेही की भारी कमी थी।

दिल्ली में 8.84 लाख सक्रिय लाभार्थियों में से 4.9 लाख लड़कियां, यानी 55 प्रतिशत, पात्र होने के बावजूद योजना का लाभ नहीं ले सकीं। 18-20 साल की उम्र के 1.26 लाख लाभार्थियों के 236.03 करोड़ रुपए, 20-26 साल के 1.18 लाख के 224.56 करोड़ रुपए, और 26 साल से ऊपर की 77,000 लड़कियों के 157.78 करोड़ रुपए अभी तक वितरित नहीं हुए हैं। इसके अलावा 1 लाख 74 हजार 960 ऐसे मामले थे, जिनमें लाभार्थी समाप्ति मानदंड को पूरा करते थे, लेकिन उनका निपटारा नहीं हुआ। विभाग का कहना है कि उसने पात्र लाभार्थियों तक पहुंचने के लिए सार्वजनिक नोटिस जारी किए थे, लेकिन ऑडिट में पाया गया कि सिर्फ दो बार 10 सितंबर 2020 और 17 जून 2022 को नोटिस जारी हुए। इतने बड़े पैमाने पर योजना चलाने के लिए ये कोशिश नाकाफी थी और लाभार्थियों तक जानकारी नहीं पहुंच सकी।

लाडली योजना में हर साल पंजीकरण की संख्या में भारी गिरावट आई है। 2009-10 में 1,39,773 लाभार्थी पंजीकृत हुए थे, जो 2020-21 में घटकर सिर्फ 43,415 रह गए, यानी 69 प्रतिशत की कमी। जन्म के समय पंजीकरण भी 23,871 से घटकर 3,153 हो गया। ये आंकड़े बताते हैं कि योजना धीरे-धीरे अपनी अहमियत खोती जा रही है। लड़कियों की शिक्षा और सशक्तिकरण के जिस मकसद के लिए इसे शुरू किया गया था, वो पूरा नहीं हो सका। फंड की बर्बादी, फर्जी पंजीकरण और कुप्रबंधन ने इस योजना को नाकाम कर दिया। सरकार ने इसे ठीक करने के लिए मई 2023 में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण सिस्टम में शामिल करने की कोशिश शुरू की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। लाडली योजना में इतनी बड़ी गड़बड़ियों के बावजूद जिम्मेदारी तय करने की कोई कोशिश नहीं दिखती। विभाग ने न तो लाभार्थियों के डेटा को सही करने की जहमत उठाई और न ही फंड के सही इस्तेमाल पर ध्यान दिया। 618.38 करोड़ रुपए जैसे भारी-भरकम फंड का इस्तेमाल न होना बताता है कि योजना को लेकर गंभीरता की कमी थी। इसका सबसे ज्यादा नुकसान उन लड़कियों को हुआ, जो इस मदद की हकदार थीं, लेकिन उन्हें कुछ नहीं मिला। कैग की दोनों रिपोर्ट्स ने दिल्ली सरकार की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवालिया निशान लगा दिया है। स्वास्थ्य सेवाओं में सुविधाओं की कमी और कोविड फंड की बर्बादी से लेकर लाडली योजना में फर्जीवाड़ा और लापरवाही तक, ये सब दिखाता है कि जनता के हितों को कितना नजरअंदाज किया गया। दिल्ली की जनता ने इन कमियों की भारी कीमत चुकाई है, चाहे वो इलाज के लिए तरसना हो या शिक्षा के लिए मदद न मिलना।

राष्ट्रविरोधी हरकतें ...

आवश्यकता इस बात की है कि जनता के द्वारा चुने हुए लोग अपनी जिम्मेदारियों को समझें। राष्ट्रवाद को अपना धर्म और भारतीयता को अपनी पहचान बनाने की आवश्यकता है।उन्होंने यह भी कहा कि आज अगर किसी भी चीज की सबसे अधिक आवश्यकता है तो वो ये कि संविधान के बारे में जागरूकता बढ़ाई जाए। उपराष्ट्रपति ने संविधान निर्माताओं को तपस्वी करार दिया, जिन्होंने देश के लिए लड़ाई लड़ी। हमारे पूर्व एक ऐसा संविधान बनाना चाहते थे, जो सभी की आशाओं को पूरा करे। संविधान जागरूकता वर्ष समारोह के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए उप राष्ट्रपति धनखड़ ने 1975 में पूर्व पीएम इंदिरा गांधी के द्वारा देश पर थोपे गए आपातकाल का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ये दिन 25 जून 1975 के उस वर्ष को याद करने का समय है, जब देश में आपातकाल लगाकार नागरिकों से उनके मौलिक अधिकारों को छीन लिया गया था। देश के 9 राज्यों के हाई कोर्ट्स ने एक साथ एक स्वर में कहा था कि आपातकाल के दौरान नागरिकों से उनके मौलिक अधिकारों को नहीं छीना जा सकता। उपराष्ट्रपति ने कहा कि जितना अधिक हम अपने संविधान और अधिकारों को जानेंगे, उतने ही राष्ट्रवादी होते जाएंगे। न्यायपालिका के अधिकारों पर बात करते हुए उन्होंने ये भी कहा कि संविधान को बदलने का अधिकार न्यायपालिका को कोई अधिकार नहीं है। संविधान को अगर कोई बदल सकता है, तो वो केवल संसद ही है।

फंडिंग रुकने से...

काउंसलिंग और एचआईवी/एसटीआई इलाज जैसी सुविधाएं देता था। यूएसएआईडी के प्रोजेक्ट एक्सलेरेट का हिस्सा था, जो एड्स से लड़ने के लिए काम करता था। फंडिंग रुकने से ये प्रोग्राम भी प्रभावित हुआ है। मस्क ने कहा कि ये अमेरिकी टैक्सपेयर्स के डॉलर से चलता था। कुछ समय पहले ही, अमेरिकी सीनेटर जॉन केनेडी ने सवाल उठाया था कि अमेरिकी टैक्सपेयर्स का पैसा भारत के ट्रांसजेंडर क्लिनिक को क्यों दिया जा रहा है।

कश्मीर में ...

आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि संगलदान के सराज दीन (48), दलवाह के रेयाज अहमद (45), बंज भीमदासा के फारूक अहमद (46) और मोइला के मोहम्मद अशरफ (50) और मुश्ताक अहमद (47) पाकिस्तान अधिक्रांत जम्मू-कश्मीर चले गए और वहीं से अपनी गतिविधियां चला रहे हैं। ये दहशतगर्द आतंकी गतिविधियों को वित्तपोषित करने के लिए इन सम्पत्तियों को बेचने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई पीओजेके से सक्रिय आतंकियों को कड़ा संदेश है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को पुनर्जीवित करने के उनके प्रयासों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गूल में उप-विभागीय पुलिस अधिकारी के जब्ती आदेश के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस या अन्य नामित अधिकारियों की अनुमति के बिना इन सम्पत्तियों की खरीद-बिक्री नहीं की जा सकेगी।

उन्होंने कहा कि जब्ती आदेश से आतंकी फंडिंग के संभावित स्रोत को रोका जा सकेगा, जिसका इस्तेमाल क्षेत्र में हिजबुल मुजाहिदीन के प्रभाव को पुनर्जीवित करने के लिए किया जा सकता था। पुलिस ने कहा कि इन व्यक्तियों के परिवारों को अब कानूनी और वित्तीय बाधाओं का सामना करना पड़ेगा, जिससे वे आतंकवादी गतिविधियों को अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन नहीं दे पाएंगे। प्रवक्ता ने कहा कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन आतंकी फंडिंग, ओवरग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) नेटवर्क और घुसपैठियों पर सक्रिय रूप से कार्रवाई कर रहा है और इसने हाल के वर्षों में आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र को काफी कमजोर कर दिया है। उन्होंने कहा कि नवीनतम कार्रवाई सरकार की आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति के अनुरूप है।

अच्छी सड़क ...

याचिकाकर्ता ने कहा कि इस पर यात्रा करने में तीन से चार घंटे से अधिक का समय लगता है और डायवर्जन एवं खराब सड़क के कारण ईंधन और वाहन के रखरखाव पर अतिरिक्त बोझ बढ़ता है।

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि अधिकारियों ने स्वयं स्वीकार किया है कि एनएच-44 पर निर्माण कार्य चल रहा है और यातायात की आवाजाही के लिए सर्विस रोड/डायवर्सन प्रदान किए गए हैं। इसका अर्थ है कि अधिकांश स्थानों पर चार लेन वाले राष्ट्रीय राजमार्ग को घटाकर सिंगल लेन कर दिया गया है। वहां गंभीर मोड़, सड़क में गड्ढे हैं। इससे यात्रियों के सामने बड़ी समस्या आती हैं। कोर्ट ने कहा कि यात्रियों से अनुचित तरीके से शुल्क लिया जा रहा है, क्योंकि उन्हें गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचा नहीं मिल रहा है, जिसके लिए वे भुगतान कर रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि सरकार या एनएचएआई से यह अपेक्षा की जाती है कि वे दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे के पूरी तरह चालू होने तक टोल संग्रह को निलंबित कर दें।

अदालत ने यह भी कहा कि टोल संग्रह को निलंबित करने के बजाय अधिकारियों ने लखनपुर टोल प्लाजा और बन्न टोल प्लाजा पर उसी दिन टोल शुल्क बढ़ा दिया, जिस दिन ठंडी खुई टोल प्लाजा बंद हुआ था। कोर्ट ने कहा कि इसे देखकर ऐसा लगता है कि जनता को परेशान किया जा रहा है। एक तो खराब सड़क और ऊपर से भारी वसूल टैक्स वसूला जा रहा है। न्यायालय ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर दो टोल प्लाजा के बीच की दूरी और ठेकेदारों द्वारा आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को वहां तैनात करने का संज्ञान लिया। अदालत ने निर्देश दिया जाता है कि टोल प्लाजा पर किसी भी ऐसे व्यक्ति को नियुक्त न किया जाए, जिसका आपराधिक इतिहास हो। संबंधित पुलिस एजेंसी द्वारा कर्मचारियों का सत्यापन करने के बाद ही टोल प्लाजा पर तैनात किया चाहिए।

कोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि इसमें किसी तरह की कोताही होने पर संबंधित एसएचओ/इंचार्ज व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे। इसके साथ ही कोर्ट ने टोल टैक्स घटाने के भी निर्देश दिया।कोर्ट ने राजमार्ग के सुचारु रूप से चालू हो जाने तक 26 जनवरी से पहले निर्धारित टोल शुल्क का केवल 20 प्रतिशत वसूलने का निर्देश दिया। इसके साथ ही यह भी निर्देश दिया कि 60 किलोमीटर से पहले कोई टोल नहीं होना चाहिए। अगर ऐसा है तो उसे हटाया जाए। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में ऐसे टोल प्लाजा की संख्या में वृद्धि नहीं होनी चाहिए, जिसका एकमात्र उद्देश्य आम जनता से पैसा कमाना हो।

जब अमेरिका...

ने 2014 में एक आंकड़ा रखा। तब उन्होंने अनुमान लगाया था कि देश में करीब पांच करोड़ अवैध बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं। हालांकि इस आंकड़े की कभी पुष्टि नहीं हुई। मगर हर शहर में बनाए गए अधिकतर अवैध झुग्गियों का कनेक्शन इन बांग्लादेशियों से रहा है।बांग्लादेशी घुसपैठियों ने 140 करोड़ के देश की डेमोग्राफी बदल दी। पश्चिम बंगाल में 57 लाख और असम में 50 लाख से अधिक बांग्लादेशी हैं। असम के 33 जिलों में से 9 बारपेटा, धुबरी, दरांग, नौगांव, करीमगंज, दारंग, मोरीगांव, बोंगाईगांव, धुबरी,गोलपारा और लाकांडी में मुस्लिम आबादी 50 से 80 प्रतिशत तक आंकी गई है। बीजेपी समेत कई संगठनों का दावा है कि राज्य में 45 विधानसभा सीट पूरी तरह से मुस्लिम वोटरों के कब्जे में है, जिनमें अधिकतर बांग्लादेश से पलायन कर असम पहुंचे हैं।

राज्य के नलबाड़ी, कछार और कामरूप में भी धार्मिक जनसंख्या में बदलाव हुआ है। पिछले चार दशकों में बिहार के सीमांचल के चार जिले किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में मुस्लिम आबादी अप्रत्याशित तौर से बढ़ी है। किशनगंज में मुस्लिम आबादी 67.58 प्रतिशत और हिंदू आबादी 31.43 प्रतिशत है। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने एक रिपोर्ट में दावा किया है कि झारखंड के संथाल परगना क्षेत्र में बांग्लादेशी घुसपैठ हो रही है और इस कारण से क्षेत्र की जनसांख्यिकी में काफी बदलाव आया है। विधानसभा चुनावों में इस पर खूब हो हल्ला मचा था।

पिछले दिनों पश्चिम बंगाल में कई ऐसे बांग्लादेशियों की पहचान की गई, जो मेडिकल और टूरिस्ट वीजा पर भारत आए, फिर यहीं रह गए। सूत्रों के अनुसार, त्रिपुरा, असम और पश्चिम बंगाल में बिचौलियों की भरमार है, जो बांग्लादेशियों को भारत में अवैध तरीके से बसाने और उनके लिए फर्जी डॉक्युमेंट बनाते हैं। इसके अलावा पश्चिम बंगाल से बांग्लादेश से लगने वाले 2272 किलोमीटर लंबे बॉर्डर में कई लूप होल हैं।पश्चिम बंगाल का मालदा, दिनेशपुर, छपली नवबादगंज, मुर्शिदाबाद और 24-परगना घुसपैठ के लिए बदनाम है। इसके अलावा हुगली नदी और जंगल के रास्ते से घुसपैठ होती है। सैफ के हमलावर शरीफुल इस्लाम ने छह महीने पहले बॉर्डर किनारे बहने वाली दावकी नदी को पार करके भारत में घुसपैठ की थी। उसने फर्जी पहचान पत्र के जरिये मोबाइल फोन सिम भी हासिल कर लिया था। 22 जनवरी को हरियाणा के रेवाड़ी में 15 बांग्लादेशी पकड़े गए, जो 15 साल पहले भारत आए थे। फरवरी 2024 में आगरा से 40 बांग्लादेश घुसपैठिये पकड़े गए थे।

बांग्लादेश से भारत में घुसपैठ कराने वाले एजेंट बॉर्डर से लेकर देश के सभी शहरों में फैले हैं। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक, बॉर्डर क्रॉस कराने वाले एजेंट हर घुसपैठिए से चार से 15 हजार रुपए वसूलता है। फिर उन्हें नकली दस्तावेज और नौकरी के लिए अलग-अलग पैसे देने पड़ते हैं। मुंबई पुलिस ने एक रैकेट का खुलासा किया था, जिसमें पता चला कि एजेंटों ने घुसपैठ से लेकर नौकरी दिलाने तक के रेट तय कर रखे हैं। साउथ दिल्ली के संगम विहार में हुए एक मर्डर केस की जांच में पता चला कि मरने वाला सैंटो शेख पैसे लेकर बांग्लादेशियों का फर्जी आधार कार्ड बनवाता था। दिल्ली पुलिस ने इस सिंडिकेट की सरगना मुन्नी देवी को पकड़ा था। आधार कार्ड बनने के बाद घुसपैठियों के लिए नौकरी, फोन सिम लेना आसान हो जाता है। ज्यादातर बांग्लादेशी मजदूरी, फल-सब्जी कारोबार और फेरी लगाने का व्यवसाय में खप जाते हैं। भीख मांगने वाले रैकेट में बांग्लादेशी महिलाएं शामिल होती हैं।

माणा में ...

माणा घाटियों में तीन दिन से बर्फबारी हो रही है। जिससे ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फ जमा हो गई है। चमोली में हिमस्खलन की घटना ने साल 2021 में चमोली के रैणी में ग्लेशियर टूटने से आई आपदा की याद दिला दी। तब ग्लेशियर टूटने से ऋषिगंगा में बाढ़ के कारण 206 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, कई अब भी लापता है।

वैवाहिक जीवन में नई खुशियां लाता है फुलेरा दूज त्यौहार

आज फुलेरा दूज पर होगी रिकॉर्ड तोड़ शादियां

फाल्गुन माह की द्वितीया तिथि को फुलेरा दूज के रूप में मनाया जाता है। इस बार फुलेरा दूज 1 मार्च 2025 को मनायी जाएगी। यह दिन होली के आगमन का प्रतीक माना जाता है। इस दिन से होली के पर्व की तैयारियां आरंभ हो जाती हैं। इस दिन से उत्तर भारत के गांवो में जिस स्थान पर होली रखी जाती हैं वहां पर प्रतीकात्मक रूप में उपले या फिर लकड़ी रख दी जाती हैं। कई जगहों पर इस दिन को उत्सव की तरह मनाया जाता है। इस दिन से लोग होली में चढ़ाने के लिए गोबर की गुलरियां भी बनाई जाती हैं। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि वैदिक पंचांग के अनुसार फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि 01 मार्च को रात्रि 03:16 मिनट से शुरू हो रही है और तिथि का समापन 02 मार्च को रात्रि 12:09 मिनट पर होगा। सनातन धर्म में उदया तिथि का विशेष महत्व है। इस प्रकार 01 मार्च को फुलेरा दूज का पर्व मनाया जाएगा। फुलेरा दूज को अबूझ मुहूर्त माना जाता है, जिसका अर्थ है कि इस दिन विवाह के लिए किसी ज्योतिषीय गणना की आवश्यकता नहीं होती। यही कारण है कि इस दिन कई शादियां होती हैं।

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि शाब्दिक अर्थ में फुलेरा का अर्थ है फूल, जो फूलों को दर्शाता है। यह माना जाता है कि भगवान कृष्ण फूलों के साथ खेलते हैं और फुलेरा दूज की शुभ पूर्व संध्या पर होली के त्योहार में भाग लेते हैं। यह त्योहार लोगों के जीवन में खुशियां और उल्लास लाता है। वहीं ज्योतिष शास्त्र में फूलेरा दूज को अबूझ मुहूर्त माना गया है जिसमें इस दिन बिना मुहूर्त देखे सभी तरह के शुभ और मांगलिक कार्य किया जा सकता है। इस दिन भगवान कृष्ण और राधा जी की पूजा करने से वैवाहिक जीवन में प्रेम की बहार आती है और इस दिन शादी-विवाह करने पर भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद मिलता है।

फुलेरा दूज का शुभ मुहूर्त

द्वितीया तिथि आरंभ: 01 मार्च को रात्रि 03:16 मिनट से

द्वितीया तिथि समाप्त: 02 मार्च को रात्रि 12:09 मिनट पर

01 मार्च को फुलेरा दूज का पर्व मनाया जाएगा।

विवाह के लिए सर्वोत्तम मुहूर्त

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार फुलेरा दूज को हिंदू शास्त्रों में बड़ा ही महत्वपूर्ण योग बताया है। इसीलिए इस विशेष दिन सर्वाधिक विवाह समारोह भी संपन्न होते हैं। हिंदू पंचांग की मान्यता के अनुसार, फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि विवाह बंधन के लिए वर्ष का सर्वोत्तम दिन है। कहते हैं कि इस दिन विवाह करने से दंपति को भगवान कृष्ण का आशीर्वाद हासिल होता है।

रिकॉर्ड तोड़ शादियां

सर्दी के मौसम के बाद इसे शादियों के सीजन का अंतिम दिन माना जाता है। इस दिन रिकॉर्ड तोड़ शादियां होती हैं। इसका अर्थ है कि विवाह, संपत्ति की खरीद इत्यादि सभी प्रकार के शुभ कार्यों को करने के लिए दिन अत्यधिक पवित्र है।

अबूझ मुहूर्त है फुलेरा दूज

इस त्योहार को सबसे महत्वपूर्ण और शुभ दिनों में से एक माना जाता है। इस दिन किसी भी तरह के हानिकारक प्रभावों और दोषों से प्रभावित नहीं होता है और इसे अबूझ मुहूर्त माना जाता है। सर्दी के मौसम के बाद इसे शादियों के सीजन का अंतिम दिन माना जाता है। इसलिए इस दिन रिकॉर्ड तोड़ शादियां होती हैं। विवाह, संपत्ति की खरीद इत्यादि सभी प्रकार के शुभ कार्यों को करने के लिए दिन अत्यधिक पवित्र है। शुभ मुहूर्त पर विचार करने या किसी विशेष शुभ मुहूर्त को जानने के लिए पंडित से परामर्श करने की आवश्यकता नहीं है। उत्तर भारत के राज्यों में, ज्यादातर शादी समारोह फुलेरा दूज की पूर्व संध्या पर होते हैं। लोग आमतौर पर इस दिन को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए सबसे समृद्ध पाते हैं।

दांपत्य के लिए अतिशुभ घड़ी

जिस तिथि में कृष्ण और राधा ने फूलों की होली खेली वह फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि थी। इसीलिए इस तिथि को फुलेरा दूज कहा गया। कृष्ण और राधा के मिलन की तिथि को अति शुभ माना जाता है और इसीलिए इस तिथि को विवाह करने वाले युगलों के बीच अपार स्नेह और दांपत्य का मजबूत रिश्ता बनता है।

पोहा का बनता है भोग

फुलेरा दूज के दिन भगवान श्रीकृष्ण के लिए स्पेशल भोग तैयार किया जाता है। जिसमें पोहा और अन्य विशेष व्यजंन शामिल हैं। भोजन पहले देवता को अर्पित किया जाता है और फिर प्रसाद के रूप में सभी भक्तों में वितरित किया जाता है।

धार्मिक मान्यता

फूलेरा दूज पर ब्रज की समस्त गोपियों ने राधा-कृष्ण के प्रेम की खुशी में फूल बरसाए थे, इस कारण से इस त्योहार का महत्व होता है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने होली खेलने की परंपरा की शुरूआत की थी। फुलेरा दूज पर घरों को फूलों और रंगोली से सजाया जाता है। फुलेरा दूज का महत्व शादियों को लेकर है। होली से करीब पंद्रह दिन पहले शादियों का शुभ मुहूर्त समाप्त हो जाता है। जबकि फुलेरा दूज के दिन हर पल शुभ होता है। यह तिथि भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित होती है। वहीं फुलेरा दूज का शाब्दिक अर्थ फुलेरा का अर्थ है फूल, जो फूलों को दर्शाता है। यह माना जाता है। भगवान कृष्ण फूलों के साथ खेलते हैं और फुलेरा दूज की शुभ पूर्व संध्या पर होली के त्योहार में भाग लेते हैं। यह त्योहार लोगों के जीवन में खुशियां और उल्लास लाता है। वहीं वैवाहिक जीवन के लिहाज से ये दिन बहुत खास होता है और इस दिन बिना मुहूर्त के ही शादी-ब्याह संपन्न किए जाते हैं।

कैसे मनाते हैं फुलेरा दूज

इस दिन सबसे महत्वपूर्ण अनुष्ठान जो किया जाता है वह भगवान कृष्ण के साथ रंग-बिरंगे फूलों से होली खेलने का होता है। ब्रज क्षेत्र में, इस विशेष दिन पर, देवता के सम्मान में भव्य उत्सव होते हैं। मंदिरों को फूलों और रोशनी से सजाया जाता है और भगवान कृष्ण की मूर्ति को एक सजाये गए और रंगीन मंडप में रखा जाता है। रंगीन कपड़े का एक छोटा टुकड़ा भगवान कृष्ण की मूर्ति की कमर पर लगाया जाता है, जिसका प्रतीक है कि वह होली खेलने के लिए तैयार हैं।

राधा कृष्ण कथा

पौराणिक कथा के अनुसार व्यस्तता के चलते कृष्ण कई दिनों से राधा से मिलने वृंदावन नहीं आ रहे थे। राधा के दुखी होने पर उनके सहेलियां भी कृष्ण से रूठ गई थीं। राधा के उदास रहने के कारण मथुरा के वन सूखने लगे और पुष्प मुरझा गए। वनों की स्थिति देखकर कृष्ण को कारण पता चल गया और वह राधा से मिलने वृंदावन पहुंच गए। श्रीकृष्ण के आने से राधा खुश हो गईं और चारों ओर फिर से हरियाली छा गई। कृष्ण ने एक खिल रहे पुष्प को तोड़ लिया और राधा को छेड़ने के लिए उनपर फेंक दिया। राधा ने भी ऐसा ही किया। यह देख वहां मौजूद ग्वाले और गोपिकाएं भी एक दूसरे पर फूल बरसाने लगीं। तब से आज भी प्रतिवर्ष मथुरा में फूलों की होली खेली जाती है।

क्या होती हैं गुलरियां

गुलरियां गोबर से बनाई जाती हैं। इन्हें बनाने का कार्य फुलेरा दूज से ही शुरू कर दिया जाता है। इसमें महिलाएं गोबर के छोटे-छोटे गोले बनाकर उसमें उंगली से बीच में सुराख बना देती हैं। सूख जाने के बाद इन गुलरियों की पांच सात मालाएं बना ली जाती हैं और होलिका दहन के दिन इन गुलरियों को होली की अग्नि में चढ़ा दिया जाता है।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

मासिक दुर्गाष्टमी पर जरूर करें स्त्रोत का पाठ, खुशियों से भर जाएगी झोली

हिंदू धर्म में मासिक दुर्गाष्टमी को विशेष महत्व दिया जाता है। इस दिन पर जो साधक माता रानी के निमित्त श्रद्धाभाव से व्रत आदि करता है, उसे शुभ परिणाम प्राप्त होते हैं, साथ ही जीवन की कई समस्याओं से भी मुक्ति मिल जाती है।

मासिक दुर्गाष्टमी शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि 06 मार्च को सुबह 10 बजकर 50 मिनट पर शुरू हो रही है। वहीं इस तिथि का समापन 07 मार्च को सुबह 09 बजकर 18 मिनट पर होगा। इस प्रकार उदया तिथि को देखते हुए शुक्रवार, 07 मार्च को फाल्गुन माह की दुर्गा अष्टमी मनाई जाएगी।

।।सिद्धकुञ्जिकास्तोत्रम्।।

शिव उवाच

शृणु देवि प्रवक्ष्यामि, कुञ्जिकास्तोत्रमुत्तमम्।
येन मन्त्रप्रभावेण चण्डीजापः शुभो भवेत।।1।।
न कवचं नार्गलास्तोत्रं कीलकं न रहस्यकम्।
न सूक्तं नापि ध्यानं च न न्यासो न च वार्चनम्।।2।।
कुञ्जिकापाठमात्रेण दुर्गापाठफलं लभेत्।
अति गुह्यतरं देवि देवानामपि दुर्लभम्।।3।।
गोपनीयं प्रयत्नेन स्वयोनिरिव पार्वति।
मारणं मोहनं वश्यं स्तम्भनोच्चाटनादिकम्।
पाठमात्रेण संसिद्ध्येत् कुञ्जिकास्तोत्रमुत्तमम्।।4।।

।।अथ मन्त्रः।।

ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे। ॐ ग्लौ हुं क्लीं जूं सः
ज्वालय ज्वालय ज्वल ज्वल प्रज्वल प्रज्वल
ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे ज्वल हं सं लं क्षं फट् स्वाहा।''

मासिक दुर्गाष्टमी को मां दुर्गा की कृपा प्राप्ति के लिए एक उत्तम दिन माना गया है। इस दिन पर विधिवत रूप से मां दुर्गा की पूजा-अर्चना और व्रत करने से साधक को माता रानी की विशेष कृपा की प्राप्ति होती है, जिससे पारिवारिक जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है।

।।इति मन्त्रः।।

नमस्ते रूद्ररूपिण्यै नमस्ते मधुमर्दिनि।
नमः कैटभहारिण्यै नमस्ते महिषार्दिनि।।1।।
नमस्ते शुम्भहन्त्यै च निशुम्भासुरघातिनि।।2।।
जाग्रतं हि महादेवि जपं सिद्धं कुरूष्व मे।
ऐंकारी सृष्टिरूपायै ह्रींकारी प्रतिपालिका।।3।।
क्लींकारी कामरूपिण्यै बीजरूपे नमोऽस्तु ते।
चामुण्डा चण्डघाती च यैकारी वरदायिनी।।4।।
विच्चे चाभयदा नित्यं नमस्ते मन्त्ररूपिणि।।5।।
धां धीं धूं धूर्जटेः पत्नी वां वीं वूं वागधीश्वरी।
क्रां क्रीं क्रूं कालिका देवि शां शीं शूं मे शुभं कुरु।।6।।
हुं हुं हुंकाररूपिण्यै जं जं जं जम्भनादिनी।
भ्रां भ्रीं भ्रूं भैरवी भद्रे भवान्यै ते नमो नमः।।7।।
अं कं चं टं तं पं यं शं वीं दुं ऐं वीं हं क्षं
धिजाग्रं धिजाग्रं त्रोटय त्रोटय दीप्तं कुरु कुरु स्वाहा।।
पां पीं पूं पार्वती पूर्णा खां खीं खूं खेचरी तथा।।8।।
सां सीं सूं सप्तशती देव्या मन्त्रसिद्धिं कुरुष्व मे।।
इदं तु कुञ्जिकास्तोत्रं मन्त्रजागर्तिहेतवे।
अभक्ते नैव दातव्यं गोपितं रक्ष पार्वति।।
यस्तु कुञ्जिकाया देवि हीनां सप्तशतीं पठेत्।
न तस्य जायते सिद्धिररण्ये रोदनं यथा।।
इति श्रीरुद्रयामले गौरीतन्त्रे शिवपार्वतीसंवादे कुञ्जिकास्तोत्रं सम्पूर्णम्।

।।ॐ तत्सत्।।

मासिक दुर्गाष्टमी के दिन पूजा के दौरान सिद्ध कुंजिका स्तोत्र का पाठ जरूर करना चाहिए। इस स्तोत्र का बेहद कल्याणकारी माना गया है। ऐसा करने से माता रानी की कृपा आपके ऊपर बनी रहती है और आपको कई समस्याओं से मुक्ति मिल सकती है।

14 मार्च से खरमास प्रारंभ, सूर्यदेव मीन राशि में प्रवेश करेंगे

ज्योतिष और धार्मिक दृष्टि से खरमान को एक महत्वपूर्ण अवधि माना गया है। इसकी शुरुआत तब होती है, जब सूर्यदेव का गोचर बृहस्पति की राशियों यानी धनु या फिर मीन में होता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस अवधि में सूर्य देव की ऊर्जा की प्रभावशीलता कम हो जाती है। ऐसे में अगर आप इस दौरान कोई भी शुभ या मांगलिक कार्य करते हैं, तो उनका शुभ परिणाम नहीं मिलता।

कब से शुरू होगा खरमास

फिलहाल सूर्य देव कुंभ राशि में विराजमान हैं और वह इस राशि में वह 13 मार्च तक रहने वाले हैं। ज्योतिष गणना के अनुसार,14 मार्च 2025 को सूर्यदेव मीन राशि में प्रवेश करेंगे, इस प्रकार 14 मार्च 2025 से खरमास शुरू होगा।

खरमास में क्या करना चाहिए

खरमास में सूर्य देव को जल अर्पित करने और उनकी पूजा-अर्चना करना काफी शुभ माना जाता है। इसी के साथ खरमास में दान-पुण्य करना भी काफी पुण्यकारी माना गया है। ऐसे में आप गरीबों व जरूरतमंद लोगों को बीच अपनी क्षमता के अनुसार अन्न और धन का दान कर सकते हैं। इस अवधि में आप घर में भगवत गीता या सत्यनारायण की कथा का आयोजन कर सकते हैं, इससे आपको काफी लाभ देखने को मिल सकता है।

नहीं कर सकते ये काम

खरमास में धार्मिक व मांगलिक कार्य जैसे वैवाहिक कार्यक्रम, मुंडन संस्कार, गृह प्रवेश, जनेऊ संस्कार आदि किए जाते। साथ ही इस अवधि में नया वाहन, घर या प्रॉपर्टी खरीदना या फिर नए काम की शुरुआत करना भी शुभ नहीं माना जाता। वहीं खरमास में गाड़ी, घर, या इस प्रकार की चीज़ें खरीदना भी शुभ नहीं माना जाता।

सूर्य देव को कैसे अर्पित करें जल

- ✻ सूर्योदय से पहले उठकर स्नान कर लें।
- ✻ इसके बाद एक तांबे के लोटे में जल लेकर उसमें लाल फूल और रोली मिलाएं।
- ✻ अब सूर्य देव को जल अर्पित करें।
- ✻ जल की गिरती धार के साथ सूर्य की किरणों को देखते रहें।
- ✻ इस दौरान ॐ सूर्याय नम: का जप भी करते रहें।

03 मार्च को मनाई जाएगी विनायक चतुर्थी

हिंदू धर्म में गणेश जी को प्रथम पूज्य देव और विघ्नहर्ता जैसे कई नामों से जाना जाता है। माना जाता है कि हर महीने में आने वाली विनायक चतुर्थी पर व्रत और गणेश जी की पूजा-अर्चना करने से सभी बाधाएं दूर होने के साथ-साथ मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं।

विनायक चतुर्थी शुभ मुहूर्त

फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी 02 मार्च को रात 09 बजकर 01 मिटन पर शुरू हो रही है। वहीं चतुर्थी तिथि का समापन 03 मार्च को शाम 06 बजकर 01 मिनट पर होगा। ऐसे में उदया तिथि को देखते हुए फाल्गुन माह की विनायक चतुर्थी सोमवार 03 मार्च को मनाई जाएगी। इस दौरान गणेश जी की पूजा का मुहूर्त इस प्रकार रहेगा -

विनायक चतुर्थी पूजा मुहूर्त - सुबह 11 बजकर 23 मिनट से दोपहर 01 बजकर 43 मिनट तक

विनायक चतुर्थी के दिन भगवान गणेश की पूजा-अर्चना करने से साधक को उत्तम परिणाम मिलने लगते हैं। इस दिन आप गणपति अथर्वशीर्ष का पाठ कर गणेश जी की विशेष कृपा प्राप्त कर सकते हैं।

जो भी साधक विनायक चतुर्थी के दिन पर भक्तिभाव से गणेश जी की आराधना करता है और चतुर्थी का व्रत करता हैं, उसके जीवन में आ रहे सभी कष्ट धीरे-धीरे दूर होने लगते हैं। इस दिन आप गणेश जी को उनका प्रिय भोग मोदक भी अर्पित कर सकते हैं, जिससे आपको उनकी असीम कृपा मिलती है।

तुलसी की मंजरी के उपायों से जीवन में नहीं सताएगा कोई डर, प्रसन्न होंगी मां लक्ष्मी

सनातन धर्म में तुलसी के पौधे की पूजा-अर्चना करने का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस पौधे में देवी लक्ष्मी का वास माना जाता है। इसलिए घर में तुलसी का पौधा लगाना शुभ माना जाता है। तुलसी की सच्चे मन से पूजा करने से व्यक्ति को जीवन में सफलता मिलती है और धन लाभ के योग बनते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, तुलसी की मजरी से जुड़े उपाय करने से व्यक्ति के जीवन में खुशियों का आगमन होता है। साथ ही धन से जुड़ी समस्या दूर होती है।

श्रीहरि होंगे प्रसन्न- यदि आप भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करना चाहते हैं, तो गुरुवार के दिन सुबह स्नान करने के बाद प्रभु की पूजा करें और उनके चरणों में तुलसी की मंजरी चढ़ाएं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस उपाय को विधिपूर्वक करने से श्रीहरि प्रसन्न होते हैं और साधक की सभी मनोकामना पूरी होती है।

आर्थिक तंगी होगी खत्म-अगर आप लंबे समय से आर्थिक तंगी से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो तुलसी की मंजरी और दूध से भगवान विष्णु का विधिपूर्वक अभिषेक करें। साथ ही जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से आर्थिक तंगी जल्द खत्म होती है और हमेशा पैसों से तिजोरी भरी रहती है।

कभी खाली नहीं होगी तिजोरी - तुलसी की मंजरी को लाल रंग के कपड़े में बांधकर मां लक्ष्मी को चढ़ाएं। कुछ समय के बाद इसे पर्स या फिर तिजोरी में रखें। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से तिजोरी पैसों से कभी खाली नहीं होती है और धन लाभ के योग बनते हैं।

सुख-समृद्धि में होगी वृद्धि - अगर आप जीवन में दुख और संकट का सामना कर रहे हैं, तो पूजा के दौरान तुलसी के पौधे में गन्ने का रस अर्पित करें। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस उपाय को करने से जीवन के सभी तरह के दुख संकट दूर होते हैं और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

मीना कुमारी के जीजा थे मशहूर अभिनेता महमूद अली

5 दशक तक सिनेमा पर किया राज, 'कॉमेडी किंग' ने किया 300 से ज्यादा फिल्मों में काम

फिल्म पाकीजा फेम एक्ट्रेस मीना कुमारी हिंदी सिनेमा का जाना-पहचाना नाम है। मीना कुमारी एक शानदार एक्ट्रेस होने के साथ-साथ एक कवयित्री भी थीं। मीना कुमारी ने अपने चार दशक से भी लंबे फिल्म करियर में एक से एक हिट फिल्म दी थी। मीना कुमारी की हिट फिल्मों में बैजू बावरा, दो बीघा जमीन, कोहिनूर और साहब बीवी और गुलाम शामिल हैं। मीना कुमारी अपनी फिल्मों के साथ-साथ अपनी निजी लाइफ भी से भी चर्चा में रही थीं। मीना कुमारी के कुछ रिश्तेदार भी फिल्म इंडस्ट्री में बड़ा नाम कमा चुके हैं। इनमें से एक वो है, जो हिंदी सिनेमा पर राज कर चुका है। इस एक्टर का फिल्म में होना हिट की गारंटी मानी थी। इस एक्टर ने हिंदी सिनेमा के दिग्गज स्टार संग फिल्में भी की। बात कर रहे हैं मीना कुमारी के स्टार जीजा की।

मीना कुमारी की बहन मधु ने इस एक्टर से शादी रचाई थी। यह कोई और नहीं बल्कि पुरानी फिल्मों में अपनी कॉमेडी और शानदार सिंगिंग से छा जाने वाले एक्टर महमूद थे। कॉमेडी किंग कहे जाने वाले महमूद अली ने मीना कुमारी की बहन मधु से निकाह किया था। महमूद एक्ट्रेस मीना कुमारी के जीजा होने के साथ-साथ एक शानदार स्टार भी रह चुके हैं। महमूद फिल्मों में आने से पहले ड्राइवर की नौकरी करते थे। इसी के चलते उन्हें मीना कुमारी के यहां नौकरी मिल गई। यहीं, महमूद की मीना कुमारी की बहन मधु से आंखें चार हुईं। वहीं, नजदीकी प्यार में बदली और दोनों ने 1953 में शादी रचा ली। साल 1967 में दोनों का तलाक हो गया।

इस सुपरस्टार के बारे मेंबता दें, महमूद ने 300 से ज्यादा फिल्मों में काम किया था। महमूद ने पांच दशक तक हिंदी सिनेमा पर राज किया। महमूद ने साल 1943 में अशोक कुमार स्टारर फिल्म किस्मत से हिंदी सिनेमा में कदम रखा और किस्मत हिंदी सिनेमा की पहली 1 करोड़ रुपये कमाने वाली फिल्म है। महमूद के बेटे लकी अली एक शानदार सिंगर हैं, जो आज भी अपनी आवाज का जादू बिखेरते हैं। 23 जुलाई

2004 को महमूद का 71 साल की उम्र में निधन हो गया था। महमूद की हिट फिल्मों में गुमनाम, भूत बंगला, दो बीघा जमीन, प्यासा, पत्थर के सनम, पड़ोसन और बॉम्बे टू गोवा शामिल हैं।

बुआ और दादी के साथ दिख रही बच्ची है सिनेमा की सुपरस्टार करिश्मा कपूर

अभिषेक से शादी के लिए बच्चन परिवार की थी पहली पसंद

90 के दशक में फिल्म इंडस्ट्री में कई एक्ट्रेसेस ने एक से बढ़ कर एक हिट फिल्में दीं। हालांकि बाद वह एक्ट्रेसेस फिल्मों में ज्यादा एक्टिव नहीं रहीं, लेकिन अपनी फिल्मों के कारण आज भी याद की जाती है। फोटो में दादी और बुआ के साथ दिख रही इस बच्ची ने 90 के दशक में एक से बढ़ कर एक हिट फिल्में दी और उस दौर में लगभग सभी बड़े हीरो की हीरोइन बनी। इस बच्ची के मां -बाप भी इंडस्ट्री में काम कर चुके हैं और छोटी बहन भी सिनेमा की सुपरस्टार कही जाती हैं। यही नहीं दादा- चाचा और कजिंस भी फिल्मों के सुपरस्टार्स रह चुके हैं।

अब तक आप नहीं पहचान पाए तो बता दें यह करिश्मा कपूर के बचपन की फोटो हैं और इस फोटो में उनके साथ हैं दादी कृष्णा राज कपूर और बुआ रितु नंदा। करिश्मा कपूर बॉलीवुड के मशहूर कपूर ख़ानदान की बेटी हैं और करीना कपूर की बड़ी बहन हैं। करिश्मा का जन्म 25 जून 1974 को मुम्बई में हुआ था। उन्होंने अपने फ़िल्मी सफर की शुरुआत वर्ष 1992 में आई फिल्म प्रेम क़ैदी से की। हालांकि यह फिल्म बॉक्स-ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप तरह साबित हुई थी। हालांकि बाद में वह कई सुपरहिट फिल्मों की हीरोइन बनीं। अपने फ़िल्मी करियर के दौरान करिश्मा ने एक राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार व चार फिल्म फेयर पुरस्कार जीते।

पर्सनल लाइफ की बात करें तो करिश्मा कपूर की शादी पहले अभिषेक बच्चन से होने वाली थी, लेकिन बाद उनकी सगाई टूट गई और उन्होंने संजय कपूर से शादी कर ली। वहीं अभिषेक बच्चन की शादी ऐश्वर्या राय से हुई,

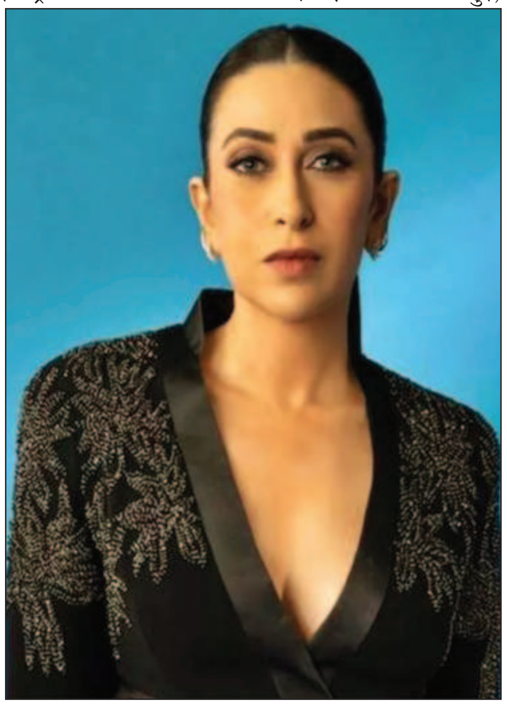

जबकि करिश्मा और संजय का बाद में तलाक हो गया। उनके दो बच्चे हैं- एक बेटा और एक बेटी है।

भूमि पेडनेकर ने सिनेमाई सफर में निभाए गए किरदार पर की बात

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर, जिन्हें 'मेरे हसबैंड की बीवी' के लिए काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। उन्होंने हाल ही में एक अभिनेत्री के रूप में फिल्म उद्योग में 10 साल पूरे किए हैं। अपनी इस उपलब्धि के बाद, अभिनेत्री ने अपने सफर में विभिन्न किरदारों को निभाने के बारे में बात की और बताया कि इसने उनके करियर को कैसे आकार दिया है।

'दम लगा के हईशा' में अपने यादगार डेब्यू से लेकर अपनी हालिया भूमिकाओं तक भूमि अपनी पीढ़ी की सबसे बहुमुखी और प्रतिष्ठित अभिनेत्रियों में से एक के रूप में उभरी हैं।

अपनी यात्रा पर भूमि ने कहा, मेरी यात्रा 'दम लगा के हईशा' से शुरू हुई और तब से हर दिन मुझे याद दिलाता है कि मैं कितनी दूर आ गई हूं। इन 10 वर्षों ने मुझे जुनून और खुद पर विश्वास करने की शक्ति सिखाई है।

उन्होंने आगे बताया, मुझे कुछ वाकई विविध किरदार निभाने का सौभाग्य मिला है, मेरी पहली फिल्म में एक अधिक वजन वाली दुल्हन, 'बधाई दो' में एक विचित्र किरदार, 'भक्षक' में न्याय के लिए लड़ने वाली एक पत्रकार, 'सांड की आंख' में उम्र के मानदंडों को चुनौती देने वाली एक अस्सी वर्षीय महिला, 'बाला' में रंग के आधार पर भेदभाव करने का सामना करने वाली एक महिला और 'थैंक यू फॉर कमिंग' में अपनी स्वतंत्रता को अपनाने वाली एक महिला।

अभिनेत्री ने विभिन्न विधाओं में विभिन्न प्रकार की भूमिकाएं निभाई हैं। उनके करियर को असाधारण प्रदर्शन को फैंस ने सराहा भी है। जिससे वह बॉलीवुड की सबसे सम्मानित अभिनेत्रियों में से एक बन गई हैं।

भूमि इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का जश्न मनाती हैं, साथ ही वह सीखे गए सबक और अपने करियर को आकार देने वाले अवसरों पर भी विचार करती हैं। कहा जाता है कि अभिनेत्री के पास पाइपलाइन में कई रोमांचक प्रोजेक्ट हैं, क्योंकि वह ऐसी भूमिकाएं निभाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो यथास्थिति को चुनौती देती हैं और समकालीन मुद्दों पर नए दृष्टिकोण पेश करती हैं।

हाल ही में भूमि ने अपने 10 साल पूरे होने पर मुंबई में एक खास केक-कटिंग सेरेमनी रखी। महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में मीडिया और उनके प्रशंसक शामिल हुए। अभिनेत्री ने ब्लैक पैंट और स्टाइलिश लॉन्ग स्लीव शर्ट पहनी हुई थी।

उड़िया अभिनेता उत्तम मोहंती का निधन

मशहूर उड़िया अभिनेता उत्तम मोहंती का गुरुवार रात हरियाणा, गुरुग्राम के एक अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। उन्होंने 66 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली।ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने ऑलीवुड के दिग्गज अभिनेता के निधन पर शोक जताया और इसे सिनेमा जगत के लिए बड़ी क्षति बताई।

शुक्रवार रात को मुख्यमंत्री माझी ने शोक व्यक्त करते हुए एक्स हैंडल पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, ओडिशा के लोकप्रिय अभिनेता उत्तम मोहंती के निधन की खबर सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ है। उनके जाने से उड़िया कला जगत को बड़ी क्षति हुई है। उड़िया सिनेमा जगत में उन्होंने जो छाप छोड़ी है, वह दर्शकों के दिलों में हमेशा जिंदा रहेगी। मैं उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं और शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

सम्मान के तौर पर, मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि उत्तम मोहंती का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया जाए।सीएम माझी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना भी व्यक्त की।माझी ने मोहंती के बेटे बाबूशान से फोन पर बात की और उन्हें आश्वासन दिया कि राज्य सरकार मोहंती के पार्थिव शरीर को दिल्ली से भुवनेश्वर लाने में मदद करेगी।बता दें, मोहंती लीवर संबंधी बीमारी से पीड़ित थे। उन्हें 8 फरवरी को मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनका इलाज चल रहा था।उनके बेटे बाबूशान ने गुरुवार देर रात उनके निधन की

जानकारी साझा की।मोहंती के अभिनय करियर पर नजर डालें तो उन्होंने 135 से अधिक उड़िया फिल्मों के साथ ही कुछ टेलीविजन शोज में भी काम किया। इसके अलावा, उन्होंने 30 बंगाली फिल्मों और एक हिंदी फिल्म 'नया जहर' में भी अभिनय किया।उनका जन्म और पालन-पोषण मयूरभंज जिले के बारीपदा में हुआ। मोहंती का झुकाव कॉलेज के दिनों से ही अभिनय की ओर था। उत्तम मोहंती उड़िया सिनेमा के एकमात्र ऐसे सितारे हैं जो लगभग दो दशकों तक शीर्ष पर रहे और 80 और 90 के दशक में उड़िया फिल्म इंडस्ट्री में छाए रहे।उन्होंने उड़िया अभिनेत्री अपराजिता मोहंती से शादी की थी।

रेस 4 में हुई रकुल प्रीत सिंह की एंट्री, सैफ के सामने आएंगी नजर!

फिल्म निर्माता रमेश तौरानी ने पहले पुष्टि की थी कि अभिनेता सैफ अली खान 'रेस 4' में मुख्य भूमिका में लौटेंगे। अब, इंडिया टुडे को विशेष रूप से पता चला है कि रकुल प्रीत सिंह इस प्रत्याशित थ्रिलर फ्रैंचाइज़ में खान के साथ शामिल हो सकती हैं। हालांकि सूत्र ने पुष्टि नहीं की कि सिंह जिस प्रोजेक्ट में शामिल हुई हैं वह वास्तव में 'रेस 4' है, लेकिन यह संभावना है कि यह वही हो, क्योंकि खान और तौरानी अभी केवल इसी प्रोजेक्ट पर साथ काम कर रहे हैं।

इस प्रोजेक्ट के बारे में ज़्यादा जानकारी गुप्त रखी गई है, लेकिन 'रेस' की दुनिया में सिंह का प्रवेश निश्चित रूप से इसे और भी रोमांचक बनाता है।

प्रोडक्शन से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि सिंह कुछ ऐसा करने के लिए वाकई उत्साहित हैं जो उन्होंने पहले कभी नहीं किया है। हालाँकि उन्होंने पिछले कुछ सालों में कई बड़े बजट की फ़िल्मों में काम किया है, लेकिन 'रेस' फ्रैंचाइज़ में प्रवेश करना उनके लिए एक दिलचस्प चुनौती होने जा रही है।

सूत्र ने कहा, रकुल रमेश तौरानी के बैनर तले एक रोमांचक नई परियोजना के लिए सैफ अली

खान के साथ काम करने के लिए तैयार हैं। 'मेरे हसबैंड की बीवी' की सफलता के बाद, वह स्मार्ट विकल्प चुन रही हैं, और यह फिल्म उनकी गति को और बढ़ाएगी।

34 वर्षीय रकुल ने अतीत में विभिन्न शैलियों में काम किया है। उन्हें रोमांटिक-कॉमेडी शैली पर मजबूत पकड़ के लिए जाना जाता है, और 'रेस 4' उनके बहुमुखी करियर को और आगे ले जाएगी। हालाँकि, निर्माताओं द्वारा अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

'रेस' फ्रैंचाइज़ में सैफ अली खान की वापसी ने इस प्रोजेक्ट को लेकर पहले से ही काफी उत्सुकता बढ़ा दी है। अगर रकुल प्रीत सिंह इस फिल्म में शामिल होती हैं, तो स्क्रीन पर एक नई जोड़ी की उम्मीद की जा सकती है। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि दोनों को एक साथ जोड़ा गया है या नहीं।

पिछले साल की शुरुआत में, खान के 'रेस 4' में काम करने की पुष्टि करते हुए, निर्माता रमेश तौरानी ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा: सैफ 'रेस' फ्रैंचाइज़ में वापस आएंगे, और हम उन्हें लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने पहली दो फिल्मों में शानदार काम किया है। फिल्म में कई कलाकार होंगे, और हम स्क्रिप्ट और कलाकारों को अंतिम रूप दे रहे हैं। हमने निर्देशक को भी अंतिम रूप नहीं दिया है। हम फिल्म की आधिकारिक घोषणा अगले साल, संभवतः फ्लोर पर जाने से पहले करेंगे।

इस बीच, सिंह को आखिरी बार अर्जुन कपूर और भूमि पेडनेकर के साथ 'मेरे हसबैंड की बीवी' में देखा गया था। फिल्म इस महीने की शुरुआत में रिलीज़ हुई थी। 'रेस 4' उनके करियर में एक शानदार जोड़ होने जा रही है।

रैपर किंग की बहन बनने को तैयार पलक तिवारी, वेब सीरीज के लिए मिलाया हाथ

श्वेता तिवारी की बेटी और अभिनेत्री पलक तिवारी ने साल 2021 में आई वेब सीरीज रोजी: द सैफरन चैप्टर के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद वह सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान (2023) में नजर आई थीं।अब पलक ने पहली बार रैपर किंग से हाथ मिलाया है। दोनों जल्द ही एक वेब सीरीज में नजर आएंगे।इसके साथ पलक और किंग के किरदार से भी पर्दा उठ गया है।रिपोर्ट्स के अनुसार, रैपर किंग और पलक जल्द ही एक दिलचस्प वेब सीरीज में नजर आएंगे। खास बात यह है कि इसमें किंग एक प्रेमी की भूमिका नहीं, बल्कि पलक के भाई के किरदार में दिखाई देंगे।यह

सीरीज 9 भागों में रिलीज होगी। बहलहाल, अभी तक इस सीरीज को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।बता दें कि किंग को घुमशुदा, तू आके देखले, ऊप्स और मान मेरी जान के लिए जाना जाता है।पलक के पास संजय दत्त की फिल्म द भूतनी भी है। फिल्म में उनकी जोड़ी सनी सिंह के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा जाएगा।इसमें मौनी रॉय भी मुख्य भूमिका में होंगी। यह फिल्म 18 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।सिद्धांत सचदेव इस फिल्म के निर्देशक हैं। संजय ने इस फिल्म का निर्माण दीपक मुकुट के साथ किया है। संजय की पत्नी मानयता दत्त फिल्म की सह-निर्माता हैं।

सिद्धार्थ-कियारा ने दी खुशखबरी, घर में गूंजने वाली है किलकारी

बॉलीवुड के पावर कपल में से एक सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी ने अपने फैंस के साथ बड़ी खुशखबरी शेयर की है। कपल जल्द ही अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाले हैं। सिद्धार्थ कियारा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक क्यूट सी पिक्चर शेयर करते हुए इसे अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा गिफ्ट बताया। कपल ने साल 2023 में वैलेंटाइन वीक में राजस्थान के सूर्यगढ़ पैलेस में डेस्टिनेशन वेडिंग की थी।

सिद्धार्थ कियारा बॉलीवुड के सबसे खूबसूरत कपल में से एक हैं दोनों 7 फरवरी 2023 को शादी के बंधन में बंधे बंधे थे और अब दो साल बाद दोनों की जिंदगी में बड़ी खुशी ने दस्तक दी है। सिद्धार्थ और कियारा ने इंस्टाग्राम पर एक क्यूट फोटो शेयर की है। जिसमें दोनों के हाथ में छोटे बेबी के मोजे रखे हैं। तस्वीर के साथ कपल ने कैप्शन लिखा, 'हमारी जिंदगी का सबसे बड़ा गिफ्ट जल्दी ही आएगा'।

सिद्धार्थ कियारा का ये पोस्ट शेयर करते ही बॉलीवुड सेलेब्स और फैंस की तरफ से कमेंट सेक्शन में बधाईयों का तांता लग गया। पोस्ट पर नीना गुप्ता ने कमेंट किया, 'बधाई हो'। रकुल प्रीत सिंह ने लिखा, 'ओह माय गॉड, बधाई हो, बहुत खुश हूं'। शिल्पा शेट्टी ने लिखा, 'ओ।।।बधाई हो'। सामंथा रुथ प्रभु ने हार्ट इमोजी के साथ लिखा, 'ओएमजी'। इनके अलावा राशि खन्ना, गौहर खान, अथिया शेट्टी, मसाबा गुप्ता जैसे सितारों ने भी बधाई दी। वहीं फैंस भी अपने फेवरेट कपल की जिंदगी में आई इस खुशी से काफी उत्साहित हैं। एक यूजर ने लिखा, 'आपका बच्चा वाकई बहुत खूबसूरत होगा'। एक ने लिखा, 'ओ माय गॉड, सिद्धार्थ कियारा बधाई हो'। एक ने लिखा, 'मेरे फेवरेट कपल को इस गुडन्यूज के लिए बधाई'।

सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी ने 7 फरवरी 2023 में राजस्थान में ग्रैंड शादी की थी। दोनों की लव स्टोरी की शुरुआत शेरशाह के सेट पर शुरू हुई, इससे पहले ये लस्ट स्टोरीज के सेट पर मिले थे। लेकिन शेरशाह के बाद दोनों की डेटिंग शुरु हुई और 2021 में फिल्म रिलीज हुई जिसे दर्शकों का खूब प्यार मिला। आखिरकार दो साल बाद 2023 में दोनों ने शादी कर ली। इन्होंने जैसलमेर के सूर्यगढ़ पैलेस में डेस्टिनेशन वेडिंग की थी। दोनों की शादी के फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर खूब पसंद किए गए थे।

विधानसभा में यूडीएच मंत्री और भाजपा विधायक आमने-सामने

करतारपुरा नाले पर गरमाई बहस, सर्राफ बोले- किसी कीमत पर घर नहीं तोड़ने देंगे

जयपुर,28 फरवरी (एजेंसियां)। शहर के करतारपुरा नाले को लेकर राजस्थान विधानसभा में शुक्रवार को जबरदस्त बहस देखने को मिली। भाजपा विधायक कालीचरण सर्राफ और यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा के बीच तीखी नोकझोंक हुई। सराफ ने आरोप लगाया कि नाले के नाम पर प्रशासन 500 घरों पर लाल निशान लगा चुका है, जिससे लोगों में भय का माहौल है। उन्होंने साफ कहा कि किसी भी कीमत पर घर नहीं तोड़ने देंगे।

यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि हाईकोर्ट के निर्देशों के तहत 2018 में करतारपुरा नाले के सुधार की योजना बनाई गई थी। अब संशोधित कार्य योजना तैयार कर कोर्ट में पेश की जाएगी, ताकि कम से कम लोगों को नुकसान हो।

जनता को तब पता चलता है जब लाल निशान लग जाते हैं

भाजपा विधायक सराफ ने कहा कि नाले को सुधारने के बजाय लोगों के घर तोड़ने का फैसला गलत है। उन्होंने मांग की कि इलाके में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाया जाए, जिससे समस्या स्थायी रूप से हल हो। सराफ ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में इस प्रोजेक्ट के लिए 21 करोड़ रुपये मंजूर हुए थे, लेकिन कांग्रेस सरकार ने इसे यह कहकर बंद कर दिया कि जमीन उपलब्ध नहीं है।

सराफ ने कहा कि करतारपुरा नाले की सफाई न होने से इलाके में बदबू की समस्या बनी हुई है और 30 कॉलोनियों के लोग परेशान हैं। उन्होंने मांग की कि सरकार इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करे और तोड़फोड़ के बजाय वैकल्पिक समाधान निकाले।इस मुद्दे पर बहस के बाद यूडीएच मंत्री ने आश्वासन दिया कि हाईकोर्ट के निर्देशों के अनुरूप संशोधित कार्य योजना पेश की जाएगी, जिससे प्रभावित परिवारों पर कम से कम असर पड़े।

35 लाख करोड़ के एमओयू को धरातल पर लाने का काम शुरू : राठौड़

जयपुर,28 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में अधिकारियों के साथ राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए एमओयू, फिनटेक पार्क, जयपुर में बन रहे यूनिटी मॉल, राजस्थान मंडपम एवं अन्य विकास कार्यों के प्रगति की समीक्षा बैठक की।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहाकि राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना 2024 ने सब्सिडी, कर छूट और रोजगार सृजन प्रोत्साहन सहित आकर्षक वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किए। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के तहत देश-विदेश के निवेशकों ने हमारी सरकार द्वारा स्थापित पॉलिसी फ्रेमवर्क में विश्वास जताते हुए पहले ही वर्ष में 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के चेणी पर पर हस्ताक्षर किए, जो राज्य के इतिहास में सर्वाधिक है और इनपर धरातल पर काम भी शुरू हो चुका है। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि भारत मण्डपम की तर्ज पर जयपुर में राजस्थान मण्डपम का निर्माण किया जाएगा। मेक इन इंडिया तथा वन नेशन वन प्रोडक्ट के तहत स्वदेशी उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए मंडपम में यूनिटी मॉल का भी निर्माण किया जा रहा है।

राज्य स्तरीय आरोग्य मेला-2025 का आयोजन आज से 4 मार्च तक

जयपुर,28 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के आपणों अग्रणी राजस्थान, स्वस्थ राजस्थान एवं विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने हेतु आयुष विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा 4 दिवसीय राज्य स्तरीय आरोग्य मेला-2025 का आयोजन 01 मार्च से 04 मार्च तक शिल्पग्राम, जवाहर कला केन्द्र में किया जा रहा है।

राजस्थान के माननीय उप मुख्यमंत्री एवं आयुष मंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए बताया कि राज्य स्तरीय आरोग्य मेला का उद्देश्य आयुष पद्धतियों की प्रभावशीलता एवं स्वस्थ जीवनशैली के बारे में नागरिकों को जागरूक करना, आयुष विशेषज्ञों के ज्ञान एवं अनुभव का आदान-प्रदान करना तथा रोगों से बचाव व उपचार में इन पद्धतियों की विशेषता से जनमानस को लाभान्वित करना है। उन्होंने बताया कि राज्य स्तरीय आरोग्य मेले-2025 का शुभारंभ 1 मार्च 2025 को प्रातः 11 बजे उनके द्वारा किया जायेगा। मेला 4 मार्च तक प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से रात्रि 8 बजे तक आयोजित होगा।

आयुष मंत्री ने बताया की आरोग्य मेला अवधि में प्रतिदिन प्रातः 11.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, योग एवं नेचुरोपैथी चिकित्सा पद्धतियों के विशेषज्ञों द्वारा सामान्य, जटिल एवं जीर्ण रोगों के संबध में निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं उपचार प्रदान किया जायेगा। प्रतिदिन प्रातः 07.00 से 08.00 बजे तक योग विशेषज्ञों द्वारा योगाभ्यास कराया जायेगा। साथ ही मेला अवधि मे विभिन्न रोगों से संबंधित योग क्रियाओं का प्रत्यक्ष प्रदर्शन भी प्रदान किया जाएगा।

ऑपरेशन नॉकआउट के तहत जयपुर ग्रामीण पुलिस की बड़ी कार्रवाई

जयपुर ,28 फरवरी (एजेंसियां)। जयपुर ग्रामीण जिले में अवैध मादक पदार्थ एवं शराब तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे ऑपरेशन नॉकआउट के तहत बड़ी कार्रवाई कर करीब 1 करोड़ 40 लाख रुपए कीमत की पंजाब निर्मित अवैध शराब व स्मैक जप्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जिले की दूदू थाना पुलिस ने 60 लाख रुपये कीमत की 742 कार्टून शराब सहित ट्रक जप्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया, वहीं मौखमपुरा पुलिस ने 80 लाख रुपए कीमत की 841 कार्टून शराब सहित ट्रक जब्त किया है। फुलेरा पुलिस ने 3.47 ग्राम स्मैक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

उप-महानिरीक्षक पुलिस सह-पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण आनन्द शर्मा ने बताया है कि जिले में नशे रोकथाम तथा इसका कारोबार करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए ऑपरेशन नॉकआउट चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रजनीश पूनियां के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू शिवलाल बैरवा, सीओ दूदू दीपक खण्डेलवाल, सीओ सांभरलेक अनुपम मिश्रा के सुपरविजन में कार्रवाई के लिए पुलिस की विशेष टीमें गठित कर थाना दूदू, मौखमपुरा एवं फुलेरा क्षेत्र में यह कार्रवाई की गई।

एसपी जालौर ऑफिस के कांस्टेबल किशन लाल की सूचना पर एसएचओ दूदू मुकेश कुमार मय टीम द्वारा एनएच 48 पर दांतरी गांव के पास स्थित होटल जयपुर प्लाजा पर दबिश देकर वहां खड़े एक ट्रक से पुराने कपड़ों की कतरन की गांठों के नीचे छुपा कर रखी पंजाब निर्मित विभिन्न ब्राण्ड की अवैध अंग्रेजी शराब व बीयर के कुल 821 कार्टून जप्त कर अज्ञात आरोपी चालक के खिलाफ आबकारी एक्ट में प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है।

पेपर लीक, बेरोजगारी, कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार के मुद्दों को विधानसभा में उठाएगी कांग्रेस : हुड्डा

चंडीगढ़,28 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि कांग्रेस आने वाले विधानसभा सत्र में पेपर लीक, बेरोजगारी, कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार के मुद्दों को पुरजोर तरीके से उठेगी। क्योंकि एक के बाद एक पेपर लीक हो रहे हैं और बीजेपी पेपर लीक माफिया को संरक्षण दे रही है। इस सरकार के दौरान बोर्ड की परीक्षाओं से लेकर भर्ती तक हरेक पेपर में घोटाले हुए हैं। लेकिन अब तक किसी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। एक के बाद एक घोटाले उजागर हो रहे हैं। यहां तक कि हाईकोर्ट ने खनन घोटाले पर सरकार को आइना दिखाया है। बावजूद इसके सरकार कितने बड़े घोटाले पर पर्दा डालने में लगी है। भ्रष्टाचार की तरह प्रदेश में बेरोजगारी और अपराध लगातार बढ़ते जा रहे हैं।

हुड्डा अपने आवास पर पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आने वाले बजट से जनता को कोई उम्मीद नहीं है। क्योंकि पिछले 10 साल में बीजेपी ने प्रदेश पर कर्ज बढ़ाने के अलावा कोई काम नहीं किया। बीजेपी ने अब तक अपने किसी भी चुनावी वादे को अमलीजामा नहीं पहनाया। 10 साल के कार्यकाल में बीजेपी ने हरियाणा में ना कोई बड़ा उद्योग, ना ही कोई बड़ी परियोजना, ना कोई बड़ी यूनिवर्सिटी, ना कोई मेडिकल कॉलेज या अन्य बड़ा संस्थान स्थापित किया। लगातार भाजपा जनता के विश्वास पर कुठाराघात कर रही है।

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने गोवा के राज्यपाल श्रीधरन पी.एस. पिल्लई को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

पूरे प्रदेश में भाजपा के पक्ष में बना हुआ है माहौल, कांग्रेस जीरो पर सिमटेगी : नायब सैनी

फतेहाबाद,28 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कुरुक्षेत्र के इस्माईलाबाद नगर पालिका की चेयरमैन प्रत्याशी मेघा बंसल और फतेहाबाद के जाखल मंडी नगर पालिका चेयरमैन प्रत्याशी सुरेंद्र मित्तल के समर्थन में जनसभाएं की। जनसभाओं में नायब सिंह सैनी ने कहा कि भाजपा तेज गति से कम कर रही है। 100 दिनों में ही 18 वादे पूरे किए और 10 पाइपलाइन में हैं। भाजपा महिलाओं को 500 रुपये में सिलेंडर दे रही है। आज 15 लाख महिलाएं इस योजना का लाभ उठा रही हैं और पात्र महिलाओं को जोड़ा जा रहा है। सैनी ने कहा कि पट्टेदार किसानों को जमीन का मलिक बनाया गया है। 14 शहरों के 15 हजार परिवारों को प्लॉट दिए गए हैं, बाकी पत्रों को 12 मार्च के बाद प्लॉट देंगे। उसी तरह महिलाओं को प्रतिमाह 2100 रुपये भी बजट सत्र के बाद मिलने शुरू हो जाएंगे। इसके अलावा भाजपा ने संकल्प पत्र के वादे के अनुसार प्रदेश के सरकारी अस्पतालों, पीजीआई और मेडिकल कॉलेज में डायलिसिस की सुविधा फ्री दी जा रही है। आज किसी मरीज को महंगे इलाज के लिए परेशान नहीं होना पड़ता। इसी तरह हमने 70 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों के लिए आयुष्मान कार्ड दिया। बुजुर्गों के इलाज की जिम्मेदारी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और हरियाणा सरकार उठा रही है। सैनी ने कहा कि ऐसे बहुत से ऐतिहासिक फैसले हैं जिनसे हरियाणा की जनता का जीवन बदला है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि निकाय चुनाव में भाजपा को जनता का पूरजोर समर्थन मिल रहा है। विधानसभा चुनाव की तरह निकाय चुनाव में भी भाजपा का परचम लहराएगा और कांग्रेस जीरो पर आउट होगी। पूरे प्रदेश में भाजपा के पक्ष में माहौल बना हुआ है और एतिहासिक जीत दर्ज की जाएगी। जनसभाओं में संसद नवीन जिंदल, सुभाष बराला, देवेंद्र बबली, पूर्व संसद सुनीता दुग्गल, पूर्व विधायक दूडा राम, पूर्व मंत्री अनूप धानक, बिसंबर वाल्मीकि, पूर्व मंत्री सुभाष सुधा, डीडी शर्मा, सुशील राणा, बातों कटारिया, संत राजेंद्र पुरी आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जनसभाओं में कहा कि कांग्रेस के नेता झूठ बोलकर जनता को बरगलाते हैं। विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस ने ऐसे ही किया। युवाओं की नौकरी में अंड़गा डाला और भर्ती का रिजल्ट रुकवा दिया,लेकिन जनता ने कांग्रेस के मनसूबे पूरे नहीं होने दिए। भाजपा की सरकार बनी और मैंने मुख्यमंत्री पद की शपथ बाद में ली पहले 25 हजार युवाओं को नौकरी दी। हरियाणा के इतिहास में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में युवाओं को सरकारी नौकरी मिली और वो भी बिना पर्ची बिना खर्ची।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गत दिवस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात हुई। प्रधनमंत्री ने हरियाणा की डेवलपमेट के बारे में रिपोर्ट ली। बड़े प्रोजेक्ट्स के बारे में जानकारी ली और हरियाणा को और तेज गति से विकास के मार्ग पर आगे बढ़ाने की बात कही। मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री ने हरियाण स्थानीय निकाय चुनाव के बारे में भी अपडेट ली। सैनी ने कहा कि मैं जनता के बलबूते पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बताकर आया हूं कि दिल्ली की तरह हरियाणा निकाय चुनाव में कांग्रेस जीरो पर आउट हो रही है।

मतदान से पहले कांग्रेस को झटका, नगर निगम के डिप्टी मेयर राजेश मेहता भाजपा में शामिल

अम्बाला,28 फरवरी (एजेंसियां)। आगामी 2 मार्च को होने वाले अम्बाला नगर निगम के मेयर उपचुनाव के मतदान से पहले ही कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। नगर निगम में डिप्टी मेयर और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजेश मेहता ने आज भाजपा में शामिल होने की घोषणा कर दी। आज ही मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की जनसभा के मंच पर पहुंच राजेश मेहता ने यह राजनीतिक विस्फोट करके सबको चौंकाने का काम किया। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने राजेश मेहता का पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा की नीतियों और विकास कार्यों से प्रभावित होकर लोग पार्टी से जुड़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने करनाल में अपने खिलाफ कांग्रेस टिकट पर चुनाव लड़े त्रिलोचन सिंह द्वारा भाजपा में शामिल होने का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने घर- घर जाकर हर कांग्रेसी को भाजपाई बनाने का काम करके कांग्रेस मुक्त करनाल करने का काम किया है। उन्होंने आशा जताई कि उसी प्रकार राजेश मेहता भी एक-एक वोट कमल के फूल पर डलवाकर कांग्रेस प्रत्याशी की जमानत जब्त करवाने का काम करेंगे। मुख्यमंत्री नायब सैनी की मौजूदगी में राजेश ने भाजपा सदस्यता ग्रहण करते हुए न केवल मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट किया बल्कि कहा कि वह मुख्यमंत्री और पूर्व मंत्री असीम गोयल की जनहितैषी नीतियों को देखते हुए भाजपा में शामिल हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पार्टी जो भी जिम्मेवारी लगाएगी उसे पूरा करने का भरसक प्रयास करेंगे। मालूम हो कि राजेश मेहता ने 2020 में नगर निगम चुनाव कांग्रेस के समर्थन से जीता था और परिणाम के तुरंत बाद विनोद शर्मा के नेतृत्व वाली हरियाणा जनचेतना पार्टी का दामन थाम कर नगर निगम में डिप्टी मेयर बने थे। हाल ही के विधानसभा चुनाव में जब हजपा के मुखिया विनोद शर्मा ने भाजपा को समर्थन की घोषणा की तो वे फिर से कांग्रेस में शामिल हो गए थे। मतदान से ऐन पहले भाजपा में शामिल हो गए। इसे अंबाला शहर कांग्रेस के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि मेहता स्थानीय स्तर पर एक प्रभावशाली नेता माने जाते हैं।

आज का राशिफल

मेष - चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है माता-पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में क़ामयाब रहेंगे। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल-मोल कर ही बोलें। मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको हर कोई गंभीरता से सुनेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी। अपने जीवनसाथी की वजह से आपको मानसिक अशान्ति का सामना करना पड़ सकता है।

वृषभ - इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपको कई दिक़्क़तों और मतभेदों का सामना करना पड़ सकता है, जिस वजह से आप झुंझलाहट और बेचैनी महसूस करेंगे। केवल एक दिन को नज़र में रखकर जीने की अपनी आदत पर क़ाबू करें और ज़रूरत से ज़्यादा वक़्त व पैसा मनोरंजन पर ख़र्च न करें। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। दूसरों की दख़लअन्दाज़ी गतिरोध पैदा कर सकती है। अपनी कमियों पर आपको काम करने की जरुरत है इसके लिए आपको अपने लिए समय निकालना चाहिए। रिश्तेदारों को लेकर जीवनसाथी के साथ नोंकझोंक हो सकती है।

मिथुन - क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

बाहर का और खुला खाना खाते वक़्त ख़ास तौर पर बचाव पर ध्यान देने की ज़रूरत है। हालाँकि बिना वजह तनाव न लें, क्योंकि यह आपको मानसिक कष्ट दे सकता है। इस राशि के जो लोग विदेशों से व्यापार करते हैं उन्हें आज अच्छा खासा धन लाभ हो सकता है। अगर बातचीत और चर्चा आपके मुताबिक़ न हो, तो आप नाराज़गी में कड़वी बातें कह सकते हैं जिन्हें लेकर बाद में आपको पछताना पड़ सकता है - इसलिए भली-भांति सोचकर ही बोलें। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी।

कर्क - ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

सेहत अच्छी रहेगी। अगर आपने अपने घर के किसी सदस्य से उधार लिया था तो उसे आज लौटा दें नहीं तो वो आपके खिलाफ कानूनी कार्यवाही कर सकता है। आपकी परेशानी आपके लिए ख़ासी बड़ी हो सकती है, लेकिन आस-पास के लोग आपके दर्द को नहीं समझेंगे। शायद उन्हें लगता हो कि इससे उन्हें कोई लेना-देना नहीं है। काम में आपकी दक्षता की आज परीक्षा होगी। इच्छित परिणाम देने के लिए आपको अपनी कोशिशों पर एकाग्रता बनाए रखने की ज़रूरत है। आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है।

सिंह - म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। भावनात्मक तौर पर ख़तरा उठाना आपके पक्ष में जाएगा। आप दोस्तों के साथ शाम को बाहर घूमने जा सकते हैं। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियाँ आपके पक्ष में लगती हैं। आपका चुम्बकीय और ज़िन्दादिल व्यक्तित्व आपको सबके आकर्षण का केन्द्र बना देगा। थोड़ी-सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है।

कन्या - टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आप घूमने-फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे- लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। तनाव का दौर बरक़रार रहेगा, लेकिन पारिवारिक सहयोग मदद देगा। आपके प्रिय का प्यारा बर्ताव आपको ख़ास होने का अनुभव कराएगा; इन लम्हों का पूरा लुत्फ़ उठाएँ। दफ़्तर में जिसके साथ आपकी सबसे कम बनती है, उससे अच्छी बातचीत हो सकती है। साफ़गोई से अपने मन की बात कहने में घबराएँ नहीं। विवाह एक दैवीय आशीर्वाद है और आज आप इसका अनुभव कर सकते हैं।

तुला - र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जरूरत से ज़्यादा खाने से बचें और सेहतमंद रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। ख़र्चों में हुई अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी आपके मन की शांति को भंग करेगी। नाती-पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। इसे महसूस करने के लिए कुछ वक़्त बचाकर रखें। आने वाले समय में दफ़्तर में आपका आज का काम कई तरीक़े से असर दिखाएगा। जीवन हमेशा कुछ नया और चौंकाने वाली चीज़ आपके सामने लाता है। लेकिन आज आप अपने जीवनसाथी का एक अनोखा पहलू देखकर ख़ुशी से चौंक जाएंगे।

वृश्चिक - तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका दानशीलता का व्यवहार आपके लिए छुपे हुए आशीर्वाद की तरह सिद्ध होगा, क्योंकि यह आपको शक, अनास्था, लालच और आसक्ति जैसी ख़राबियों से बचाएगा। आज धन लाभ होने की संभावना तो बन रही है लेकिन ऐसा हो सकता है कि अपने गुस्सैल स्वभाव के कारण आप पैसा कमाने में सक्षम न हो पाएं। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो पाते।

धनु - ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपके पास ख़ुद के लिए पर्याप्त समय होगा, तो मौक़े का फ़ायदा उठाएँ और अच्छी सेहत के लिए पैदल सैर पर जाएँ। जल्दबाज़ी में निवेश न करें- अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। भावनात्मक उथल-पुथल आपको परेशान कर सकती है। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते हैं।

मकर - भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बहुत ज़्यादा खाने से बचें और अपने वज़न पर नज़र रखें। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। आपकी परेशानी आपके लिए ख़ासी बड़ी हो सकती है, लेकिन आस-पास के लोग आपके दर्द को नहीं समझेंगे। शायद उन्हें लगता हो कि इससे उन्हें कोई लेना-देना नहीं है। आज आप हर तरफ़ प्यार-ही-प्यार फैलाएंगे। दिवास्वप्नों में समय खपाना नुक़सानदेह रहेगा, इस मुग़ालते में न रहें कि दूसरे आपका काम करेंगे। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा

कुम्भ - गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

मज़बूती और निडरता का गुण आपकी मानसिक क्षमताओं में इज़ाफ़ा करेगा। किसी भी तरह के हालात को क़ाबू में रखने के लिए इस रफ़्तार को बरक़रार रखिए। दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। घर में कुछ बदलाव लाने के लिए पहले बाक़ी लोगों की राय भली-भांति जान लें। जो लोग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें दिमाग़ शांत रखने की ज़रूरत है। परीक्षा की घबराहट को हावी न होने दें। आपका प्रयास सकारात्मक परिणाम ज़रूर देगा। जो लोग अब तक किसी काम में व्यस्त थे आज उन्हें अपने लिए समय मिल सकता है लेकिन घर में किसी काम के आ जाने से आप फिर से व्यस्त हो सकते हैं।

मीन - दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

रक्तचाप के मरीज़ों को ख़ास ख़याल रखने और दवा-दारू करने की ज़रूरत है। साथ ही उन्हें कॉलेस्ट्रोल को क़ाबू में रखने की कोशिश भी करनी चाहिए। ऐसा करना आगे काफ़ी लाभदायक सिद्ध होगा। धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। कुछ दिनों से आपका व्यक्तिगत जीवन ही आपके ध्यान का केंद्र रहा है। लेकिन आज आप सामाजिक कार्यों पर ज़्यादा ध्यान देंगे और ज़रूरतमंदों की मदद करने की कोशिश करेंगे। काम के लिए समर्पित पेशेवर लोग रुपये-पैसे और करिअर के मोर्चे पर फ़ायदे में रहेंगे। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 01 मार्च 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वितीया रात्रि 12:11 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपदा प्रातः 11:23 तक
योग : साध्य सायं 04:24 तक
करण : बालव दोपहर 01:45 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 06:34 , सूर्यास्त 06:22 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:35 , सूर्यास्त 06:28 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:28, सूर्यास्त 06:20 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:25 , सूर्यास्त 06:14 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : फूलेरा दूज , श्रीराम कृष्ण परमहंस जयंती

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

यादव समाज को लेकर कैबिनेट विस्तार पर बोले पूर्व मंत्री

'बीजेपी अन्याय नहीं, न्याय करने वाली पार्टी'

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। बिहार सरकार के हालिया कैबिनेट विस्तार में यादव समाज से किसी को मंत्री न बनाए जाने को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। इस मुद्दे पर बीजेपी के औराई से विधायक और पूर्व भूमि सुधार राजस्व मंत्री रामसूरत राय ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि बीजेपी अन्याय करने वाली नहीं, बल्कि न्याय करने वाली पार्टी है और सभी जातियों को प्रतिनिधित्व देने के लिए काम कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी के भीतर किसी न किसी वजह से यह निर्णय लिया गया होगा, लेकिन इससे यादव समाज के लोगों को भ्रम में नहीं पड़ना चाहिए।

रामसूरत राय ने अपने बयान में कहा कि जब उनकी जाति से कोई मंत्री नहीं था, तब भी उन्हें मंत्री बनाया गया था। अब अगर इस बार किसी यादव को मंत्री नहीं बनाया गया है, तो इसका मतलब यह नहीं कि पार्टी किसी के साथ भेदभाव कर रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बीजेपी एक समावेशी पार्टी है, जो योग्यता और जरूरत के आधार पर निर्णय लेती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पूरे देश में तीन केंद्रीय

मंत्री यादव जाति से आते हैं और किसी ने यह कल्पना भी नहीं की थी कि मध्य प्रदेश में कभी कोई यादव जाति का मुख्यमंत्री बनेगा, लेकिन बीजेपी ने ऐसा कर दिखाया।

पूर्व मंत्री ने कहा कि यादव समाज अब सिर्फ राजद के मुस्लिम-यादव समीकरण तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि बीजेपी को भी यादवों का समर्थन मिलने लगा है और पार्टी हर वर्ग को समान रूप से प्रतिनिधित्व देने का प्रयास कर रही है। उनका मानना है कि बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने कुछ सोच-समझकर ही यह फैसला लिया होगा।

हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि आम जनता के मन में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस बार कैबिनेट में यादव समाज का प्रतिनिधित्व क्यों नहीं किया गया।

रामसूरत राय ने यह भी कहा कि बीजेपी में सभी निर्णय पार्टी की केंद्रीय कमेटी द्वारा लिए जाते हैं और सभी को पार्टी की रणनीति पर विश्वास रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि आम लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि इस बार मंत्री मंडल में यादव समाज से कोई मंत्री क्यों नहीं बना, लेकिन पार्टी का नेतृत्व इससे जरूर अवगत होगा और भविष्य में इस पर उचित निर्णय लिया जाएगा।

रामसूरत राय का यह बयान ऐसे समय में आया है जब बिहार की राजनीति में कैबिनेट विस्तार को लेकर चर्चाएं जोरों पर हैं। यादव समाज का एक बड़ा वर्ग पारंपरिक रूप से राजद का समर्थन करता रहा है, लेकिन बीजेपी अब इस वोट बैंक में भी सेंध लगाने की कोशिश कर रही है।

हवाई अड्डे पर गार्ड पर हमला करने के आरोप में विदेशी नागरिक गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु एयरपोर्ट पर केंद्रीय औद्योगिक बल के जवान पर हमला करने के आरोप में एक विदेशी यात्री को गिरफ्तार किया गया है। सुरक्षा बलों ने उसे विमान में चढ़ने की अनुमति नहीं दी, क्योंकि उसके खिलाफ गैर-जमानती अपराध का मामला दर्ज किया गया था। इलियट ब्लेयर नामक एक विदेशी यात्री गुरुवार रात करीब 10.20 बजे बेंगलूरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रस्थान क्षेत्र में पहुंचा। उसके पास ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन दोनों के पासपोर्ट थे। इलाके में तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के सिपाही रामकुमार थलेरा ने उसके बैग की तलाशी लेने का प्रयास किया। उस समय ब्लेयर गुस्सा हो गया और उसने पुलिस अधिकारी रामकुमार को अपशब्द कहे। जब अन्य पुलिस अधिकारियों ने उसे शांत करने की कोशिश की, तो उसने उनके साथ भी दुर्व्यवहार किया। ऐसा कहा जाता है कि उसने लाइन में खड़े यात्रियों और महिलाओं सहित गार्डों पर भी हमला किया। इसके बाद सुरक्षा बल ब्लेयर को एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन ले गए, जहां उन्होंने उस पर गैर-जमानती आरोप लगाए और उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके अलावा, उसे विमान में यात्रा करने की अनुमति नहीं दी गई।

राजस्व पर्षद के सचिव ने दिए सख्त निर्देश

बेतिया राज के ऐतिहासिक अभिलेखों की स्कैनिंग कार्य में आई तेजी

बेतिया (एजेंसियां)। बिहार के बेतिया में सैकड़ों वर्ष पुराने राज के अभिलेखों की स्कैनिंग का कार्य जोरों पर है। इस ऐतिहासिक कार्य का जायजा लेने के लिए राजस्व पर्षद के सचिव गिरिवर दयाल सिंह बेतिया राज कचहरी कार्यालय पहुंचे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यरत कर्मियों को स्कैनिंग कार्य में तेजी लाने का सख्त निर्देश दिया और इस महत्वपूर्ण कार्य को प्राथमिकता के साथ पूरा करने को कहा।

बेतिया राज की ऐतिहासिक विरासतों को सुरक्षित और संरक्षित करने का काम तेज गति से किया जा रहा है। सैकड़ों वर्षों से राज कर्मियों द्वारा संभालकर रखे गए अभिलेखों को अब आधुनिक तकनीक की मदद से डिजिटली संरक्षित किया जा रहा है। सरकार की ओर से इन अभिलेखों की स्कैनिंग कराई जा रही है ताकि इन्हें भविष्य के लिए सुरक्षित रखा जा सके।

निरीक्षण के दौरान सचिव गिरिवर दयाल सिंह ने राज कचहरी कार्यालय, रेकॉर्ड रूम और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों का भी दौरा किया। उन्होंने वहां काम

कर रहे कर्मियों से स्कैनिंग प्रक्रिया की प्रगति के बारे में जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने राज कर्मियों और अधिकारियों के साथ एक बैठक की, जिसमें इस कार्य को तेजी से पूरा करने की रणनीति पर चर्चा की गई।

निरीक्षण के दौरान सचिव के साथ सदर एसडीओ डॉ. विनोद कुमार भी मौजूद थे। उन्होंने बताया कि बेतिया राज के ऐतिहासिक भवनों, जैसे कि राज कचहरी, रानी भवन, शीश महल और मालखाना समेत अन्य ऐतिहासिक स्थलों को संरक्षित और सुरक्षित रखने के लिए सरकार पूरी तत्परता से कार्य कर रही है।

गौरतलब है कि बेतिया राज की संपत्तियों को बिहार सरकार द्वारा एक कानून बनाकर अधिग्रहण किया जा चुका है। राज्यपाल के हस्ताक्षर के बाद इसका गजट प्रकाशन कराया गया, जिसके बाद से सरकार इस विरासत को सुरक्षित रखने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य कर रही है। संपत्तियों के संरक्षण के लिए सर्वेक्षण से लेकर भूमि की पैमाइश तक के कार्य किए जा रहे हैं, ताकि बेतिया राज की ऐतिहासिक धरोहरों को संरक्षित किया जा सके।

पीएमसीएच में जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल, ओपीडी सेवाएं रहीं ठप, मरीजों को हुई भारी परेशानी

पटना (एजेंसियां)। पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल (पीएमसीएच) में एक बार फिर जूनियर डॉक्टरों ने हड़ताल कर दी, जिससे मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। हड़ताल के दौरान डॉक्टरों ने अस्पताल की ओपीडी सेवाएं पूरी तरह बंद कर दीं, जिससे इलाज के लिए आए मरीजों को इधर-उधर भटकना पड़ा।

जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल की मुख्य वजह चार महीने से बकाया स्टाइपेंड है। डॉक्टरों का कहना था कि बिना स्टाइपेंड के उनके लिए गुजारा करना मुश्किल हो रहा था, इसलिए उन्होंने मजबूरी में यह कदम उठाया। अस्पताल परिसर में जुटे डॉक्टरों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को रखा और जल्द से जल्द बकाया स्टाइपेंड देने की मांग की।

प्रदर्शन में शामिल डॉक्टर सुशील झा ने बताया कि पिछले चार महीनों से वे परेशान हैं। स्टाइपेंड न मिलने के कारण उन्हें आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि हमें मजबूरी में हड़ताल करनी पड़ी, क्योंकि अब हालात ऐसे हो गए थे कि खाने-पीने तक के लाले पड़ गए थे।

जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक हम हड़ताल पर ही रहते।

हालांकि, हड़ताल के दौरान मरीजों को असुविधा न हो, इसके लिए डॉक्टरों ने इमरजेंसी सेवाओं को इससे बाहर रखा। केवल ओपीडी सेवाएं बंद रखी गई थीं, जिससे सामान्य बीमारियों का इलाज कराने आए मरीजों को सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ी।

अस्पताल प्रशासन और सरकार की ओर से तुरंत कार्रवाई करते हुए दोपहर 12 बजे तक जूनियर डॉक्टरों के स्टाइपेंड की राशि जारी कर दी गई। इसके बाद डॉक्टरों ने हड़ताल खत्म करने का एलान किया और ओपीडी सेवाएं फिर से शुरू कर दी गईं। अस्पताल में इलाज के लिए आए मरीजों ने राहत की सांस ली।

सुबह से इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे मरीजों को जब पता चला कि डॉक्टर हड़ताल पर चले गए हैं, तो वे काफी नाराज दिखे। मरीजों का कहना है कि हर बार डॉक्टरों और प्रशासन के बीच तनातनी का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ता है। कई मरीज दूर-दराज से आए थे, लेकिन ओपीडी बंद होने के कारण उन्हें बिना इलाज लौटना पड़ा।

पीएमसीएच में जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल कोई नई बात नहीं है। अक्सर किसी न किसी मुद्दे को लेकर डॉक्टर हड़ताल पर चले जाते हैं, जिससे मरीजों को परेशानी उठानी पड़ती है। मरीजों और उनके परिजनों ने सरकार से मांग की है कि इस तरह की समस्याओं का स्थायी समाधान निकाला जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की दिक्कतों का सामना न करना पड़े।

कांग्रेस ने पड़ोसी राज्यों को पानी छोड़कर प्रदेश की जनता के साथ विश्वासघात किया: निखिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेडीएस युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने राज्य कांग्रेस की आलोचना की है, जिसने अपने भारतीय सहयोगी डीएमके को खुश करने के लिए गुप्त रूप से कावेरी का पानी तमिलनाडु को छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को रातोंरात तमिलनाडु राज्य से प्यार हो गया है। उन्होंने इस संबंध में सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए आरोप लगाया कि 20 और 21 तारीख को उन्होंने तमिलनाडु राज्य को 1.27 टीएमसी फीट पानी उपहार में दिया। तेलंगाना और तमिलनाडु के प्रति राज्य सरकार के पक्षपात ने एक बार फिर कन्नड़ लोगों के साथ विश्वासघात किया है। राज्य के किसानों को पानी छोड़ने में एक सेकंड भी बर्बाद न हो, इसके लिए समय का ध्यान रखने वाले अधिकारी इस बारे में क्या कहते हैं? यदि राज्य के लोगों को पीने के पानी और ग्रीष्मकालीन फसलों के लिए पानी की कमी का सामना करना पड़े तो आप किसे दोषी ठहराएंगे? उन्होंने इस पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह सरकार किसानों के अभिशाप का सामना करने के लिए तैयार है।

मिड डे मील में अंडा और चावल खाने के बाद 80 बच्चे बीमार, अस्पताल में भर्ती

नालंदा (एजेंसियां)। नालंदा जिले में मध्याह्न भोजन के दौरान परोसे गए अंडा-चावल खाने के बाद 80 स्कूली बच्चे बीमार पड़ गए। यह घटना हरनौत प्रखंड के श्री चंदपुर प्राथमिक विद्यालय में शुक्रवार को हुई, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया।

घटना के बाद बच्चों को तुरंत कल्याण विगहा रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की टीम ने उनका इलाज शुरू किया। बच्चों को अंडा खाने के कुछ ही देर बाद उल्टी, पेट दर्द और चक्कर आने जैसी शिकायतें होने लगीं। स्कूल प्रशासन ने स्थिति को गंभीरता से लेते हुए तुरंत स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों को सूचित किया और अस्पताल पहुंचाने के लिए

एंबुलेंस की व्यवस्था कराई।

विद्यालय की शिक्षिका ऋतु कुमारी ने बताया कि दोपहर में मध्याह्न भोजन के तहत अंडा और चावल परोसा गया था। अंडा खाने के बाद कुछ बच्चों ने बेचैनी महसूस की और थोड़ी देर बाद उनकी तबीयत तेजी से बिगड़ने लगी। स्कूल स्टाफ ने तत्काल प्रशासन को सूचना दी और बीमार बच्चों को अस्पताल भिजवाया गया।

अस्पताल में भर्ती बच्चों का इलाज कर रहे वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. राकेश रंजन ने बताया कि सभी बच्चों की स्थिति अब स्थिर है और खतरे से बाहर है। उन्होंने कहा कि बच्चों को फूड प्वाइजनिंग के लक्षण थे, जिनका इलाज किया जा रहा है। अभी स्थिति नियंत्रण में है और हम लगातार उनकी निगरानी कर रहे हैं। जिला प्रशासन को घटना की सूचना मिलते ही अधिकारी अस्पताल पहुंचे और बच्चों की स्थिति का जायजा लिया। जिला शिक्षा अधिकारी राजकुमार ने कहा कि घटना की गंभीरता को देखते हुए जांच के आदेश दे दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि खाने की गुणवत्ता में कोई खराबी थी या भोजन तैयार करने में कोई लापरवाही हुई। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

घटना के बाद स्थानीय नागरिकों और अभिभावकों में आक्रोश देखा गया। उन्होंने मांग की कि मध्याह्न भोजन कार्यक्रम में पारदर्शिता लाई जाए और भोजन की गुणवत्ता की नियमित जांच हो। कई अभिभावकों ने शिकायत की कि स्कूलों में मिलने वाले खाने की गुणवत्ता पर उचित ध्यान नहीं दिया जाता, जिससे इस तरह की घटनाएं होती हैं। स्थानीय निवासी रमेश पासवान ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। स्कूलों में परोसे जाने वाले भोजन की नियमित जांच होनी चाहिए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को टाला जा सके।

बिहार में मध्याह्न भोजन से फूड प्वाइजनिंग के मामले पहले भी सामने आ चुके हैं। कई बार भोजन की गुणवत्ता पर सवाल उठे हैं, लेकिन प्रशासन द्वारा ठोस कदम नहीं उठाए गए। यह घटना एक बार फिर से यह सोचने पर मजबूर कर रही है कि क्या सरकारी स्कूलों में बच्चों की सेहत के साथ खिलवाड़ हो रहा है?

भूमि विवाद में हत्या के 27 साल बाद आया फैसला, 14 लोगों को उम्रकैद, 11 हुए रिहा

दरभंगा (एजेंसियां)। मधुबनी जिले के भैरव स्थान थाना क्षेत्र के झौऊआ गांव में भूमि विवाद के कारण पांच अगस्त 1997 को हुई हत्या के मामले में 27 साल बाद अदालत ने अपना फैसला सुना दिया। मधुबनी व्यवहार न्यायालय की जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनामिका टी की अदालत ने 14 आरोपियों को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई, जबकि 11 आरोपियों को संदेह का लाभ देकर रिहा कर दिया गया।

जानकारी के मुताबिक, झौऊआ गांव में योगेंद्र यादव और नागेश्वर यादव के बीच भूमि विवाद चल रहा था। पांच अगस्त 1997 को योगेंद्र यादव की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई थी, जबकि नागेश्वर यादव गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घटना के बाद छह अगस्त 1997 को भैरव स्थान थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसमें 32 नामजद अभियुक्तों सहित छह अप्राथमिक अभियुक्तों को शामिल किया गया था। पुलिस ने जांच के बाद 16 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की, जबकि न्यायालय ने 37 अभियुक्तों के खिलाफ संज्ञान लिया।

मामले की सुनवाई के दौरान 12 अभियुक्तों की मृत्यु हो चुकी थी, जिसके बाद 25 अभियुक्तों

पर मुकदमा चला। अभियोजन पक्ष ने 12 गवाहों के बयान दर्ज कराए। बचाव पक्ष ने छह गवाहों को अदालत में पेश किया। 15 जनवरी 2025 को 14 अभियुक्तों को दोषी करार दिया गया, जबकि 11 को संदेह का लाभ मिला। आज 28 फरवरी 2025 को अदालत ने दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई।

लोक अभियोजक मनोज तिवारी ने मीडिया को बताया कि जो 11 आरोपी संदेह के लाभ के आधार पर रिहा किए गए हैं, उनके खिलाफ सरकार उच्च न्यायालय में अपील करेगी। फैसले के दिन मधुबनी न्यायालय परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। अभियुक्तों को सुरक्षा घेरे में जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनामिका टी की अदालत में पेश किया गया।

सरकार की ओर से लोक अभियोजक मनोज तिवारी और अपर लोक अभियोजक अजीत कुमार सिन्हा ने पक्ष रखा। हालांकि इस मामले में विशेष लोक अभियोजक दिवंगत कमल नारायण यादव भी सरकार की ओर से पक्ष रख चुके हैं। वहीं, बचाव पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता दीनानाथ यादव और सूरत कुमार मिश्रा ने दलीलें दीं।

इस फैसले से मृतक के परिजनों को न्याय मिलने की उम्मीद जगी है।

27 साल बाद अदालत ने दोषियों को सजा सुनाकर पीड़ित परिवार को राहत दी। हालांकि सरकार अब हाईकोर्ट में अपील कर बच निकले आरोपियों को भी सजा दिलाने का प्रयास करेगी।

गांव के दबंग ने पुराने विवाद में महिला से की दुष्कर्म की कोशिश

असफल होने पर बेरहमी से पीटा, गिरफ्तार

शेखपुरा (एजेंसियां)। शेखपुरा जिले के कसार थाना क्षेत्र में पुराने विवाद में महिला के साथ बदमाश ने दुष्कर्म का प्रयास किया। जहां असफल रहने पर उसने उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। घटना के बाद महिला को परिजनों ने सदर अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां महिला का इलाज जारी है। इस मामले में सूचना के पश्चात 112 डायल पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

इस बाबत महिला के पति ने बताया कि गांव के दबंग गंगा महतो का बेटा राजेश उर्फ भीम महतो मुफ्त में अपने खेत में पटवन के लिए कहता था। एक दो बार तो पटवन कर दिया, लेकिन बार-बार मुफ्त में पटवन करने को कहता था। उन्होंने यह कहकर पटवन करना बंद दिया कि उसकी बिजली खर्च होता है, जिसको लेकर अक्सर वह गाली-गलौज और अंजाम भुगतने की धमकी देता था।

इसी सिलसिले में गुरुवार की देर शाम उसकी पत्नी अकेली अपने खेत से बांस काटने गई हुई थी। जहां पूर्व से घात लगाए नशे में धुत आरोपी भीम महतो ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म का प्रयास किया। जब उसकी पत्नी शोर मचाने लगी तो आरोपी भीम महतो उसकी बेरहमी से पिटाई कर भाग गया। शोर सुनकर जब स्थानीय लोग पहुंचे तो वह लहूलुहान हालत में मिली। सूचना मिलने के बाद हम लोग पहुंचे और सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। 112 डायल के पुलिस पदाधिकारी ने कहा कि उन्हें सूचना मिली थी, जिसके बाद उन्होंने गांव पहुंचकर आरोपी गंगा महतो के बेटे राजेश उर्फ भीम महतो को गिरफ्तार कर लिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com